भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 16 अक्तूबर 2026 | 30 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 172, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

सूर्योदय 6:24 सूर्यास्त 5:49

आज का तापमान

शिमला	11.0 न्यू	22.0 अधि
धर्मशाला	15.5 न्यू	25.0 अधि

बाजार

सैंसेक्स	74,316
निफ्टी	22,997
सोना 1,45,564	चांदी 2,07,000

न्यूज शॉर्ट्स

एक नवंबर से फोन-स्क्रीन पर कॉलर का नाम दिखाना जरूरी

एजेंसी, नई दिल्ली। आपके फोन पर जब भी किसी का कॉल आएगा, तो स्क्रीन पर उस व्यक्ति का नंबर और नाम दोनों दिखेंगे। जिस आईडी से सिम खरीदी, वही नाम डिस्प्ले होगा। इससे फर्जी कॉल पहचानने में मदद मिलेगी। दूरसंचार विभाग ने टेलिकॉम ऑपरेटर्स को 1 नवंबर 2026 से ये सर्विस शुरू करने का निर्देश दिया है। यूजर को इस सर्विस को अलग से एक्टिवेट करने की जरूरत नहीं होगी। जनेस या बल्क सिम इस्तेमाल करने वाले यूजर्स को अपने ट्रेडमार्क या रजिस्टर्ड बिजनेस नेम दिखाने का विकल्प मिलेगा। इसके लिए उन्हें ट्रेडमार्क रजिस्ट्री या जीएसटी पोर्टल पर रजिस्टर्ड नाम का वेरिफिकेशन और डॉक्यूमेंट्स ऑपरेटर को देने होंगे।

देश का निर्यात सितंबर में 23 फीसदी बढ़कर 44.4 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली। दीपावली के पहले निर्यात के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। देश का वस्तु निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 23.04 फीसदी बढ़कर 44.40 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि व्यापार घाटा घटकर 30.21 अरब डॉलर रह गया। पिछले साल सितंबर में यह आंकड़ा 36.08 अरब डॉलर था। वस्तु व्यापार घाटा भी कम होकर 30.21 अरब डॉलर रह गया है, जो एक साल पहले 33 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने वीरवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इस दौरान आयात आठ फीसदी बढ़कर 69.08 अरब डॉलर से बढ़कर 74.61 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे व्यापार घाटा भी घटकर 30.21 अरब डॉलर रह गया है, जो सितंबर, 2025 में 33 अरब डॉलर था।

भारत पर 100% टैरिफ लगाने पर 10 दिन में फैसला ले सकते हैं ट्रंप

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर 100% टैरिफ लगाने को लेकर करीब 10 दिन में फैसला ले सकते हैं। यह बात अमेरिकी दूत सर्जियो गोर ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में कही। गोर ने कहा कि भारत को प्रतिबंधों से छूट मिलेगी या नहीं, यह भी ट्रंप ही तय करेंगे। अमेरिकी संसद ने 16 सितंबर को रूस से तेल-गैस खरीदने वाले देशों पर 100% टैरिफ लगाने का बिल पास किया था। ट्रंप ने भी 18 सितंबर को इस कानून को मंजूरी दे दी है, लेकिन किसी देश पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। हालांकि, कानून पारित होने के 30 दिनों के भीतर फैसला लेना जरूरी है। खास बात यह है कि अब ट्रंप खुद रूस से डीजल खरीदने वाले हैं।

प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस; मेट्रो-इंटरनेट बंद करने पर सरकार माफी मांग चुकी

सीजेपी प्रोटेस्ट का सीसीटीवी रखें सुरक्षित

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वीरवार को सीजेपी प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशन और इंटरनेट बंद करने और जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के मामले पर सुनवाई हुई।

कोर्ट ने कहा- हम 10 अक्तूबर को जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस जारी कर रहे हैं। उन्हें इसका जवाब देना होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल से हटाने के फैसले पर भी सरकार को नोटिस दिया है। कोर्ट ने 10 अक्टूबर को सीजेपी प्रदर्शन पर कहा कि उस दिन के सभी सीसीटीवी फुटेज संभालकर रखे जाएं। इससे पहले केंद्र सरकार ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में इंटरनेट बंद करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी थी। गृह सचिव गोविंद मोहन ने कोर्ट को दिए हलफनामे में कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अफवाह रोकने के लिए यह कदम उठाना पड़ा। विपक्ष और प्रदर्शनकारियों की तरफ से कोर्ट में गोपाल शंकरनारायणन, कपिल सिब्बल और मेनका गुरुस्वामी ने दलीलें रखीं। वहीं, सरकार का पक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और गौरव भाटिया रख रहे हैं।



महिला पत्रकार को गिरफ्तार न करें

एसीपी विवेक भगत द्वारा एक महिला पत्रकार के खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। सीजेआई सूर्यकांत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि उन्हें गिरफ्तार न किया जाए। एसजी तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि अगर वह जांच में शामिल होती हैं, तो उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

जंतर-मंतर को प्रदर्शन सूची से हटाने का फैसला समिति का : केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने पर कहा, 'हम केंद्र और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर रहे हैं और उनका जवाब मांग रहे हैं। उन्हें जवाब देने दीजिए, अगर जवाब संतोषजनक नहीं हुआ, तो कानून अपना काम करेगा। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने का फैसला एक समिति की सिफारिश पर लिया गया था।

कोई भी कोर्ट को डरा-धमकाकर दबाव में नहीं ला सकता: सीजेआई

2 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट तक विपक्ष के मार्च मामले में वीरवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी कोर्ट को डरा-धमकाकर दबाव में नहीं ला सकता। ऐसी कोशिशें बेकार हैं। इन पर कोई ध्यान नहीं देता। हमें पता कि कोर्ट के बाहर क्या कहा जा रहा है और कोर्ट के अंदर क्या कहा जा रहा है। हम किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं जी रहे हैं। हमें हर बात की जानकारी है।

सीजेआई ने राहुल का नाम लिए बिना यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण पर सवाल करेंगे और उसे सफाई देनी होगी। 12 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट परिसर में विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों के जुटने से जुड़े मामले में राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य 14 नेताओं को नोटिस जारी किया है। वहीं, एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ इन नेताओं की याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा।



◆ सुप्रीम कोर्ट तक मार्च पर राहुल को नोटिस

सरकार का ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीरवार को कहा कि सरकार का ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है, ताकि युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले और उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए लद्दाख का विकास प्राथमिकता है।

पीएम मोदी ने लद्दाख में करीब 3,350 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन और लोकार्पण किया। इनमें लेह एयरपोर्ट का नया पैसेंजर टर्मिनल, 298 किलोमीटर लंबी निम्मू-पदुम-दरचा सड़क, 9 मेगावाट का हानू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, बिजली ट्रांसमिशन लाइन, देश का पहला पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क और 40 गांवों में बनाए गए जलाशय शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स से लद्दाख में हवाई और सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होगी। साथ ही बिजली की उपलब्धता, जल संरक्षण और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा- लद्दाख में खेलों की भी बहुत संभावनाएं हैं। यहां के युवाओं ने आइस हॉकी, पर्वतारोहण में नई पहचान बनाई है। यहां की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि युवा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करें।

पीएम मोदी ने कहा सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हो, स्थानीय उद्यमी देश-दुनिया से जुड़ सके, इसके लिए लगातार काम हो रहा है।



◆ कहा- केंद्र के लिए यहां का विकास प्राथमिकता; 3350 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए

अब पाकिस्तान की तरफ से आतंकी हरकत होने पर 'ऑपरेशन सिंदूर' से भी बड़ा प्रहार होगा : रक्षा मंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चुनौती देते हुए कहा है कि भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझना चाहिए। हम अपनी संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं, इसलिए अब पाकिस्तान से शुरू होने वाला कोई भी आतंकी काम और भी कड़े जवाब को न्योता देगा।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर, बालाकोट एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक से पता चलता है कि भारत कूटनीतिक आलोचना से हटकर आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सक्रिय कार्रवाई कर रहा है। नई दिल्ली में वीरवार को एक 'डिफेंस कॉन्क्लेव' में रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान से होने वाली कोई भी और आतंकवादी कार्रवाई और भी कड़े जवाब को न्योता देगी। 2014 के बाद से ज्यादातर आतंकवादियों की 'शेल्फ लाइफ' एक साल से भी कम हो गई है और सुरक्षा बलों ने भारत के खिलाफ हथियार उठाने के एक साल के अंदर ही उन्हें खत्म कर दिया है। रक्षा मंत्री ने शांति बनाए रखने के लिए ताकत और काबिलियत को जरूरी बताया और कहा कि भारत शांति की उम्मीद करता है, लेकिन देश की रक्षा के लिए कभी-कभी जरूरी हो जाने वाले युद्ध के लिए भी तैयार रहता है। बदलते सुरक्षा माहौल पर राजनाथ सिंह ने हाइब्रिड, हाई-टेक और हाइपर वॉरफेयर के इस दौर में ज्यादा सतर्कता और तैयारी की जरूरत पर जोर दिया। आतंकवाद संगठित ग्रुप से आगे बढ़ रहा है और उभरते खतरों में 'लोन-वुल्फ' हमले और 'व्हाइट-कॉलर आतंकवाद' शामिल हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के लिए कट्टरपंथी लोगों की पहचान करना और संभावित हमलों को रोकना मुश्किल होता जा रहा है।



◆ आतंकियों की शेल्फ लाइफ एक साल से भी कम, सुरक्षा बल दे रहे मुंहतोड़ जवाब

एक्टर इमरान खान को भारत छोड़ने का नोटिस, 28 अक्तूबर तक की मोहलत

एजेंसी, मुंबई। एक्टर इमरान खान को मुंबई पुलिस ने नोटिस जारी कर 28 अक्तूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इमरान 10 अक्तूबर को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसके बाद मुंबई पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में भी लिया था। वे 22-23 जुलाई को नीट पेपर लीक के विरोध में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान भारतीय नहीं, अमेरिकी नागरिक हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इस मामले में उनके खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।



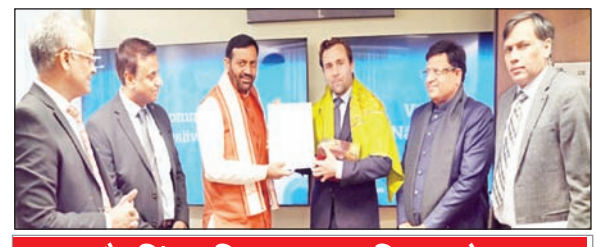
हरियाणा के 18 ड्राई पोर्ट्स पर स्वीडन की नजर

स्वीडिश मंत्री से मिले सीएम सैनी, 5 साल में व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

एजेंसी, पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडन सरकार के अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग व विदेश व्यापार मंत्री बेंजामिन दौसा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और नए अवसरों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा स्वीडन के साथ शुरू की गई पहल को आगे बढ़ाना ही हरियाणा का मुख्य लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मई 2025 में भारत और स्वीडन ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। इसके तहत आने वाले 5 वर्षों में दोनों देशों ने आपसी व्यापार और निवेश को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

हरियाणा में स्थित 18 ड्राई पोर्ट्स का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वीडन के साथ मिलकर इन ड्राई पोर्ट्स के विकास और संचालन पर काम करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने कहा शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) और ऊर्जा के क्षेत्र में स्वीडन के साथ मिलकर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाएगा।



'हैपनिंग हरियाणा' का दिया न्योता

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडिश मंत्री बेंजामिन दौसा को 'हैपनिंग हरियाणा' समिट के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया। वहीं, स्वीडन के मंत्री बेंजामिन दौसा ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद व्यक्त करते हुए हरियाणा के साथ भविष्य की विभिन्न योजनाओं पर मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

सरकारी अस्पतालों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस कर रही सरकार : रेखा



एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वीरवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में ड्यूल सोर्स 256 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन और तीन टेस्ला एमआरआई मशीनों का शुभारंभ किया।

एलएनजेपी अस्पताल में मशीनों के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इन मशीनों के शुभारंभ से हृदय, मस्तिष्क, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की जांच की बेहतर सुविधा अब अस्पताल में ही मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि दिल्ली के सरकारी अस्पताल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित हों और बेहतर इलाज हर नागरिक की पहुंच में हो।

इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी डॉ. पंकज कुमार सिंह और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह साहनी उपस्थित रहे।

◆ सीएम ने एलएनजेपी अस्पताल में सीटी स्कैन टेस्ला एमआरआई मशीनों का किया शुभारंभ

सीएम की रंगरिक को सौगात, बालिका छात्रावास के लिए 2 करोड़ की घोषणा

रंगरिक स्वास्थ्य उपकेंद्र बनेगा पीएचसी : सुक्खू

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जनजातीय जिला लाहौल सिटी के प्रवास के दौरान स्पीति घाटी के रंगरिक में बालिका छात्रावास के नए भवन के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। उन्होंने रंगरिक स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में स्तरोन्नत करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार के 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत रंगरिक में रात्रि प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास का औचक निरीक्षण किया, छात्राओं से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के दुर्गम गांवों में रहने वाले लोगों की समस्याओं को करीब से समझने के लिए वह इन क्षेत्रों में रात्रि प्रवास कर रहे हैं। लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी जरूरतों और समस्याओं की जानकारी ली जा रही है। इनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। सरकार लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बना रही है और उन्हें प्रदेश के बजट में शामिल किया जा रहा है। रंगरिक स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के बालिका छात्रावास के निरीक्षण के दौरान छात्राओं ने मुख्यमंत्री के सामने बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने नए छात्रावास के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने छात्राओं को आश्वासन दिया कि उनकी अन्य समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा। छात्रावास में चारदीवारी का निर्माण, दो मल्टी-टास्क वर्करों और एक महिला वार्डन की नियुक्ति तथा पानी की कमी दूर करने से संबंधित मांगें भी मुख्यमंत्री के सामने रखी गईं। उन्होंने इन समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत जनसमस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।



सुप्रीम कोर्ट बोला- धर्मांतरण पर पिछले धर्म का आरक्षण नहीं मिलेगा

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को कहा कि हिंदू धर्म से गैर-हिंदू धर्म अपनाने वाला व्यक्ति पुराने सामाजिक दर्जे के आधार पर आरक्षण का लाभ नहीं मांग सकता।

कोर्ट ने इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। दरअसल, सरकार ने 9 मार्च 2024 को पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, विमुक्त समुदाय और अनुसूचित जाति के लोगों को इस्लाम अपनाने के बाद मुस्लिम पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की अनुमति दी थी, लेकिन मद्रास हाईकोर्ट ने इस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती दी गई थी। हालांकि, कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच ने कहा कि हिंदू व्यवस्था से गैर-हिंदू व्यवस्था में जाने वाला व्यक्ति संविधान के अनुच्छेद 16(4) के तहत सिर्फ पुराने सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर सकारात्मक कार्रवाई का दावा नहीं कर सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के 1950 के अनुसूचित जाति आदेश का जिक्र किया। कोर्ट ने कहा कि अनुसूचित जाति का दर्जा हिंदू, बौद्ध या सिख धर्म के अलावा दूसरे धर्मों के लोगों को नहीं दिया जा सकता। कोर्ट के मुताबिक, ऐसे व्यक्ति का अपने मूल जाति से जुड़ा अनुसूचित जाति दर्जा खत्म हो जाता है। समीर अहमद नाम के व्यक्ति ने 2015 में इस्लाम अपनाया और 'मुस्लिम लेब्बई' समुदाय का प्रमाणपत्र मांगा। स्थानीय राजस्व अधिकारी ने उनका आवेदन रद्द कर दिया, जिसके बाद समीर अहमद ने मद्रास हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

◆ हिंदू धर्म में लौटने पर भी पुराना दर्जा नहीं; मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बरकरार

मुख्यमंत्री ने 63 मेधावी विद्यार्थियों व छह प्रधानाचार्यों को किया सम्मानित

मेधावी उत्तराखंड के स्तंभ : मुख्यमंत्री धामी



एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरवार को वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 63 मेधावी विद्यार्थियों तथा छह विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थी उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य के आधार स्तंभ हैं।

मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में हाईस्कूल के 38 और इंटरमीडिएट के 25 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। हाईस्कूल परीक्षा में अक्षत गोपाल ने 98.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि इंटरमीडिएट में गीतिका पंत और सुशीला मेहंदीरत्ता ने 98-98 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर धामी ने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय उनकी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ शिक्षकों तथा अभिभावकों के योगदान को दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2026 में प्रदेश का हाई स्कूल परीक्षाफल 92.10 प्रतिशत और इंटरमीडिएट का 85.11 प्रतिशत रहा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को आधुनिक तकनीक, नवाचार और भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप राज्य में शिक्षा व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक और गुणवत्तापूर्ण बनाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 500 विद्यालयों में वर्चुअल क्लासरूम और केंद्रीय स्टूडियो की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश में 189 अटल उत्कृष्ट विद्यालय स्थापित किए गए हैं तथा सरकारी विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकें अनिवार्य की गई हैं।

समारोह मुख्यमंत्री योगी ने वाराणसी में किया स्वच्छता मित्रों का सम्मान, 10 को मंच से प्रदान किए अंगवस्त्र व उपहार

माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी, कब्जाई जमीनों पर बनेंगी गरीबों की हवेलियां

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार निर्माण समेत बड़े कार्य कर सकती है, लेकिन उसके संरक्षण व सुरक्षा की जिम्मेदारी जागरूक समाज व जनता की होती है। यदि जनता जागरूक नहीं है, तो बड़े से बड़े निर्माण को भी धराशायी होने में देर नहीं लगती।

प्रयागराज में माफिया ने जमीन पर कब्जा कर लिया था, उसे खाली कराकर सरकार गरीबों, दलितों, वंचितों के लिए हाईराइज बिल्डिंग बनाने जा रही है। यूपी में माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी में है और कब्जाई गई जमीनों पर गरीबों के लिए हवेलियां बनेंगी। मुख्यमंत्री ने वीरवार को स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह में नगर निगम व जल निगम के स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया। उन्होंने स्वच्छता मित्रों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें भोजन भी परोसा। कबीरचौरा स्थित सरोजा पैलेस में आयोजित इस समारोह में जन-कल्याणकारी कार्यों के संदर्भ में लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता मित्र स्थानीय सांसद एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ काशी' मिशन को धरातल पर उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मी नींव के पत्थर हैं, जो दिखते नहीं हैं लेकिन इमारत इसी पर खड़ी होती है। सर्दी, गर्मी, बरसात, आंधी-तूफान, त्योहार में भी स्वच्छता मित्र सड़कों पर उतरकर समाज को स्वच्छ वातावरण देते हैं। पहले आपका माहौल उत्सवमय करते हैं और अंत में अपने बच्चों का त्योहार मनवाते हैं। कुछ लोग अपने कृत्यों व कारनामों से गंदगी फैलाते हैं, लेकिन बड़ा तबका अपने पुरुषार्थ व परिश्रम से आमजन को स्वच्छ वातावरण देता है। स्वच्छता कर्मियों के कारण ही प्रयागराज महाकुंभ स्वच्छ, दिव्य-भव्य हो पाया था। वहां 66 करोड़ श्रद्धालु आए और सभी ने स्वच्छता की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी बदल चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अविनाशी काशी का कायाकल्प हुआ है, जिस काशी की संकरी गलियों में 2014 से पहले गंदगी का अंबार था। सड़कों पर गोवंश व सांड़ घूमते थे। बिजली के लिए तरसना पड़ता था। बदहाल घाट, जाम और गंदगी काशी की पहचान और नियति बन चुकी थी। 2017 से पहले माफिया काशी में गरीब, व्यापारी की जमीन पर कब्जा कर भय फैलाते थे। अब काशी नई आभा, नए कलेवर के साथ आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए बढ़ रही है।



देश को परिवार मानने वाले ही ला सकते परिवर्तन

मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर तंज कसा कि मंथरा बुद्धि वालों की दुर्गति किसी से छिपी नहीं है। हर जागरूक नागरिक का दायित्व है कि सच के साथ खड़े हों, सत्य को धरातल पर उतारें और सुरक्षा-संरक्षण की जिम्मेदारी लें। उन्होंने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि को भी जागरूक होना चाहिए। जब जनप्रतिनिधि ही 12 बजे सोकर उठेगा और परिवार को ही समाज व प्रदेश मानने की भूल करेगा तो दुर्गति तय है। जिन लोगों ने समाज, प्रदेश व देश को परिवार माना, वही परिवर्तन ला सकते हैं।

मोदी के नेतृत्व में युवा शक्ति से बनेगा विकसित भारत : सिकंदर कुमार

डॉ. सिकंदर कुमार ने मतदाता अधिकारों की रक्षा को लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्राथमिकता बताया

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद प्रो. डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवा शक्ति, शिक्षा, नवाचार और आत्मनिर्भरता के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम किया जा रहा है। वह हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समरहिल में हमीरपुर स्टूडेंट्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'हमीर संगम' को संबोधित कर रहे थे।



हमीर संगम कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. सिकंदर कुमार

डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से उनका वर्ष 1985 से जुड़ाव रहा है। इसी संस्थान से उन्हें शिक्षा, नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा की प्रेरणा मिली। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ अनुशासन, परिश्रम, चरित्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी को महत्व देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री हासिल करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का केंद्र भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य युवाओं की सक्रिय भागीदारी से पूरा होगा। स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसी पहल युवाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध करा रही हैं। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन, बागवानी, सूचना प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा और उद्यमिता के क्षेत्र में रोजगार सृजन की व्यापक संभावनाएं हैं। एसआईआर के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस से आरोप लगाने के बजाय विशिष्ट आपत्तियां और प्रमाण चुनाव आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा।

उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया में प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए और गलत तरीके से हटाए गए नामों को नियमानुसार दोबारा शामिल करने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को हिमाचली लोक संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के संरक्षण के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा शिक्षा, नवाचार और समाजसेवा के माध्यम से प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को आधुनिक तकनीक, कौशल विकास और नवाचार अपनाकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। साथ ही हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्ष के नेतृत्व का भाजपा हिमाचल ने किया अभिनंदन

राष्ट्र प्रथम के संकल्प से बदली देश की दिशा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश की प्रदेश पदाधिकारी बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासकीय नेतृत्व के 25 वर्ष पूरे होने पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर उनके सेवा, सुशासन और समर्पण के योगदान का अभिनंदन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने की। इसमें नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, सांसद, विधायक और प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ गरीब कल्याण, विकास और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जनधन योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लोगों को लाभ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के आकलन के अनुसार वर्ष 2013-14 से 2022-23 के बीच देश में लगभग 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। डॉ. बिंदल ने हिमाचल में विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि एम्स बिलासपुर, अटल टनल रोहतांग, राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार और रेलवे परियोजनाएं प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2025-26 में हिमाचल के लिए रेलवे बजट बढ़कर 2,716 करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यटन, उद्योग और संपर्क सुविधाओं को मजबूती मिली है।

हेतविक सुपर मार्ट के पास 505 ग्राम चरस के साथ आरोपी गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंथाघाटी में 505 ग्राम चरस बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विजय बाथा मगर पुत्र झक्कू बाथा मगर के रूप में हुई है। वह मूल रूप से नेपाल के सल्यान जिले का निवासी है और वर्तमान में शिमला जिले की चिड़गांव तहसील में रह रहा है। पुलिस के अनुसार, 14 अक्तूबर 2026 को पुलिस थाना ईस्ट शिमला की टीम पंथाघाटी क्षेत्र में कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान हेतविक सुपर मार्ट के समीप एक व्यक्ति की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 505 ग्राम चरस बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। इस मामले में पुलिस थाना ईस्ट शिमला में 15 अक्तूबर 2026 को एफआईआर नंबर 96/2026 दर्ज की गई है। आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 20 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले में नशीले पदार्थ की बरामदगी से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी के पास चरस कहां से आई थी और क्या इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता भी है। शिमला पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई जारी रहेगी।

जुन्गा दशहरा मेले में दलीप सिरमौरी और दलजीत मचाएंगे धमाल



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। क्योंथल क्षेत्र का जिला स्तरीय दशहरा मेला 20 से 22 अक्तूबर तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुन्गा के ऐतिहासिक मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस बार मेले में पहली बार पारंपरिक ठोडा खेल आकर्षण का केंद्र रहेगा। मेले में लोक गायक दलीप सिरमौरी और दलजीत प्रस्तुतियां देंगे।

तहसीलदार जुन्गा एवं मेला अधिकारी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि 20 अक्तूबर को राजा खुश विक्रम सेन की अगुवाई में भगवान रघुनाथ की पालकी के साथ राजमहल से शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद पूजा-अर्चना और रावण, कुंभकर्ण तथा मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा। मेले के दूसरे दिन 21 अक्तूबर को कबड्डी प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। शाम को स्टार नाइट में प्रसिद्ध लोक गायक दलीप सिरमौरी और दलजीत प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी।

मेले के अंतिम दिन 22 अक्तूबर को विशाल दंगल होगा, जिसमें उत्तर भारत के नामी पहलवान भाग लेंगे। बड़ी माली के विजेता को 51 हजार रुपये और छोटी माली के विजेता को 21 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसी दिन कबड्डी के फाइनल मुकाबले भी होंगे। मेला समिति ने पेयजल, बिजली और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। मेले में स्थानीय कलाकारों, स्कूली विद्यार्थियों और महिला मंडलों को भी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

शिक्षा मंत्री ने युवा खिलाड़ी आयुष कौंडल के निधन पर जताया शोक

कुपवी में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता से लौटते समय सड़क हादसे में गई जान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने शिमला जिले के कुपवी में आयोजित 67वीं राज्य स्तरीय अंडर-19 छात्र खेलकूद प्रतियोगिता से लौटते समय सड़क हादसे में जान गंवाने वाले हमीरपुर जिले के युवा वॉलीबॉल खिलाड़ी आयुष कौंडल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत खिलाड़ी के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए इस घटना को प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति बताया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कम उम्र में एक होनहार खिलाड़ी का असमय दुनिया से चले जाना अत्यंत दुखद है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं और विभाग की ओर से आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

परिवार को मिलेगी हरसंभव सहायता: रोहित ठाकुर ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक, उपनिदेशक और अन्य अधिकारियों को घटनास्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। स्थानीय प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को 25 हजार रुपये की फौरी राहत राशि प्रदान की गई है। इसके अलावा शिक्षा विभाग नियमानुसार परिवार को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने पर भी विचार कर रहा है।



◆ खिलाड़ी आयुष कौंडल को भावभीनी श्रद्धांजलि

उन्होंने बताया कि बस में सवार अन्य खिलाड़ियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था कुपवी स्कूल में की गई थी। इसके बाद सभी खिलाड़ियों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए बस की व्यवस्था की गई। शिक्षा मंत्री ने हमीरपुर जिले के शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिवंगत खिलाड़ी का पार्थिव शरीर घर तक पहुंचाने और परिवार को आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए।

खंभे से सिर टकराने से हुआ हादसा: उल्लेखनीय है कि आयुष कौंडल हमीरपुर जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला नाल्टी का छात्र था। वह कुपवी में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-19 खेलकूद प्रतियोगिता में वॉलीबॉल खेलने आया था। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला समाप्त होने के बाद वह करीब 40 अन्य खिलाड़ियों के साथ निजी बस में सवार होकर हमीरपुर लौट रहा था।

इसी दौरान कुपवी से लगभग तीन से चार किलोमीटर दूर सड़क किनारे खड़े टेलीफोन के खंभे से उसका सिर टकरा गया। इससे उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद आयुष को सिविल अस्पताल कुपवी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे से खेल जगत और उसके सहपाठियों में शोक की लहर है। आयुष कौंडल की असामयिक मृत्यु से विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों और खेल प्रेमियों में शोक की लहर है। क्षेत्रवासियों ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। शिक्षा विभाग ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है। वहीं, हादसे के कारणों को लेकर भी चर्चा हो रही है।

नए जिलों के गठन पर सियासत तेज पुनीत मल्ली ने सुधीर शर्मा को दिया जवाब



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में नए जिले बनाने की कवायद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की ओर से प्रदेश में नए जिले बनाने की पहल का कांग्रेस ने स्वागत किया है। वहीं, धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा की टिप्पणी पर कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता पुनीत मल्ली ने पलटवार करते हुए उनके बयान पर सवाल उठाए हैं।

पुनीत मल्ली ने कहा कि प्रदेश में नए जिले बनाने की पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। जनसंख्या, प्रशासनिक जरूरतों और आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिहाज से नए जिले बनाने जैसे कदम महत्वपूर्ण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रशासनिक सुविधा और जनता की सहूलियत को प्राथमिकता देते हुए निर्णय लेने चाहिए। नए जिलों के गठन से प्रशासनिक कामकाज को अधिक सुविधाजनक बनाने और लोगों को सरकारी सेवाएं उपलब्ध करवाने में मदद मिल सकती है। सुधीर शर्मा की टिप्पणी 'पल्ले नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने' पर प्रतिक्रिया देते हुए पुनीत मल्ली ने वर्ष 2017 में धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी बनाने की घोषणा का जिक्र किया। उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय प्रदेश की आर्थिक स्थिति कैसी थी और क्या उस दौर में राज्य पर कर्ज नहीं था? उन्होंने कहा कि किसी भी निर्णय पर टिप्पणी करते समय उसके पीछे की परिस्थितियों और उद्देश्य को भी समझना चाहिए। पुनीत मल्ली ने आरोप लगाया कि सुधीर शर्मा मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के फैसलों पर लगातार तंज कसते रहते हैं। उन्होंने कहा कि सुधीर शर्मा का राजनीतिक अनुभव लंबा है, इसलिए उन्हें किसी भी मुद्दे पर टिप्पणी करने से पहले उसके विभिन्न पहलुओं पर विचार करना चाहिए।

समग्र शिक्षा के सुपर-100 कार्यक्रम में जेईई-नीट नि:शुल्क कोचिंग के लिए चयन परीक्षा आयोजित

अनिल कुमार शर्मा, भारतेंदु संवाददाता, शिमला। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए समग्र शिक्षा की ओर से सुपर-100 कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जेईई और नीट की नि:शुल्क कोचिंग के लिए राज्य स्तरीय चयन परीक्षा आयोजित की गई। प्रदेश के सभी जिलों में बनाए गए 134 परीक्षा केंद्रों पर ऑफलाइन माध्यम से हुई परीक्षा में कुल 6,886 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस चयन परीक्षा के माध्यम से पीएम श्री विद्यालयों और अन्य सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों में से 200 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को उनकी रुचि और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जेईई एवं नीट की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग उपलब्ध करवाई जाएगी।

आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को मिलेगा अवसर: सुपर-100 कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण महंगी कोचिंग प्राप्त नहीं कर पाने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के समान अवसर देना है। इसके माध्यम से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग मिलेगा।



◆ सरकारी स्कूलों के 200 मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी जेईई-नीट की नि:शुल्क कोचिंग

कार्यक्रम के तहत चयनित विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री और विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन दिया जाएगा। इससे उन्हें पाठ्यक्रम की बेहतर समझ विकसित करने और परीक्षा की व्यवस्थित तैयारी करने में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों की तैयारी को मजबूत बनाने के लिए वर्ष में दो विशेष बूटकैंप आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा विषय विशेषज्ञों के माध्यम से नियमित काउंसलिंग और मेंटरशिप की सुविधा भी मिलेगी। इससे विद्यार्थी अपनी शंकाओं का समाधान कर सकेंगे और परीक्षा की तैयारी के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपट सकेंगे।

कंप्यूटर शिक्षकों ने हाईकोर्ट के आदेश लागू करने का सरकार से किया आग्रह

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत कंप्यूटर शिक्षकों ने सरकार की एलडीआर व्यवस्था का विरोध करते हुए न्यायालय के आदेशों के अनुसार नियमितीकरण की मांग उठाई है। कंप्यूटर शिक्षक संघ की लीगल टीम के सदस्य राजेंद्र शर्मा, विपिन शर्मा, कुलदीप शर्मा और देश राज ने वीरवार को जारी बयान में कहा कि वर्षों तक सेवाएं देने के बावजूद शिक्षकों को नियमितीकरण के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जून 2014 में कंप्यूटर शिक्षकों के संबंध में नीतिगत निर्णय लिया गया था। वर्ष 2016 में सरकार ने भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में संशोधन कर शिक्षकों को शिक्षा विभाग में समायोजित करने की बात कही थी। उनके अनुसार, सितंबर 2025 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने जनवरी 2016 से नियमितीकरण के आदेश दिए थे। लीगल टीम ने कहा कि सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके शिक्षकों के लिए एलडीआर व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। उन्होंने सरकार से न्यायालय के आदेशों के अनुरूप शीघ्र नियमितीकरण और सेवा लाभ देने की मांग की। शिक्षकों ने कहा कि सरकार एलडीआर के बजाय नियमितीकरण और लंबित सेवा लाभों पर जल्द ठोस निर्णय ले।

चेक बाउंस मामले में गैर-जमानती वारंट पर आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, रामपुर। पुलिस थाना रामपुर बुशहर की टीम ने चेक बाउंस के मामले में न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) की तामील करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान वीर सिंह (50) निवासी बशारी क्षेत्र, जिला शिमला के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे 14 अक्तूबर 2026 को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत चेक अनादरण का मामला चल रहा है। इस मामले में लगभग दो लाख रुपये की राशि विवादित है। चेक बाउंस से संबंधित मामले में न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था।

न्यायालय के आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए रामपुर बुशहर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। चेक अनादरण का मामला तब बनता है, जब किसी व्यक्ति की ओर से जारी किया गया चेक निर्धारित परिस्थितियों में बैंक द्वारा भुगतान किए बिना लौटा दिया जाता है। ऐसे मामलों में संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत न्यायालय में कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, इस मामले में विवादित राशि और गिरफ्तारी की जानकारी के अतिरिक्त अन्य कानूनी तथ्यों का विवरण पुलिस की ओर से साझा नहीं किया गया है।



चेक बाउंस मामले में आरोपी गिरफ्तार।

रामपुर बुशहर पुलिस ने कहा कि न्यायालयों द्वारा जारी आदेशों और वारंट की प्रभावी तामील सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया के सुचारू क्रियान्वयन में सहयोग करना और न्यायालय के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना है। पुलिस ने बताया कि न्यायालय के आदेशों की पालना करना संबंधित पक्षों के लिए आवश्यक है। गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर किया नमन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने महान वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन, उनके विचार और राष्ट्र के प्रति समर्पण हमेशा देशवासियों को प्रेरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक और रक्षा शक्ति को मजबूत बनाने में डॉ. कलाम का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, कठिन परिश्रम और समर्पण से देश को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देता है। सुक्खू ने कहा कि डॉ. कलाम ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से भारत की पहचान को मजबूत किया। उनका व्यक्तित्व सादगी, ज्ञान और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। उनके विचार आज भी युवाओं को नवाचार, शिक्षा और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. कलाम की उपलब्धियां और आदर्श आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। डॉ. कलाम के आदर्श युवाओं को विज्ञान, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देते रहेंगे।

नए जिले बनाने से पहले जनता को गड्ढों भरी सड़कों से राहत दिलाए सरकार : सुधीर शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में नए जिलों के गठन और प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के लिए आयोग बनाने की चर्चा के बीच भाजपा नेता एवं धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने नए जिलों के गठन की कवायद को चुनावी शगूफा बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार जनता का ध्यान प्रदेश की आर्थिक चुनौतियों और बुनियादी समस्याओं से हटाने का प्रयास कर रही है। वह वीरवार को शिमला विश्वविद्यालय में हमीरपुर छात्र एसोसिएशन के कार्यक्रम हमीर संगम में पहुंचे थे।



सुधीर शर्मा।

सुधीर शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति पहले से चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में नए जिले बनाने से पहले उनके गठन पर होने वाले खर्च और जनता को मिलने वाले लाभ का आकलन जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि नए जिलों के गठन पर कई सौ करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार कर्ज लेकर काम चला रही है, तो इस अतिरिक्त खर्च के लिए धन कहां से आएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों के गड्ढे भरने जैसी बुनियादी जरूरतों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार को नए जिले बनाने की चर्चा के बजाय सड़कों की मरम्मत, विकास कार्यों और आम जनता को समय पर सरकारी सेवाएं उपलब्ध करवाने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

सुधीर शर्मा ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी और स्मार्ट वर्किंग के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें और फाइलों का निपटारा समय पर हो, इसके लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नए जिलों की चर्चा से करीब छह महीने तक जनता इसी बहस में उलझी रह सकती है कि कौन-सा जिला बनेगा और किस क्षेत्र को उसमें शामिल किया जाएगा। इससे प्रदेश की आर्थिक चुनौतियों और बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार की दस चुनावी गारंटियों पर भी सवाल उठाए और कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था को सरल बनाना जरूरी है।

चित्रकला कांगड़ा की लघु चित्रकला में पहाड़ी लोकजीवन, ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं की झलक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान में कांगड़ा चित्रकला दीर्घा का उद्घाटन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला स्थित राष्ट्रपति निवास के भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (आईआईएएस) में कांगड़ा चित्रकला की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। संस्थान के मुख्य भवन में कांगड़ा चित्रकला को समर्पित स्थायी दीर्घा स्थापित की गई है। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने वीरवार को 'कांगड़ा कलम : द पहाड़ी मिनिएचर आर्ट गैलरी' का उद्घाटन किया। यह दीर्घा मुख्य भवन में सचिव के कार्यालय के पास कमरा नंबर आठ में स्थापित की गई है।

संस्थान के हीरक जयंती समारोह के समापन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने संस्थान के संस्थापक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रो. हिमांशु कुमार चतुर्वेदी और डॉ. पंकज गुप्ता की पुस्तक फोक एंड रूरल इमेजरी इन कांगड़ा मिनिएचर्स : एन इंडिजिनस इंडियन आर्ट पर्सपेक्टिव का विमोचन किया। पुस्तक में कांगड़ा की लघु चित्रकला के माध्यम से लोकजीवन और ग्रामीण संस्कृति की अभिव्यक्ति को समझने का प्रयास किया गया है।

स्थायी दीर्घा में कांगड़ा की पारंपरिक लघु चित्रकला के माध्यम से हिमालयी क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को दर्शाया गया है। इसमें किसानों, लोक गायकों, महिलाओं और गद्दी समुदाय से जुड़े विभिन्न दृश्य शामिल हैं। इसके अलावा देवी-देवताओं की शोभायात्राओं और ग्रामीण जीवन के विविध पहलुओं को भी चित्रों में स्थान दिया गया है। महिलाओं के घरेलू कामकाज और दैनिक गतिविधियों को दर्शाने वाले चित्र पहाड़ी समाज की जीवनशैली से परिचित करवाते हैं।



दीर्घा का उद्देश्य कांगड़ा चित्रकला की कलात्मक विशेषताओं के साथ इससे जुड़ी सांस्कृतिक परंपराओं को भी लोगों के सामने प्रस्तुत करना है। यहां आने वाले पर्यटक, शोधार्थी और कला प्रेमी पहाड़ी लघु चित्रकला के माध्यम से हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को करीब से समझ सकेंगे। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि कांगड़ा चित्रकला हिमालयी क्षेत्र की सभ्यता और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराओं में मौजूद समानताओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि संस्थान में स्थापित यह स्थायी दीर्घा पहाड़ी कला और संस्कृति को समझने के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगी। इससे कला प्रेमियों और पर्यटकों को क्षेत्र की समृद्ध विरासत से परिचित होने का अवसर मिलेगा। संस्थान में जून 2026 में कांगड़ा चित्रकला को लेकर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया था। इसमें पारंपरिक कलाकारों ने प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक औजारों का इस्तेमाल करते हुए चित्र तैयार किए।

कार्यशाला के दौरान गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से इस कला को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। पारंपरिक तकनीकों और प्राकृतिक रंगों का उपयोग इस कला की मौलिकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संस्थान के हीरक जयंती समारोह के अंतर्गत कला प्रदर्शनी, पुस्तक मेले और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में राम-स्तुति पर आधारित नृत्य, एकल गायन, कविता पाठ, राजस्थानी समूह लोकनृत्य और पहाड़ी नृत्य शामिल रहे।

हिमालयी आपदाओं से निपटने में एआई की भूमिका अहम : आनंद बर्द्धन

दून विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

अनिल थपलियाल



समारोह के दौरान मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन व अन्य।

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने गुरुवार को दून विश्वविद्यालय में 'बदलती जलवायु में हिमालय : आपदाएं, सतत विकास एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से हिमालयी क्षेत्र में उत्पन्न चुनौतियों के समाधान, आपदाओं के आकलन और जोखिम कम करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके लिए आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग के साथ सतत विकास की योजनाओं में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

मुख्य सचिव ने कहा कि हिमालय की संवेदनशीलता और भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए आपदाओं के संभावित प्रभावों का पूर्वानुमान लगाने तथा प्रभावी योजनाएं बनाने में नवीन तकनीकों का उपयोग किया जाना चाहिए। तकनीक आधारित समाधान स्थानीय जरूरतों के अनुरूप होने चाहिए, ताकि उनका लाभ आमजन तक पहुंचे।

संगोष्ठी में दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं आईएआईआरओ के संस्थापक निदेशक अमित शेठ ने 'स्मॉल एआई' की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कम संसाधनों में प्रभावी तकनीकी समाधान विकसित करने पर जोर दिया। एएनआरएफ के संयुक्त सचिव निशांत वर्मा ने शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने और अनुकूल अनुसंधान वातावरण विकसित करने में फाउंडेशन की भूमिका बताई। दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और शोध उपलब्धियों की जानकारी दी।

पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रवेश प्रक्रिया जारी

भारतेन्दु संवाददाता, पिथौरागढ़। मेडिकल कॉलेज पिथौरागढ़ में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि अब तक 30 विद्यार्थियों ने रिपोर्टिंग कर दी है। प्रवेश के लिए तृतीय चरण की काउंसलिंग चल रही है और निर्धारित नियमों के अनुसार आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया कोटे के तहत आवंटित सात सीटों में से तीन पर विद्यार्थियों ने प्रवेश लेकर जॉइन कर लिया है। वहीं, स्टेट कोटे की कुल 43 सीटों के सापेक्ष अब तक 30 विद्यार्थी कॉलेज पहुंच चुके हैं। प्रवेश प्रक्रिया 16 अक्टूबर तक जारी रहेगी। निर्धारित समयावधि में प्रवेश संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू होने से क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे और भविष्य में कुशल चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

क्या राहुल गांधी को जीत का रास्ता मिल गया है, या अभी भी बड़ी राजनीतिक चुनौती बाकी है?

उत्तराखंड 2027 : भाजपा की हैट्रिक या कांग्रेस की वापसी? क्या राहुल गांधी की रणनीति पहाड़ में बदल पाएगी सियासी तस्वीर?

- क्या भाजपा के कामकाज को लेकर जनता की नाराजगी वोटों में बदलती है?
- क्या कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन और बूथ स्तर का संगठन मजबूत कर पाती है?

विकास बलूनी



एआई निर्मित चित्र।

देहरादून। 14 अक्टूबर 2026 तक की राजनीतिक घटनाओं को देखें, तो राहुल गांधी ने विपक्ष को एकजुट करने और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश तेज की है। 13 अक्टूबर को उन्होंने इंडिया गठबंधन के नेताओं, छात्रों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ आगे भी आंदोलन जारी रखने की बात कही।

लेकिन राजनीतिक आंदोलन में समर्थन जुटाना और चुनाव जीतना दो अलग बातें हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस के सामने कुछ अहम सवाल हैं: विपक्षी एकता: क्या इंडिया गठबंधन के सहयोगी साझा रणनीति पर टिके रहेंगे? जनता के मुद्दे: क्या रोजगार, महंगाई और किसानों जैसे मुद्दे मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुँचेंगे? संगठन: क्या कांग्रेस स्थानीय स्तर पर अपना जनाधार मजबूत कर पाएगी?

चुनावी प्रदर्शन: क्या राजनीतिक लामबंदी वास्तविक चुनावी नतीजों में भी दिखाई देगी? दूसरी ओर, गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस की चुनावी हार का हवाला देते हुए राहुल गांधी की रणनीति पर सवाल उठाए हैं। इसका उत्तर कुछ प्रमुख बातों पर निर्भर करेगा: क्या कांग्रेस हरीश रावत, गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य और अन्य वरिष्ठ नेताओं को एक साझा रणनीति के तहत साथ रखती है? हरक सिंह रावत की भूमिका क्या हो सकती है?

क्या पार्टी पहाड़ों में पलायन, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर विश्वसनीय योजना देती है? क्या भाजपा के कामकाज को लेकर जनता की नाराजगी वोटों में बदलती है? क्या कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन और बूथ स्तर का संगठन मजबूत कर पाती है?

राहुल गांधी की राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक सक्रियता कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ऊर्जा दे सकती है, लेकिन उत्तराखंड में जीत का रास्ता राज्य के नेतृत्व, स्थानीय मुद्दों और संगठनात्मक एकता से होकर गुजरेगा। अभी किसी पार्टी की जीत को निश्चित मानने का आधार नहीं है।



एआई निर्मित चित्र।

चुनावी प्रदर्शन: क्या राजनीतिक लामबंदी वास्तविक चुनावी नतीजों में भी दिखाई देगी?

न्यूज ब्रीफ

अपराध नियंत्रण में सुस्ती बर्दाश्त नहीं, एसएसपी ने कसे पेंच

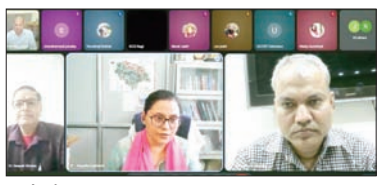
भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। अपराध नियंत्रण और नशा तस्करी के मामलों में लापरवाही पर एसएसपी सर्वेश पंवार ने थाना प्रभारियों को फटकार लगाई। गुरुवार को पुलिस लाइन पौड़ी में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में उन्होंने एनडीपीएस मामलों में प्रभावी कार्रवाई करने और तस्करों के नेटवर्क पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। एसएसपी ने लंबित विवेचनाओं में तेजी लाने, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी और साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने को कहा। त्योहारी सीजन को देखते हुए बाजारों और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए। सितंबर में सीएम हेल्पलाइन की 85 शिकायतों में से 56 का निस्तारण हुआ, जबकि 29 लंबित हैं।

हल्द्वानी की मेनका व्यास बनीं डांडिया क्वीन



भारतेन्दु संवाददाता, नैनीताल। नगर के बास्केटबॉल ग्राउंड में लेक सिटी वेलफेयर क्लब की ओर से आयोजित 'हैप्पी होम डांडिया क्वीन' प्रतियोगिता में हल्द्वानी की मेनका व्यास ने खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डांडिया नृत्य से समां बांधा। भीमताल की कल्पना करायत उपविजेता रहीं, जबकि नैनीताल की मीनाक्षी आर्य ने तीसरा स्थान हासिल किया। वैभव साह और निशा की जोड़ी को सर्वश्रेष्ठ युगल चुना गया। जूनियर वर्ग में ख्याना बिष्ट प्रथम रहीं। मीनल आर्य और रूपाली भट्ट को सर्वश्रेष्ठ मेकअप, रवि बिष्ट को सर्वश्रेष्ठ स्टेप, श्वेता साह को सर्वश्रेष्ठ हेयर स्टाइल और भावना रावत को सर्वश्रेष्ठ नृत्य का पुरस्कार मिला। अन्य प्रतिभागियों को भी विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक सरिता आर्या, सीओ सिटी अंजना नेगी, भाजपा नेता मोहन पाल और हैप्पी होम के महाप्रबंधक आरएस नेगी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

हिमालयी क्षेत्रों की जल चुनौतियों के समाधान पर हुआ मंथन



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) की ओर से जल शिक्षा कार्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. वसुधा अग्निहोत्री ने प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण और सतत प्रबंधन पर विचार रखे। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने हिमालयी क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए वैज्ञानिक जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता पर जोर दिया।

कुंभ-2027 के लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करें : महाराज

सतपाल महाराज ने कुंभ से पहले सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल और पार्किंग की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

अनिल थपलियाल

हरिद्वार। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने हरिद्वार कुंभ-2027 के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। बृहस्पतिवार को मेला नियंत्रण भवन के सभागार में कुंभ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और भीड़ प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के साथ समयबद्धता पर विशेष ध्यान दें।

उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान विकसित की जाने वाली आधारभूत सुविधाओं का लाभ हरिद्वारवासियों को पूरे वर्ष मिलना चाहिए। सतपाल महाराज ने पिछले कुंभ आयोजनों के अनुभवों के आधार पर व्यापक कार्ययोजना तैयार करने और श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातायात, पार्किंग, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल तथा आपदा प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था करने को कहा।

उन्होंने बसों और ट्रेनों के संचालन की ठोस योजना बनाने तथा उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। भीड़भाड़ वाले दिनों में भगदड़ की आशंका को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने और आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार रखने पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ट्रेनों के प्रस्थान से ठीक पहले प्लेटफॉर्म बदलने जैसे अचानक बदलावों से बचा जाए। श्रद्धालुओं की आवाजाही आसान बनाने के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थल विकसित करने और वहां से प्रमुख घाटों तक शटल बस सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कैबिनेट मंत्री ने कुंभ क्षेत्र की सड़कों, मंदिरों और घाटों तक जाने वाले मार्गों को दुरुस्त रखने के साथ राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति सुधारने को कहा।

सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता की जांच और रोप-वे का निरीक्षण कराने के निर्देश भी दिए। सुरक्षा व्यवस्था के तहत प्रमुख घाटों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और महत्वपूर्ण मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर सुरक्षा प्रबंध, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के लिए रैंप तथा पर्याप्त चेंजिंग रूम बनाने को कहा गया। स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में उन्होंने अस्पतालों, एंबुलेंस, दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और चिकित्साकर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज।

चारधाम में 59 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन : सतपाल महाराज

सतपाल महाराज ने बताया कि वर्तमान यात्राकाल में अब तक 59,08,972 श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा सुचारू एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही है और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह बना हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, यमुनोत्री धाम में 8,26,965, गंगोत्री में 9,29,664, केदारनाथ में 17,29,170 और बदरीनाथ धाम में 20,32,477 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं।

आयोजन को लेकर प्रशासन सतर्क

सतपाल महाराज ने कहा कि कुंभ उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। बैठक में मेलाधिकारी सोनिका ने तैयारियों की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि अधिकांश कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुरूप आगे बढ़ रहे हैं।

कटाई के बाद नुकसान रोककर बढ़ेगी किसानों की कमाई

अनिल थपलियाल

देहरादून। भारत खाद्यान्न की कमी से निकलकर रिकॉर्ड उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो चुका है। अब कृषि के सामने अगली चुनौती खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा और उत्पादन बढ़ाने से किसानों की आय में वृद्धि की ओर बढ़ने की है। विश्व खाद्य दिवस 2026 की थीम 'इनोवेट टुडे, नरिश टुमारो' आधुनिक नवाचार और पारंपरिक ज्ञान के समन्वय से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने का संदेश देती है।

भारत का खाद्यान्न उत्पादन 2024-25 में रिकॉर्ड 357.73 मिलियन टन रहा, जबकि 2025-26 में इसके 376.56 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, कृषि की सफलता केवल पैदावार से नहीं, बल्कि किसानों की शुद्ध आय, संसाधनों के संरक्षण और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता से भी तय होगी।

जलवायु परिवर्तन, भूजल का दोहन और मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट के बीच सूखा एवं गर्मी सहने वाली फसल किस्मों, सूक्ष्म सिंचाई और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देना जरूरी है। साथ ही, भंडारण, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शीत शृंखला और डिजिटल बाजारों के विस्तार से कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों में जुटा रुद्रप्रयाग प्रशासन

ईवीएम-वीवीपैट की जांच और प्रशिक्षण की तैयारियां समय से होंगी पूरी

भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर की उपस्थिति में जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन कार्यों के लिए नामित नोडल अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए।



जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत को मतदान एवं मतगणना कार्मिकों, माइक्रो ऑब्जर्वर, जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित निर्वाचन में तैनात होने वाली टीमों का डाटाबेस 15 नवंबर तक तैयार करने को कहा। उन्होंने मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण, परिवहन व्यवस्था और क्रिटिकल बूथों के चिन्हीकरण पर विशेष जोर दिया।

जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारियों को अगले 15 दिनों में उन सभी विद्यालयों का निरीक्षण कराने के निर्देश दिए, जहां मतदान केंद्र स्थापित किए जाने हैं। निरीक्षण के दौरान भवनों की स्थिति, मूलभूत सुविधाओं और आवश्यक संसाधनों का आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा, ताकि समय रहते मरम्मत और अन्य व्यवस्थाएं पूरी की जा सकें।

उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के रखरखाव, प्रथम स्तरीय जांच और प्रशिक्षण के लिए आवश्यक मशीनों के चयन सहित तकनीकी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप गतिविधियों को प्रभावी बनाने तथा पिछले चुनावों में कम मतदान वाले बूथों की सूची तैयार करने को भी कहा।

मसूरी भट्टा गांव रोपवे बीच हवा में रुका, दो पर्यटक फंसे, संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर निकाला सुरक्षित

सुनील सोनकर

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में गुरुवार सुबह भट्टा गांव रोपवे पर तकनीकी खराबी के कारण दो पर्यटकों के हवा में फंसने की काल्पनिक स्थिति बनाकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, मसूरी पुलिस, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीमों ने संयुक्त बचाव अभियान चलाकर पर्यटकों को सुरक्षित निकालने और प्राथमिक उपचार देने का अभ्यास किया।

नायब तहसीलदार उपेंद्र राणा के नेतृत्व में आयोजित इस अभ्यास का उद्देश्य आपात स्थिति में संबंधित विभागों की तैयारियों, बचाव उपकरणों की उपलब्धता, मौके पर पहुंचने की गति और आपसी समन्वय को परखना था। सूचना मिलते ही विभिन्न विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवानों ने पुलिस तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पर्यटकों को प्राथमिक उपचार देने और उन्हें मसूरी उप जिला चिकित्सालय भेजने की प्रक्रिया का अभ्यास किया।



- मसूरी में आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल, एनडीआरएफ-एसडीआरएफ समेत कई विभागों ने लिया हिस्सा

नायब तहसीलदार उपेंद्र राणा ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर मसूरी में समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाती हैं। इनसे तैयारियों की समीक्षा करने और कमियों को दूर करने का अवसर मिलता है। रोपवे की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी समय-समय पर निरीक्षण और जांच की जाती है।

उन्होंने कहा कि मसूरी में रोपवे सहित विभिन्न पर्यटन गतिविधियों को देखते हुए आपात स्थिति से निपटने के लिए विभागों का बेहतर तालमेल जरूरी है। इस अभ्यास में बचाव प्रक्रिया, चिकित्सकीय सहायता और राहत दलों की तत्परता का परीक्षण किया गया। मौके पर एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट सुनील यादव, डॉ. जावेद चौधरी, एसडीआरएफ के एसआई राजबीर सिंह राणा और फायर इंचार्ज धीरज तडियाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

सौगात बर्नीगाड़ में खुलेगा महाविद्यालय का स्थायी भवन, मिनी स्टेडियम भी बनेगा

सीएम धामी ने बर्नीगाड़ को दी विकास की नई राह

अनिल थपलियाल

उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज बर्नीगाड़ (कुंवा) में आयोजित सेवा सेतु शिविर में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने राजकीय महाविद्यालय बर्नीगाड़ का उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को उच्च शिक्षा की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय के स्थायी भवन और परिसर का निर्माण जल्द शुरू कराने के साथ ही मिनी स्टेडियम बनाने तथा सड़क निर्माण सहित कई विकास कार्यों की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और लाभार्थियों को चेक एवं उपकरण वितरित किए। उन्होंने कहा कि बर्नीगाड़ में पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में पहुंचकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। क्षेत्रवासियों, युवाओं और मातृशक्ति का उत्साह सरकार के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सेवा सेतु अभियान के माध्यम से लोगों को अपने कार्यों के लिए बार-बार तहसील और जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने से राहत देने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में विकास योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास से आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।



उत्तरकाशी में आयोजित सेवा सेतु शिविर में सीएम धामी।

उत्तराखंड में 3.10 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

महिलाओं के सशक्तीकरण पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में लखपति दीदी योजना के तहत 3.10 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन और महिलाओं के लिए सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण जैसी पहलों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष चारधाम यात्रा में 59 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने समान नागरिक संहिता, सख्त भू-कानून और नकल विरोधी कानून का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में 35 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को योग्यता और पारदर्शिता के आधार पर सरकारी नौकरी मिली है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राजा रघुनाथ देवडोकरी में मिनी स्टेडियम बनाने, बर्नीगाड़ थाला चौक से राजकीय इंटर कॉलेज तक मोटर मार्ग निर्माण तथा डाडा गांव छानी से टटाऊ तक पुल और सड़क का कार्य जल्द पूरा कराने की बात कही। उन्होंने राजकीय महाविद्यालय बड़कोट, पुरोला और चिन्यालीसौड़ को उच्चीकृत करने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल सहित जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

600 करोड़ की बीआरटीएस परियोजना बंद करने पर पंजाब सरकार से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

पंजाब सरकार को बीआरटीएस से जुड़ी दोनों रिपोर्ट अदालत में पेश करने के निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। अमृतसर में करीब 600 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) परियोजना को बंद करने के प्रस्ताव पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने पंजाब सरकार से इस परियोजना की मूल रिपोर्ट और इसे बंद करने के समर्थन में तैयार की गई बाद की रिपोर्ट पेश करने को कहा है। परियोजना पर बड़ी राशि खर्च होने के बाद इसे बंद करने के प्रस्ताव ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार से परियोजना से संबंधित दस्तावेजों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। अदालत यह जानना चाहती है कि बीआरटीएस परियोजना शुरू करने के लिए तैयार की गई मूल रिपोर्ट में क्या प्रावधान और उद्देश्य निर्धारित किए गए थे तथा बाद में किन कारणों से इसे बंद करने का प्रस्ताव सामने आया। सरकार को दोनों रिपोर्ट अदालत के समक्ष पेश करनी होंगी, ताकि परियोजना से जुड़े तथ्यों और फैसले के आधार का आकलन किया जा सके। अमृतसर में बीआरटीएस परियोजना को सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। इस पर करीब 600 करोड़ रुपये खर्च किए गए। ऐसे में परियोजना को बंद करने के प्रस्ताव पर अदालत ने सवाल उठाए हैं।



किसी सार्वजनिक परियोजना पर बड़ी राशि खर्च होने के बाद उसे बंद करने का निर्णय लेने के पीछे के कारणों को स्पष्ट करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अदालत की ओर से रिपोर्ट तलब किए जाने के बाद अब पंजाब सरकार को परियोजना के शुरुआती उद्देश्यों और इसे बंद करने के प्रस्ताव के बीच की स्थिति स्पष्ट करनी होगी। मूल रिपोर्ट से परियोजना की योजना और अपेक्षित लाभों की जानकारी मिलेगी, जबकि बाद में तैयार की गई रिपोर्ट से इसे बंद करने के लिए दिए गए तर्कों का पता चल सकेगा।

हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार से परियोजना की मूल रिपोर्ट के साथ वह रिपोर्ट भी पेश करने को कहा है, जिसके आधार पर बीआरटीएस को बंद करने का प्रस्ताव तैयार किया गया। इन दस्तावेजों के जरिए अदालत परियोजना से संबंधित निर्णय प्रक्रिया और उसके पीछे बताए गए कारणों को समझ सकेगी। बीआरटीएस परियोजना को बंद करने के प्रस्ताव का मामला सार्वजनिक धन के इस्तेमाल और परिवहन व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों से संबंधित है। ऐसे में परियोजना की उपयोगिता, खर्च और उसे बंद करने के औचित्य पर स्पष्ट जानकारी सामने आना जरूरी है।

फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट ने सरकार से रिपोर्ट पेश करने को कहा है। परियोजना बंद करने के प्रस्ताव के पीछे के विस्तृत कारणों और आगे की कार्रवाई के संबंध में अंतिम स्थिति इन रिपोर्टों तथा मामले की आगामी सुनवाई के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। अदालत के इस कदम को सार्वजनिक धन के इस्तेमाल में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। बीआरटीएस परियोजना पर खर्च की गई राशि और इसके संचालन से मिलने वाले लाभों को लेकर सरकार को तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी होगी। परियोजना शुरू करते समय तय किए गए लक्ष्यों और बाद में सामने आई चुनौतियों के बीच अंतर को समझना भी जरूरी होगा। हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश होने के बाद यह पता चल सकेगा कि परियोजना को बंद करने का प्रस्ताव किन परिस्थितियों में तैयार किया गया और इसके लिए क्या आधार अपनाए गए।

मामले में अदालत का ध्यान केवल परियोजना बंद करने के फैसले पर ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े प्रशासनिक निर्णयों और सार्वजनिक परिवहन पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों पर भी रह सकता है। हालांकि, इस संबंध में अंतिम स्थिति अदालत में दस्तावेज पेश होने और आगामी सुनवाई के बाद ही स्पष्ट होगी। फिलहाल पंजाब सरकार को निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित रिकॉर्ड अदालत के समक्ष रखना होगा।

फतेहगढ़ साहिब में चिट्टे की ओवरडोज से 22 वर्षीय युवक की मौत



भारतेंदु संवाददाता, फतेहगढ़ साहिब। फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद में नशे की ओवरडोज से 22 वर्षीय युवक लवली की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने नशा मुक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उपचार में लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिवार का कहना है कि उन्होंने लवली को नशे की लत छुड़ाने के लिए नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया था, लेकिन वहां उसका उचित उपचार नहीं किया गया। परिजनों के अनुसार, केंद्र में उपचार के नाम पर केवल औपचारिकताएं पूरी की गईं और कुछ समय बाद लवली को छुट्टी दे दी गई।

परिवार का आरोप है कि केंद्र से बाहर आने के बाद वह फिर से नशे का सेवन करने लगा। इसी दौरान अत्यधिक नशे के सेवन से उसकी मौत हो गई। युवक की असमय मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिजनों ने सवाल उठाया कि यदि नशा मुक्ति केंद्रों में मरीजों का समुचित उपचार और निगरानी नहीं की जाती, तो नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए वहां पहुंचने वाले युवाओं को इसका लाभ कैसे मिलेगा। परिवार का आरोप है कि लवली के मामले में उपचार को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने केंद्रों की व्यवस्था और मरीजों को छुट्टी देने की प्रक्रिया की जांच किए जाने की जरूरत जताई।

नशे की लत से जूझ रहे युवाओं के उपचार में चिकित्सकीय देखरेख, नियमित जांच और उचित परामर्श की अहम भूमिका होती है। केवल नशा छुड़ाने के लिए केंद्र में भर्ती करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि मरीज की स्थिति के अनुसार उपचार और देखभाल भी जरूरी है। छुट्टी देने से पहले मरीज की हालत का आकलन करना और आगे के उपचार के बारे में परिवार को जानकारी देना भी महत्वपूर्ण माना जाता है। पंजाब में नशे की समस्या लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है। नशे की गिरफ्त में आने वाले युवाओं के साथ उनके परिवारों को भी मानसिक, सामाजिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लवली की मौत ने एक बार फिर नशा मुक्ति केंद्रों में उपचार की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

परिजनों ने मांग की है कि नशा मुक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली की जांच की जाए और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। हालांकि, केंद्र पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी में नहीं है। संबंधित केंद्र का पक्ष और आधिकारिक जांच की जानकारी सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस घटना ने नशा मुक्ति केंद्रों की जवाबदेही, उपचार व्यवस्था और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत फिर उजागर की है।

नशे की खेप के साथ कॉन्स्टेबल गिरफ्तार पंजाब पुलिस की निगरानी पर सवाल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के बीच पुलिसकर्मी करनदीप सिंह की गिरफ्तारी ने पुलिस महकमे की निगरानी और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तरनतारन बॉर्डर से नशे की खेप के साथ कॉन्स्टेबल की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब प्रदेश में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिसकर्मियों की कथित संलिप्तता के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं।

मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या के बीच सामने आए इस घटनाक्रम ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर फिर से चर्चा छेड़ दी है। सीमा पर नशे की खेप को रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाले पुलिसकर्मी पर ही नशा तस्करी में शामिल होने का आरोप लगा है। करनदीप सिंह की गिरफ्तारी के बाद पुलिस महकमे की निगरानी व्यवस्था और कर्मचारियों की जवाबदेही को



लेकर सवाल उठ रहे हैं।

पंजाब में पुलिसकर्मियों पर नशा तस्करों से कथित संबंध रखने और उन्हें संरक्षण देने के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। अप्रैल 2023 में तत्कालीन एआईजी राजजीत सिंह को नशा तस्करों को कथित संरक्षण देने और अन्य गंभीर आरोपों के चलते सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। इस मामले ने उस समय भी पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए थे। इसके अलावा पूर्व इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह समेत कई पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जा चुका है।

इन घटनाओं से यह सवाल उठता रहा है कि नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले विभाग के भीतर निगरानी और जवाबदेही को किस तरह प्रभावी बनाया जाए। नशे के कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से पंजाब सरकार ने लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात करीब 10 हजार पुलिसकर्मियों के तबादले भी किए थे। इस कदम का उद्देश्य विभागीय व्यवस्था में बदलाव लाना और नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के प्रयासों को मजबूत करना था।

सारंगपुर में 98 करोड़ से बनेगा चंडीगढ़ पुलिस का स्मार्ट ट्रेनिंग सेंटर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ पुलिस की प्रशिक्षण व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए सारंगपुर में स्मार्ट ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। करीब 98 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह केंद्र 30 एकड़ जमीन पर विकसित किया जाएगा। यहां पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीक और सुविधाओं के माध्यम से प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी। इस परियोजना का उद्देश्य पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ाना और उन्हें आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है। स्मार्ट ट्रेनिंग सेंटर बनने से चंडीगढ़ पुलिस को प्रशिक्षण के लिए आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक नवंबर को चंडीगढ़ पुलिस के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। उनके प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। स्थापना दिवस समारोह पुलिस विभाग के लिए महत्वपूर्ण अवसर होगा। सारंगपुर में बनने वाला यह प्रशिक्षण केंद्र चंडीगढ़ पुलिस की प्रशिक्षण व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में परियोजना के निर्माण की समयसीमा और केंद्र में उपलब्ध कराई जाने वाली विशेष सुविधाओं का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया है।

झोटा हत्याकांड के विरोध में पंजाब बंद, कई जगह प्रदर्शन

कई इलाकों में बसों का संचालन ठप, प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर किया प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। मानसा में परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड के विरोध में गुरुवार को पंजाब बंद का आह्वान किया गया। बंद के समर्थन में प्रदेश के कई जिलों में लोग सड़कों पर उतर आए। हत्याकांड को लेकर लोगों में आक्रोश देखने को मिला। बंद का असर कई क्षेत्रों में दिखाई दिया, जहां स्कूल बंद रहे और बसों का संचालन प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर अपना विरोध दर्ज कराया और मामले को लेकर रोष जताया।



प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंजाब के कई जिलों में बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। कुछ क्षेत्रों में बस सेवाएं ठप रहीं, जबकि जिन स्थानों पर बसें चलाई जा रही थीं, वहां प्रदर्शनकारियों ने पहुंचकर बसों को रोक दिया। इससे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बंद के दौरान कई जगहों पर लोगों की भीड़ जुटी रही।

परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड के विरोध के बीच मानसा की एसएचओ को निलंबित किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में एसएचओ के निलंबन के कारणों और इस संबंध में जारी आधिकारिक आदेश का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। हत्याकांड को लेकर जारी विरोध के बीच यह घटनाक्रम भी चर्चा में है। बंद के दौरान विरोध प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को हिरासत में लिए जाने की सूचना है। प्रदर्शनकारियों के सड़कों पर उतरने और बसों को रोकने के कारण कई स्थानों पर यातायात तथा सार्वजनिक परिवहन प्रभावित हुआ। जिन क्षेत्रों में बसों का संचालन जारी था, वहां प्रदर्शनकारियों के पहुंचने के बाद सेवाओं में बाधा आई। बंद का असर स्कूलों पर भी पड़ा। प्रदेश के कई जिलों में स्कूल बंद रहने की जानकारी सामने आई है। इसके चलते विद्यार्थियों और आम लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई। अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शनकारियों की मौजूदगी के बीच सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सामान्य नहीं रह सकी।

मानसा में परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड के विरोध में बुलाए गए बंद के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में स्थिति चर्चा का विषय बनी रही। सड़कों पर प्रदर्शन, बसों को रोकने और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने की घटनाओं ने बंद के असर को सामने रखा। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के अनुसार पंजाब के कई जिलों में बंद का असर देखने को मिला। हालांकि, प्रदेश के सभी जिलों में स्थिति कैसी रही और बस सेवाएं कितनी देर तक प्रभावित रहीं, इसका विस्तृत ब्योरा उपलब्ध नहीं है।

चंडीगढ़ के 12 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का सिलसिला जारी है। वीरवार को चंडीगढ़ के कुल 12 स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिलने की सूचना सामने आई। इनमें सरकारी और निजी स्कूल शामिल हैं। लगातार मिल रही धमकियों के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, सबसे पहले सेक्टर-56, सेक्टर-33डी, सेक्टर-19सी और सेक्टर-23 स्थित चार सरकारी स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले थे। इसके बाद आठ अन्य स्कूलों को भी ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने की जानकारी सामने आई। इस घटनाक्रम से शहर के स्कूलों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। धमकी की सूचना के अनुसार, जिन आठ अन्य स्कूलों के नाम सामने आए हैं, उनमें सेक्टर-46ए स्थित आशियाना स्कूल, मनीमाजरा का रिमिट स्कूल, सेक्टर-20डी का सरकारी स्कूल, सेक्टर-28 का सेंट सोल्जर्स स्कूल, सेक्टर-41सी का शिवालिक पब्लिक स्कूल, सेक्टर-26 का सेंट जॉन स्कूल, सेक्टर-37 का सेंट पीटरसन स्कूल और इसी सेक्टर का प्ले वे स्मार्ट स्कूल शामिल हैं।

स्कूलों को धमकी मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। धमकी भरे ईमेल की जांच की जा रही है। ऐसे मामलों में स्कूल परिसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और धमकी के स्रोत का पता लगाना प्राथमिकता है। लगातार स्कूलों को निशाना बनाकर धमकी दिए जाने से अभिभावकों, विद्यार्थियों और स्कूल प्रबंधन की चिंता बढ़ सकती है।

दूरदराज के इलाकों से देसी हथियार लाकर आगे बेचने का आरोप

मोहाली में अवैध हथियार तस्करी के मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। मोहाली पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले एक बड़े मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में हरियाणा का रहने वाला एक हथियार सप्लायर भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 पिस्तौल बरामद की हैं। इनमें एक ग्लॉक पिस्तौल भी शामिल है। इसके अलावा आरोपियों के पास से कारतूस भी मिले हैं।



प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी दूरदराज के इलाकों से देसी हथियारों की तस्करी कर उन्हें आगे बेचते थे। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क के जरिए अवैध हथियारों की सप्लाई विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही थी। आरोप है कि हथियारों को खास तौर पर कॉलेज जाने वाले युवाओं को मोटे मुनाफे पर बेचा जा रहा था। इस खुलासे के बाद पुलिस हथियारों की खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। जांच के दौरान पुलिस का ध्यान इस बात पर भी है कि आरोपी कॉलेज जाने वाले युवाओं को हथियार कैसे उपलब्ध कराते थे और इस काम में उनके साथ कौन-कौन लोग जुड़े हुए थे। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हथियारों की सप्लाई का नेटवर्क कितने लोगों तक फैला हुआ है। साथ ही, हथियारों के स्रोत और उनकी तस्करी से जुड़े अन्य संपर्कों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

लुधियाना में युवक की मौत पर बवाल, मेडिकल स्टोर में तोड़फोड़

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में गुरुवार को एक युवक की मौत के बाद गुस्साई भीड़ ने मेडिकल स्टोर पर हमला कर दिया। लोगों ने केमिस्ट पर गलत दवाई देने का आरोप लगाते हुए दुकान में जमकर तोड़फोड़ की। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, लोगों का आरोप है कि युवक ने मेडिकल स्टोर से खरीदी गई दवाई का सेवन किया था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। इस घटना से नाराज लोगों ने मेडिकल स्टोर में रखे सामान को नुकसान पहुंचाया। बताया गया है कि जब स्टोर मालिक ने इसका विरोध किया तो लोगों ने उसके साथ भी मारपीट की। घटना की जानकारी मिलने के बाद मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई।

चुनाव से पहले उद्घाटन-शिलान्यास तेज एसआईए ने मांगे स्पष्ट दिशा-निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। नगर निगम चुनाव नजदीक आते ही शहर में विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास की गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस बीच सेकंड इनिंग्स एसोसिएशन (एसआईए) ने सार्वजनिक धन से करवाए जा रहे विकास कार्यों के उद्घाटन के नाम पर राजनीतिक प्रचार किए जाने पर चिंता जताई है। एसोसिएशन ने इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने और स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है।



एसआईए के अनुसार, विकास कार्यों पर खर्च होने वाला पैसा जनता का है। ऐसे में इन परियोजनाओं के उद्घाटन को राजनीतिक प्रचार का माध्यम बनाना उचित नहीं है। निगम चुनाव से पहले उद्घाटन और शिलान्यास की बढ़ती गतिविधियों के बीच राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के बीच श्रेय लेने की होड़ दिखाई दे रही है।

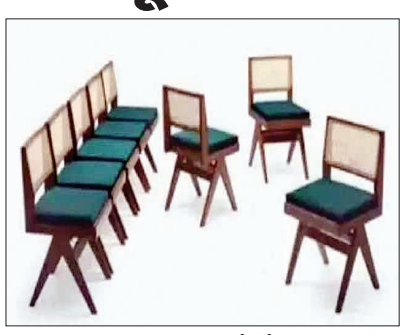
इससे सार्वजनिक परियोजनाओं के राजनीतिक इस्तेमाल को लेकर सवाल उठ रहे हैं। एसोसिएशन ने मांग की है कि सार्वजनिक धन से तैयार होने वाली परियोजनाओं के उद्घाटन और प्रचार के संबंध में स्पष्ट नियम बनाए जाएं। इन नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि विकास कार्यों का इस्तेमाल किसी राजनीतिक दल या नेता के प्रचार के लिए न हो।

विदेशों में नीलाम हो रहा चंडीगढ़ का हेरिटेज फर्नीचर, प्रशासन ने मांगा पूरा हिसाब

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर की ऐतिहासिक विरासत से जुड़े हेरिटेज फर्नीचर की विदेशों में लगातार हो रही नीलामी ने चंडीगढ़ प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। इस धरोहर को सुरक्षित रखने और फर्नीचर की चोरी या अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसके तहत सभी सरकारी विभागों को उनके पास मौजूद हेरिटेज फर्नीचर की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। अब हर कुर्सी, मेज और अन्य वस्तुओं का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, ताकि उनकी पहचान और उपलब्धता का हिसाब रखा जा सके।

हाल ही में नीदरलैंड में चंडीगढ़ के हेरिटेज फर्नीचर से जुड़ी दो कुर्सियां नीलाम हुई हैं। प्रसिद्ध डिजाइनर पियरे जेनेरे की डिजाइन की गई इन दोनों कुर्सियों की नीलामी 3000 यूरो में हुई, जिसकी भारतीय मुद्रा में कीमत करीब 3.21 लाख रुपये बताई गई है। विदेशों में इस तरह की नीलामी की घटनाएं सामने आने के बाद शहर की ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

प्रशासन ने सरकारी विभागों से उनके पास मौजूद हेरिटेज फर्नीचर का पूरा ब्योरा जुटाने को कहा है। इसके तहत फर्नीचर की पहचान, संख्या और उपलब्धता का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि विभागों के पास कितनी ऐतिहासिक वस्तुएं मौजूद हैं और उनकी स्थिति क्या है। इस सूची के माध्यम से फर्नीचर की निगरानी करना आसान हो सकेगा। यदि किसी वस्तु के गायब होने या उसके स्थान में बदलाव की जानकारी सामने आती है, तो रिकॉर्ड की मदद से उसका पता लगाने में सहायता मिल सकती है।



ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने की कोशिश चंडीगढ़ का हेरिटेज फर्नीचर शहर की वास्तुकला और ऐतिहासिक पहचान से जुड़ा हुआ है। पियरे जेनेरे जैसे प्रसिद्ध डिजाइनरों की बनाई वस्तुओं की विदेशों में नीलामी से इनकी ऐतिहासिक महत्ता के साथ-साथ आर्थिक मूल्य भी सामने आता है।

वापसी पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी की चर्चाएं तेज

अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी पर बोले पायलट, राजनीति में सब संभव

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी को लेकर राजनीतिक चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं। पंजाब कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट के बयान के बाद इस मुद्दे ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। कैप्टन की कांग्रेस में वापसी से जुड़े सवाल पर पायलट ने कहा कि राजनीति में कुछ भी संभव है।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी इस संबंध में कैप्टन अमरिंदर सिंह से उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है। पंजाब की राजनीति में कैप्टन अमरिंदर सिंह लंबे समय तक कांग्रेस का प्रमुख चेहरा रहे हैं। मुख्यमंत्री के रूप में भी उन्होंने राज्य की राजनीति में अहम भूमिका निभाई। कांग्रेस से अलग होने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी बनाई थी। बाद में वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। फिलहाल कैप्टन भाजपा में हैं। ऐसे में उनकी कांग्रेस में संभावित वापसी को लेकर होने वाली चर्चाएं पंजाब की राजनीति में दिलचस्पी का विषय बनी हुई हैं।



कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी के सवाल पर सचिन पायलट का यह कहना कि राजनीति में कुछ भी संभव है, राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, उनके बयान को वापसी की पुष्टि नहीं माना जा सकता। पायलट ने यह भी कहा कि उनकी अभी कैप्टन से इस विषय पर कोई बातचीत नहीं हुई है। इसलिए फिलहाल यह मामला चर्चाओं और संभावनाओं तक ही सीमित है। पंजाब में अगले विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक दल अपनी रणनीतियों को मजबूत करने में जुटेंगे। ऐसे में राज्य के पुराने और प्रभावशाली नेताओं की भूमिका को लेकर चर्चाएं होना स्वाभाविक है। कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम भी इसी संदर्भ में सामने आता रहा है। कांग्रेस में उनकी वापसी को लेकर पिछले करीब छह महीने से समय-समय पर चर्चाएं होती रही हैं। अब पायलट के बयान ने इन चर्चाओं को फिर हवा दे दी है। कैप्टन अमरिंदर सिंह का कांग्रेस के साथ लंबा राजनीतिक जुड़ाव रहा है। वह पंजाब में पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस से अलग होने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी बनाई और बाद में भाजपा में शामिल हो गए।

उनके राजनीतिक सफर में हुए इस बदलाव के बाद से ही उनकी कांग्रेस में वापसी को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। हालांकि, अभी तक कैप्टन की कांग्रेस में वापसी को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है। सचिन पायलट ने भी किसी बातचीत या सहमति की जानकारी नहीं दी है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि कैप्टन दोबारा कांग्रेस में शामिल होने जा रहे हैं।

जेएंडके में भाषा नीति में बदलाव की तैयारी

भाषाई पहचान को मिलेगी नई मजबूती, पंजाबी, गोजरी और पहाड़ी को आधिकारिक सूची में शामिल करने की तैयारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में पंजाबी, गोजरी और पहाड़ी भाषाओं को आधिकारिक भाषा का दर्जा देने की तैयारी की जा रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली उमर अब्दुल्ला सरकार वर्ष 2027 के बजट सत्र में इस संबंध में विधानसभा में विधेयक पेश करेगी। इस पहल से इन तीनों भाषाओं को प्रशासनिक और संस्थागत स्तर पर नई पहचान मिलने का रास्ता खुल सकता है। सरकार के इस कदम को क्षेत्र की भाषाई विविधता और विभिन्न समुदायों की सांस्कृतिक पहचान को मान्यता देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, विधेयक पेश होने और विधानसभा से पारित होने के बाद ही इससे जुड़ी औपचारिक प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के राज्यसभा सदस्य शम्मी ओबरॉय ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने पंजाबी, गोजरी और पहाड़ी भाषाओं को आधिकारिक भाषाओं की सूची में शामिल करने का फैसला किया है। उनके अनुसार, इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए 2027 के बजट सत्र में विधानसभा के समक्ष विधेयक लाया जाएगा। इसके जरिए इन भाषाओं को केंद्र शासित प्रदेश के आधिकारिक भाषा कानून के तहत मान्यता देने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इस फैसले से उन लोगों की उम्मीदें बढ़ सकती हैं, जो लंबे समय से अपनी मातृभाषाओं को प्रशासनिक स्तर पर अधिक पहचान दिलाने की मांग करते रहे हैं।



पंजाबी समेत तीन भाषाएं होंगी आधिकारिक।

ओबरॉय ने पंजाबी भाषा को आधिकारिक दर्जा दिलाने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ हुई बातचीत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से लोगों से यह वादा किया गया था कि पंजाबी को जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषाओं में शामिल कराया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार को उन्होंने सिख संगत और विभिन्न गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। इस बैठक में उन्होंने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि पंजाबी भाषा को आधिकारिक भाषा कानून के तहत मान्यता दिलाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

पंजाबी भाषा के अधिकार को लेकर सरकार से संवाद

ओबरॉय ने पंजाबी भाषा को आधिकारिक दर्जा दिलाने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ हुई बातचीत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से लोगों से यह वादा किया गया था कि पंजाबी को जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषाओं में शामिल कराया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार को उन्होंने सिख संगत और विभिन्न गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। इस बैठक में उन्होंने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि पंजाबी भाषा को आधिकारिक भाषा कानून के तहत मान्यता दिलाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

2027 में आएगा भाषा मान्यता विधेयक

नेशनल कॉन्फ्रेंस के राज्यसभा सदस्य शम्मी ओबरॉय ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने पंजाबी, गोजरी और पहाड़ी भाषाओं को आधिकारिक भाषाओं की सूची में शामिल करने का फैसला किया है। उनके अनुसार, इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए 2027 के बजट सत्र में विधानसभा के समक्ष विधेयक लाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में पंजाबी, गोजरी और पहाड़ी भाषाओं का उपयोग विभिन्न समुदायों द्वारा किया जाता है। इन भाषाओं को आधिकारिक सूची में शामिल किए जाने से उनकी पहचान को संस्थागत स्तर पर मजबूती मिल सकती है। साथ ही, भाषाई और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को लेकर भी नई संभावनाएं बन सकती हैं। फिलहाल सरकार की ओर से प्रस्तावित विधेयक को 2027 के बजट सत्र में पेश करने की बात कही गई है। विधेयक का अंतिम स्वरूप, विधानसभा में इसकी प्रक्रिया और लागू होने से जुड़े प्रावधान आगे स्पष्ट होंगे।

बारिश और बर्फबारी से बदला पहाड़ों का मिजाज

पहाड़ों पर बिछी बर्फ की सफेद चादर, मैदानों में तेज बारिश से बढ़ी ठंड

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

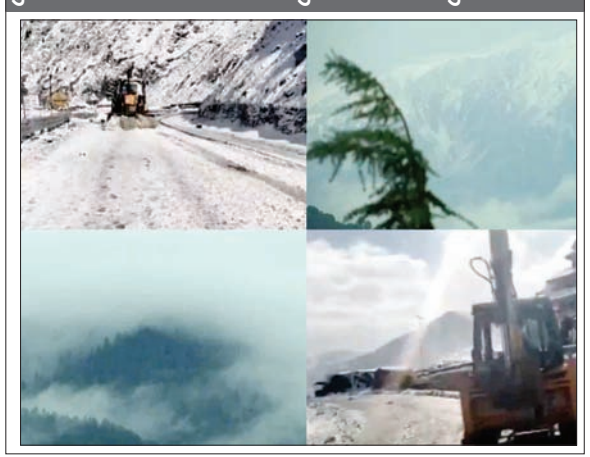
देश के पहाड़ी राज्यों में मौसम ने अचानक करवट ली है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों और पुंछ जिले की पीर की गली में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। वहीं, जम्मू में तेज बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। हिमाचल प्रदेश की धौलाधार पर्वत श्रृंखला में भी ताजा हिमपात हुआ है, जबकि धर्मशाला में लगातार बारिश से ठंड बढ़ गई है। उत्तराखंड में भी मानसून की विदाई के बाद बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी है।

जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। पीर की गली में बर्फ जमने के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 79 आरसीसी इकाई ने बर्फ हटाने का अभियान शुरू किया है। पुंछ से कश्मीर को जोड़ने वाले इस मार्ग को आम वाहनों के लिए साफ किया जा रहा है। डोडा जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी हिमपात के बाद तापमान में गिरावट आई है।

पुंछ-कश्मीर मार्ग पर बर्फ हटाने का काम तेज

जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। पीर की गली में बर्फ जमने के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 79 आरसीसी इकाई ने बर्फ हटाने का अभियान शुरू किया है। पुंछ से कश्मीर को जोड़ने वाले इस मार्ग को आम वाहनों के लिए साफ किया जा रहा है। डोडा जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी हिमपात के बाद तापमान में गिरावट आई है।

पुंछ से कश्मीर तक आवाजाही सुचारु बनाने में जुटा बीआरओ



जम्मू-श्रीनगर नगर निगम के विनियमों को मिली मंजूरी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

- नियमितीकरण के लिए नगर निकायों में लागू होंगे समान प्रावधान

जम्मू-कश्मीर के शहरी स्थानीय निकायों में लंबे समय से अस्थायी तौर पर काम कर रहे कर्मचारियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद जगी है। प्रदेश सरकार ने पात्र कर्मचारियों की सेवाएं नियमित करने के लिए एक समान व्यवस्था तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने बुधवार को जम्मू और श्रीनगर नगर निगमों के चतुर्थ श्रेणी सेवा (विशेष प्रविधान) विनियम, 2014 को आवश्यक बदलावों के साथ अपनाने की मंजूरी दे दी।

आवास एवं शहरी विकास विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, इन विनियमों को प्रदेश के अन्य शहरी स्थानीय निकायों में भी पात्र कर्मचारियों के नियमितीकरण की व्यवस्था तैयार करने का आधार बनाया जाएगा। इससे विभिन्न निकायों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए एक समान तंत्र विकसित करने का रास्ता तैयार होगा।

सरकार के इस फैसले में आकस्मिक श्रमिकों, आकस्मिक भुगतान वाले कर्मचारियों, समेकित वेतन पर कार्यरत कर्मियों और इसी तरह की अन्य श्रेणियों में शामिल कर्मचारियों को ध्यान में रखा गया है। इन श्रेणियों के पात्र कर्मचारियों की सेवाएं नियमित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था तैयार करने पर जोर दिया गया है।

अब संबंधित विनियमों में आवश्यक बदलावों के साथ अन्य शहरी स्थानीय निकायों में नियमितीकरण की व्यवस्था विकसित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। हालांकि, आदेश में पात्र कर्मचारियों की कुल संख्या, नियमितीकरण की समयसीमा और चयन से जुड़ी विस्तृत शर्तों का उल्लेख नहीं किया गया है। ऐसे में कर्मचारियों को अंतिम व्यवस्था और पात्रता संबंधी दिशा-निर्देशों का इंतजार रहेगा।

कश्मीर के हस्तशिल्प को मिलेगी वैश्विक बाजारों तक पहुंच

कश्मीर के पश्मीना, केसर और हस्तशिल्प को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाएगी डीटीडीसी की 'उड़ान' पहल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर के पश्मीना शॉल, केसर, पारंपरिक हस्तशिल्प, प्रीमियम सूखे मेवे और विलो लकड़ी से बने खेल उपकरणों को देश-दुनिया के बड़े बाजारों तक पहुंचाने की पहल शुरू की गई है। लॉजिस्टिक्स कंपनी डीटीडीसी एक्सप्रेस लिमिटेड ने स्थानीय कारीगरों, छोटे कारोबारियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को नए ग्राहकों से जोड़ने के उद्देश्य से 'डीटीडीसी उड़ान' कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल के माध्यम से घाटी के विशिष्ट उत्पादों की पहुंच बढ़ाने और स्थानीय कारोबार को विस्तार देने का प्रयास किया जाएगा।

कश्मीर में पश्मीना, जीआई टैग वाला केसर, पारंपरिक हस्तशिल्प और विलो लकड़ी से बने खेल उपकरण अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। इसके अलावा यहां प्रीमियम सूखे मेवे भी तैयार होते हैं, जिनकी मांग विभिन्न बाजारों में रहती है। इन उत्पादों की गुणवत्ता और पारंपरिक विशेषताओं के बावजूद कारोबारियों के सामने घाटी से बाहर ग्राहकों तक पहुंचने की चुनौती बनी रहती है। इसके लिए भरोसेमंद वितरण व्यवस्था, भंडारण, ऑर्डर की प्रक्रिया और ऑनलाइन बिक्री जैसी सुविधाओं की जरूरत होती है।



कारोबारियों को नए ग्राहकों से जोड़ेगी 'डीटीडीसी उड़ान'।

डीटीडीसी की 'उड़ान' पहल का उद्देश्य इन चुनौतियों को दूर करने में कारोबारियों की मदद करना है। इसके जरिए छोटे उद्यमों को सामान की डिलीवरी और ऑनलाइन बिक्री की सुविधाओं से जोड़ने पर जोर दिया जाएगा, ताकि वे अपने उत्पादों को अधिक ग्राहकों तक पहुंचा सकें। इससे स्थानीय कारीगरों और कारोबारियों को अपने उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने का अवसर मिल सकता है। साथ ही, पारंपरिक उत्पादों को घाटी से बाहर पहचान दिलाने और कारोबार के दायरे को बढ़ाने में भी सहायता मिलने की उम्मीद है।

जम्मू मंडल के रेलकर्मियों ने बचाई तीन यात्रियों की जान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

- तीन अलग-अलग घटनाओं में रेलकर्मियों की सतर्कता आई काम

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल के रेलकर्मियों ने सतर्कता और तत्परता का परिचय देते हुए तीन अलग-अलग ट्रेनों में तीन यात्रियों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। इन घटनाओं में एक महिला को कार्डियक अरेस्ट, एक बुजुर्ग को अस्थमा का गंभीर दौरा और तीन वर्षीय बच्चे को दौरे पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाई गई। रेलकर्मियों की सक्रियता से आपात परिस्थितियों में यात्रियों को समय पर मदद मिल सकी।

पहली घटना अमरनाथ एक्सप्रेस की है। ट्रेन के प्रवेश द्वार के पास महिला यात्री स्वीटी कुमारी अचानक कार्डियक अरेस्ट आने से बेहोश होकर गिर पड़ीं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए मुख्य टिकट निरीक्षक तरसेम लाल और टिकट जांच कर्मचारी दीपक ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने बिना देरी किए एंबुलेंस बुलवाई और महिला को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, ताकि उन्हें समय पर उपचार मिल सके।

दूसरी घटना में एक बुजुर्ग यात्री को अस्थमा का गंभीर दौरा पड़ा। वहीं, तीसरी घटना में तीन वर्षीय बच्चे को दौरे आने लगे। दोनों मामलों में रेलकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन घटनाओं ने रेल यात्रा के दौरान अचानक उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों में कर्मचारियों की सजगता और त्वरित कार्रवाई के महत्व को रेखांकित किया।

रेलवे कर्मचारियों की इस पहल से यात्रियों की सुरक्षा के प्रति उनकी जिम्मेदारी सामने आई। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में दूसरी और तीसरी घटना से संबंधित ट्रेनों, रेलकर्मियों के नाम तथा यात्रियों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है।

राजेरवानी में मलबे का सैलाब, राजमार्ग अवरुद्ध और बिजली व्यवस्था ठप

उड़ी में भूस्खलन से राष्ट्रीय राजमार्ग बंद, 50 गांवों में अंधेरा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के सीमांत उपमंडल उड़ी में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण राजेरवानी क्षेत्र में भारी भूस्खलन हुआ है। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया, जबकि 33 केवी विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होने से करीब 40 से 50 गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। सड़क बंद होने और बिजली गुल होने से क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एनएचपीसी उड़ी के पास एडीआईटी-4 के समीप पहाड़ से भारी मात्रा में मिट्टी, पत्थर और मलबा सड़क पर आ गिरा, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रुक गई।

प्रभावित क्षेत्र में लगातार पत्थर गिरने के कारण स्थिति जोखिमपूर्ण बनी हुई है। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परामर्श जारी कर लोगों से इस मार्ग पर यात्रा करने से बचने की अपील की है। यात्रियों और वाहन चालकों को गिंगल-दावरान-परमपिला-बांडी-उड़ी के वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, रात का समय, खराब मौसम और लगातार गिरते पत्थर मलबा हटाने के कार्य में बाधा बन रहे हैं।



राजेरवानी में भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित।

भूस्खलन की चपेट में आने से मुख्य 33 केवी विद्युत लाइन भी टूट गई, जिसके कारण क्षेत्र में शाम से ही अंधेरा छाया हुआ है। बिजली विकास विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिकूल मौसम और पत्थर गिरने के खतरे के कारण मरम्मत दल के लिए घटनास्थल तक पहुंचना फिलहाल जोखिम भरा है।

आईजीपी जम्मू ने किश्तवाड़ का किया दौरा

भारतेंदु संवाददाता, किश्तवाड़। जम्मू संभाग के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) तेजिंदर सिंह ने बुधवार को किश्तवाड़ जिले का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में डोडा-किश्तवाड़-रामबन रेंज के डीआईजी सरगुन शुक्ला भी मौजूद रहे। किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सनी गुप्ता ने आईजीपी को जिले की मौजूदा सुरक्षा स्थिति और पुलिस की तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आतंकवाद रोधी तैयारियों, विभिन्न पुलिस रेंज के बीच समन्वय, अपराधों की रोकथाम, नशीले पदार्थों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर जानकारी साझा की। आईजीपी तेजिंदर सिंह ने अधिकारियों को सक्रिय पुलिसिंग बनाए रखने और हर परिस्थिति में पूरी तरह सतर्क रहने पर जोर दिया।

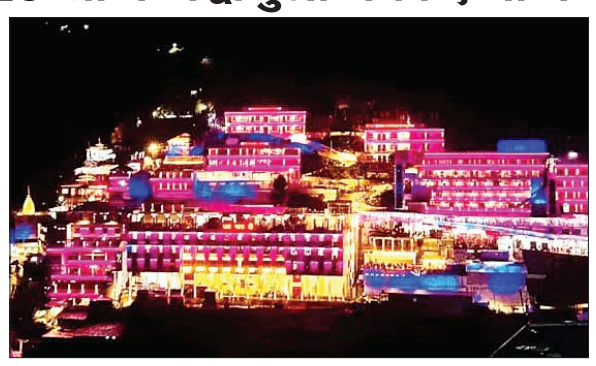
बारिश भी नहीं डिगा सकी मां वैष्णो देवी के भक्तों की आस्था

पांच दिनों में 2.25 लाख श्रद्धालुओं ने किए मां वैष्णो देवी के दर्शन

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

विपरीत मौसम और लगातार बारिश के बावजूद मां वैष्णो देवी के दरबार में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। शारदीय नवरात्र के पहले पांच दिनों में करीब 2.25 लाख श्रद्धालु मां के चरणों में हाजिरी लगा चुके हैं। बुधवार देर रात मौसम में अचानक बदलाव के बाद तेज बारिश शुरू हो गई, जो वीरवार तड़के तक जारी रही। इसके बावजूद श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए भवन की ओर बढ़ते रहे।

लगातार बारिश के कारण यात्रा मार्ग पर कई स्थानों पर श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ श्रद्धालुओं को आश्रय स्थलों में रुककर मौसम सामान्य होने का इंतजार करना पड़ा। वीरवार सुबह मौसम में कुछ सुधार हुआ, हालांकि बीच-बीच में हल्की बारिश जारी रही। खराब मौसम और श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आपदा प्रबंधन दल, श्राइन बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस और सीआरपीएफ के जवान यात्रा मार्ग पर निगरानी कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है।



पांचवें नवरात्र पर भी श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार रहा।

खराब मौसम के कारण कटड़ा से संचालित हेलीकॉप्टर सेवा भी वीरवार को बीच-बीच में प्रभावित हुई। हालांकि, श्रद्धालुओं को बैटरी कार, घोड़ा-पिट्ठू और पालकी जैसी सुविधाएं मिलती रहीं। भवन क्षेत्र में आयोजित शतचंडी महायज्ञ में भी श्रद्धालु भाग लेकर हवन-यज्ञ कर रहे हैं। बड़ी संख्या में भक्त बाबा भैरवनाथ के दर्शन के लिए भैरव घाटी भी पहुंच रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार, 11 अक्टूबर को 47,500, 12 अक्टूबर को 48,300, 13 अक्टूबर को करीब 46,500 और 14 अक्टूबर को लगभग 42,000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। वहीं, वीरवार 15 अक्टूबर को दोपहर एक बजे तक करीब 24,000 श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर यात्रा पर रवाना हो चुके थे। आधार शिविर कटड़ा में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी रहा। बारिश और ठंडी हवाओं के बीच भक्तों की अटूट आस्था यात्रा मार्ग पर दिखाई देती रही।

बारिश में भी अटूट आस्था

आंकड़ों के अनुसार, 11 अक्टूबर को 47,500, 12 अक्टूबर को 48,300, 13 अक्टूबर को करीब 46,500 और 14 अक्टूबर को लगभग 42,000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। वहीं, वीरवार 15 अक्टूबर को दोपहर एक बजे तक करीब 24,000 श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर यात्रा पर रवाना हो चुके थे। आधार शिविर कटड़ा में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी रहा।

बागवानी से कमाई | कश्मीर में सेब की खेती का दायरा बढ़ा, धान के घटते रकबे ने बढ़ाई चिंता

धान छोड़ सेब की ओर बढ़े कश्मीरी किसान

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर में खेती का पारंपरिक स्वरूप तेजी से बदल रहा है। बेहतर आमदनी की उम्मीद में किसान धान की खेती छोड़कर सेब, अखरोट, नाशपाती और आलूबुखारा जैसे फलों के बाग लगाने की ओर बढ़ रहे हैं। बढ़ती लागत, मजदूरों की कमी और धान की खेती से सीमित मुनाफा इस बदलाव के प्रमुख कारण हैं। पुलवामा के गुंडीबाग निवासी शाहिद इसका उदाहरण हैं। दुबई से लौटने के बाद उन्होंने अपने पिता हाजी अब्दुल कबीर को धान की खेती के बजाय सेब और आलूबुखारा के बाग लगाने का सुझाव दिया। उनका मानना है कि फलदार बाग लंबे समय तक आमदनी का बेहतर आधार बन सकते हैं। यह बदलाव केवल एक परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी घाटी में किसानों की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में सेब के बागों का क्षेत्रफल वर्ष 2004-05 में 1,07,930 हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 1,73,073 हेक्टेयर हो गया। इस तरह दो दशकों में सेब की खेती के रकबे में करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अखरोट के बागों का क्षेत्रफल भी इसी अवधि में 74,890 हेक्टेयर से बढ़कर 86,380 हेक्टेयर हो गया। वहीं, नाशपाती और आलूबुखारा की खेती का विस्तार भी किसानों के बीच फसल विविधीकरण के बढ़ते रुझान को दर्शाता है। बेहतर बाजार मूल्य, आधुनिक बागवानी तकनीक और परिवहन सुविधाओं में सुधार ने भी किसानों को फल उत्पादन की ओर आकर्षित किया है।

बागवानी से होने वाली कमाई का अंतर इस बदलाव को और गति दे रहा है। बडगाम के खंदा क्षेत्र के किसान गुलजार अहमद के अनुसार, नौ कनाल जमीन पर धान की खेती से सालाना लगभग 30 से 50 हजार रुपये की आमदनी होती थी। करीब छह वर्ष पहले हाई डेनसिटी सेब का बाग लगाने के बाद अब उन्हें एक मौसम में लगभग पांच लाख रुपये की कमाई हो रही है। हालांकि, फलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव, मौसम की मार, बीमारियां और बाजार तक पहुंच जैसी चुनौतियां भी बनी रहती हैं। ऐसे में वैज्ञानिक देखभाल, भंडारण और बेहतर विपणन व्यवस्था किसानों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

दूसरी ओर, बागवानी के विस्तार के साथ धान की खेती का क्षेत्रफल लगातार घट रहा है। जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2015-16 में धान का रकबा 3,04,500 हेक्टेयर था, जो 2024-25 में घटकर 2,58,840 हेक्टेयर रह गया। इस दौरान लगभग 15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इसी अवधि में बाहरी राज्यों से चावल की आपूर्ति भी बढ़ी है। वर्ष 2022-23 में यह आपूर्ति 3.74 लाख टन थी, जो 2024-25 में बढ़कर 4.86 लाख टन हो गई।

कृषि भूमि बचाने की चुनौती

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, धान की खेती का घटता रकबा खाद्य सुरक्षा के लिहाज से चिंता का विषय है। हालांकि, आवासीय कॉलोनियों, सड़कों और बुनियादी ढांचे के विस्तार ने भी कृषि भूमि के इस्तेमाल को प्रभावित किया है। जम्मू-कश्मीर सरकार समग्र कृषि विकास योजना के माध्यम से आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक बागवानी और फल प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है।

किसानों की आय बढ़ाने में प्रसंस्करण की भूमिका

फलों की ग्रेडिंग, पैकिंग, भंडारण और प्रसंस्करण से किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं। हालांकि, नीति निर्माताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती किसानों की आय बढ़ाने और खाद्यान्न उत्पादन के बीच संतुलन बनाए रखने की है।



चिनाब पुल बनेगा नया पर्यटन आकर्षण

चिनाब पुल की निर्माण गाथा बताएगा इंजीनियरिंग संग्रहालय



359 मीटर की ऊंचाई पर चिनाब पुल का दीदार।

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बना दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल जल्द ही पर्यटकों के लिए नया आकर्षण बनने जा रहा है। भारतीय रेलवे पुल को करीब से देखने के लिए विशेष व्यूइंग प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है। इसके माध्यम से पर्यटक 1300 मीटर लंबे और नदी तल से 359 मीटर ऊंचे इस पुल की भव्यता निहार सकेंगे। अब तक लोग ट्रेन में सफर के दौरान ही इसका नजारा देख पाते थे। अधिकारियों के अनुसार, प्लेटफॉर्म का निर्माण जल्द पूरा कर इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके साथ ही यहां एक इंजीनियरिंग संग्रहालय भी बनाया जा रहा है, जिसमें पुल के निर्माण के विभिन्न चरणों और चुनौतियों की जानकारी मिलेगी। चिनाब पुल 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन का हिस्सा है, जिसने कश्मीर को हर मौसम में रेल संपर्क उपलब्ध कराया है। इस रेल मार्ग पर 36 सुरंगें और 900 से अधिक पुल हैं। कटरा से काजीगुंड के बीच 110 किलोमीटर के मार्ग का 90 किलोमीटर से अधिक हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरता है।

राष्ट्र में जातिगत

नहीं, सौहार्द और सद्भाव की आवश्यकता



एआई निर्मित चित्र।

संपूर्ण विश्व को 'वसुधैव कुटुंबकम्' का दिव्यता से परिपूर्ण संदेश देने वाले राष्ट्र और समाज में यदि जातीय आधार पर विभाजन और नियमों की व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हो तो यह निस्संदेह बेहद चिंताजनक और चिंतन का विषय है जो हमारी भावी पीढ़ी को एक ऐसी दिशा में ले जाएगी,जो संवाद और सद्भाव से नहीं, बल्कि विवाद और विरोधाभास पर आधारित होगी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर राष्ट्र में अभी भी ये हालात और नजरिया है तो निस्संदेह मानसिकता और प्रतिबद्धता में कुछ कमी है। भारत विविधताओं का देश है-भाषा, संस्कृति, परंपरा, वेशभूषा और जीवनशैली में अनेक रंग दिखाई देते हैं, किंतु इन विविधताओं के बीच एकता ही इस राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति रही है। दुर्भाग्य से समय-समय पर जाति आधारित भेदभाव ने समाज को कमजोर करने का प्रयास किया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ें और समाज में सौहार्द, सद्भाव तथा समानता की भावना को मजबूत करें।

भारत के महान पुरुषों ने सदैव मानवता को जाति से ऊपर रखा। महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं ऐसे भारत का सपना देखता हूं, जहां ऊंच-नीच का कोई भेद न हो और हर व्यक्ति को समान सम्मान मिले।' उन्होंने हरिजन सेवा के माध्यम से समाज में समानता और आत्मसम्मान की भावना जगाने का प्रयास किया। उनका मानना था कि समाज तभी आगे बढ़ सकता है जब सबसे कमजोर व्यक्ति को भी बराबरी का अवसर मिले।

इसी प्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किए। उनका स्पष्ट संदेश था कि सामाजिक समानता के बिना लोकतंत्र अधूरा है। उन्होंने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा साधन बताया और कहा, 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।' यह संदेश आज भी युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक है।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागृत करते हुए कहा था, 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको।' उनका मानना था कि हर मनुष्य के भीतर दिव्यता है और किसी को भी जन्म के आधार पर छोटा या बड़ा नहीं समझा जाना चाहिए। उनके विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, सेवा और राष्ट्रप्रेम की ओर प्रेरित करते हैं।

जाति आधारित भेदभाव केवल सामाजिक विभाजन नहीं, बल्कि विकास की गति को भी धीमा करता है। जब समाज का एक वर्ग पीछे रह जाता है, तो पूरे राष्ट्र की प्रगति प्रभावित होती है। इसलिए आवश्यक है कि हर नागरिक को शिक्षा, रोजगार और सम्मान के समान अवसर मिलें। समाज में समानता और भाईचारे का वातावरण ही सच्चे विकास की नींव है।

आज की युवा पीढ़ी इस परिवर्तन की सबसे बड़ी आशा है। आज की युवा पीढ़ी किसी भी शर्त पर इस विभेद को स्वीकार नहीं करती। वह जाति और भेदभाव से ऊपर उठकर नई सोच को अपनाने में सक्षम हैं। सोशल मीडिया, शिक्षा और जागरूकता के कारण नई पीढ़ी समानता और मानवता को अधिक महत्व दे रही है। यदि युवाओं को सही दिशा और प्रेरणा मिले तो वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। युवाओं को चाहिए कि वे मित्रता, सहयोग और परस्पर सम्मान की भावना को बढ़ावा दें। विद्यालयों और महाविद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल और सामूहिक गतिविधियां युवाओं को जाति से परे एक-दूसरे को समझने का अवसर देती हैं।

जब युवा साथ काम करते हैं, साथ सीखते हैं, तो भेदभाव की दीवारें स्वत: गिरने लगती हैं। रवींद्रनाथ टैगोर ने मानवता को सर्वोपरि बताते हुए कहा था कि मनुष्य का असली धर्म मानवता है। यदि हम एक-दूसरे को मनुष्य के रूप में देखें, न कि जाति के आधार पर, तो समाज में सौहार्द और सद्भाव स्वत: बढ़ेगा।

समाज में सद्भाव बनाए रखने के लिए परिवार और शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि बच्चों को बचपन से ही समानता, सहयोग और सम्मान के संस्कार दिए जाएं, तो भविष्य में समाज अधिक समरस, संवेदनशील और मजबूत बन सकता है। शिक्षक और अभिभावक यदि अपने व्यवहार से जाति आधारित पूर्वाग्रहों को त्याग दें, तो आने वाली पीढ़ी स्वत: भेदभाव से मुक्त होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



केशव शर्मा 'रसिक'

बदलते सामाजिक परिवेश में युवाओं में बढ़ता अवसाद : कारण और समाधान



वर्तमान समय में देश के युवाओं के बीच डिप्रेशन (अवसाद) के बढ़ते मामले समाज के लिए गहरी चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, करियर की अनिश्चितता और सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक चुनौती है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह समस्या आत्मघाती प्रवृत्तियों तक पहुंच सकती है। डिप्रेशन केवल साधारण उदासी नहीं है, बल्कि एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य विकार है। इसमें व्यक्ति लंबे समय तक निराशा, थकान, आत्मग्लानि, एकाकीपन और किसी भी कार्य में रुचि की कमी महसूस करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्वभर में करोड़ों लोग अवसाद से प्रभावित हैं और युवाओं में इसकी दर तेजी से बढ़ रही है। यह आंकड़ा इस बात का संकेत है कि मानसिक स्वास्थ्य को अब प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। युवाओं में डिप्रेशन के बढ़ने के पीछे कई कारण हैं।

सबसे प्रमुख कारण है अत्यधिक प्रतिस्पर्धा और सफलता की दौड़। आज का युवा परीक्षा, करियर और भविष्य को लेकर निरंतर दबाव में रहता है। अभिभावकों और समाज की अपेक्षाएं भी उस पर मानसिक बोझ डालती हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की अनिश्चितता और आर्थिक असुरक्षा उसे और अधिक चिंतित करती है।

सोशल मीडिया का प्रभाव भी एक महत्वपूर्ण कारक है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दूसरों की 'संपूर्ण' और 'सफल' जीवनशैली देखकर युवा तुलना करने लगते हैं। इससे उनमें हीनभावना, असंतोष और आत्मविश्वास की कमी पैदा होती है। डिजिटल रूप से जुड़े होने के बावजूद भावनात्मक दूरी बढ़ रही है। कई युवा अपनी समस्याएं खुलकर साझा नहीं कर पाते और भीतर ही भीतर घुटते रहते हैं। अवसाद के लक्षणों को पहचानना बेहद आवश्यक है। लगातार उदासी या चिड़चिड़ापन, नींद में कमी या अत्यधिक नींद आना, भूख में बदलाव, आत्मविश्वास में गिरावट, पढ़ाई या काम में रुचि कम होना और आत्महत्या जैसे विचार आना इसके प्रमुख संकेत हैं। यदि ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो विशेषज्ञ की सलाह लेना अनिवार्य हो जाता है। इन संकेतों को नजरअंदाज करना स्थिति को और गंभीर बना सकता है।



केशव शर्मा
स्वतंत्र लेखक

युवाओं को मानसिक अवसाद से बचाने में परिवार, विद्यालय और समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अक्सर देखा गया है कि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बातचीत नहीं होती। इसे कमजोरी या शर्म से जोड़ दिया जाता है, जबकि यह एक सामान्य स्वास्थ्य समस्या है। अभिभावकों और शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों पर ध्यान दें और उनके साथ खुला संवाद स्थापित करें। स्कूलों और कॉलेजों में काउंसलिंग व्यवस्था को सुदृढ़ करना समय की मांग है। विद्यार्थियों को यह भरोसा दिलाया जाना चाहिए कि उनकी समस्याओं को समझा और सुना जाएगा। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व दिया जाना चाहिए। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और सकारात्मक दिनचर्या अपनाने से मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है। योग और ध्यान जैसी गतिविधियां तनाव कम करने में प्रभावी सिद्ध हुई हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जिन्हें खुद पता नहीं कहां जाना है, वो देश क्या चलाएंगे?



एआई निर्मित चित्र।

देशहित की दिशा तय करे राजनीतिक सोच

राजनीति केवल सत्ता हासिल करने का नाम नहीं है, बल्कि यह देश को सही दिशा और दशा देने की एक बड़ी जिम्मेदारी है। किसी भी राजनीतिक पार्टी की असली पहचान उसके नारों, भाषणों, चुनावी वादों या विरोधियों पर लगाए जाने वाले आरोपों से नहीं होती, बल्कि उसकी विचारधारा, स्पष्ट नीतियों, दूरदर्शी सोच और निर्धारित लक्ष्यों से होती है। राजनीति का मूल उद्देश्य जनता की समस्याओं को समझना, उनका समाधान करना और देश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाना होना चाहिए। जब राजनीति अपने इस उद्देश्य से भटक जाती है, तो जनता के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठने लगते हैं।

आज राजनीति में एक बड़ा सवाल यह है कि जब किसी राजनीतिक पार्टी को खुद ही यह स्पष्ट नहीं है कि उसे किस दिशा में जाना है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं, बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भारत के सामने कौन-कौन सी चुनौतियां खड़ी हैं और देश के भविष्य को लेकर उसका दृष्टिकोण क्या है, तो वह देश को सही दिशा कैसे दे सकती है? किसी भी देश का विकास केवल सत्ता में आने से नहीं होता, बल्कि इसके लिए स्पष्ट सोच, मजबूत नेतृत्व और दीर्घकालिक योजनाओं की आवश्यकता होती है। देश की समस्याएं केवल भाषण देने या आरोप-प्रत्यारोप करने से समाप्त नहीं होतीं। उनके समाधान के लिए गंभीर चिंतन, व्यावहारिक नीतियां और उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी जरूरी है।

देश चलाना कोई बच्चों का खेल नहीं है। करोड़ों लोगों की उम्मीदें, उनके सपने, युवाओं का भविष्य, किसानों की समस्याएं, बेरोजगारों के संघर्ष और आम नागरिक की रोजमर्रा की परेशानियां सरकार तथा राजनीतिक दलों से जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा करती हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, उद्योग, महंगाई और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दे किसी भी देश की प्रगति का आधार होते हैं। इन क्षेत्रों में सुधार के लिए ऐसी नीतियां बनानी पड़ती हैं, जिनका लाभ केवल किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। इसके लिए जरूरी है कि राजनीतिक दल अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करें और जनता को बताएं कि वे देश की मौजूदा समस्याओं का समाधान किस प्रकार करेंगे।

केवल दूसरों की आलोचना करके, आम आदमी के मन में भ्रम पैदा करके या जनता को बड़े-बड़े सपने दिखाकर देश का भविष्य नहीं बनाया जा सकता। विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में महत्वपूर्ण होती है और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना उसका अधिकार भी है, लेकिन आलोचना के साथ विकल्प प्रस्तुत करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि कोई राजनीतिक पार्टी सरकार की नीतियों को गलत बताती है, तो उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि वह सत्ता में आने पर उन समस्याओं का समाधान किस तरह करेगी। केवल विरोध करना आसान है, लेकिन ठोस विकल्प देना, जिम्मेदारी उठाना और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही वास्तविक राजनीतिक क्षमता की पहचान है।

एक जिम्मेदार राजनीतिक पार्टी के पास स्पष्ट विचारधारा, ठोस नीतियां और देशहित में निर्णय लेने का साहस होना चाहिए। उसे यह मालूम होना चाहिए कि वह किन क्षेत्रों में बदलाव लाना चाहती है, उस बदलाव का उद्देश्य क्या है और उसे पूरा करने के लिए उसके पास कौन-सी योजनाएं हैं। केवल चुनाव जीतने के लिए किए गए वादे कुछ समय के लिए जनता को आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन लंबे समय तक विश्वास बनाए रखने के लिए उन वादों को पूरा करना आवश्यक है। राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों के परिणामों की जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी चाहिए, क्योंकि जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



विजय शर्मा

क्या जाति हिंदू समाज की समस्या है या औपनिवेशिक व्याख्या की उपज?



कभी-कभी लगता है कि हम अपने ही इतिहास को किसी और की आंखों से पढ़ रहे हैं। जब आप अपनी सभ्यता को अपनी दृष्टि से नहीं, बल्कि अपने शासक की दृष्टि से देखते हैं, तब फिर ये तय है कि धीरे-धीरे आप अपने ही समाज को दोष की स्थायी कहानी में बदल देते हैं। जाति विमर्श के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है और हो रहा है। आज जो कथन सामान्य हो गया है, जैसे '3000 वर्षों तक कुछ जातियों ने कुछ जातियों का शोषण किया', 'ब्राह्मण शाश्वत शोषक हैं', 'सामान्य वर्ग ऐतिहासिक अपराधी है', 'जाति ही हिंदू समाज की सबसे बड़ी समस्या है', इन वाक्यों की जड़ें सिर्फ समकालीन राजनीति में नहीं हैं। इनकी बौद्धिक पृष्ठभूमि औपनिवेशिक लेखन, मिशनरी रणनीति, एंग्लिसिस्ट इतिहास, जनगणना आधारित वर्गीकरण और आधुनिक वामपंथी बाइनरी सिद्धांतों में निहित है।

सबसे पहले उस तथ्य को समझें, जिसे प्राय: पीछे कर दिया जाता है। 1816 में फ्रांसीसी मिशनरी अब्बे जां आंत्वान डुबोआ ने अपनी पुस्तक में लिखा कि जाति व्यवस्था हिंदू विधान की श्रेष्ठतम कृति है और इसी व्यवस्था के कारण भारत अराजकता में नहीं डूबा। उन्होंने माना कि जातिगत अनुशासन ने सामाजिक संगठन को स्थिर रखा। यह कथन किसी सनातनी दार्शनिक का नहीं, बल्कि एक यूरोपीय मिशनरी का था जो मतांतरण के उद्देश्य से भारत आया था। इसका अर्थ यह है कि प्रारंभिक बाहरी दृष्टि में जाति को केवल दमन तंत्र के रूप में नहीं देखा गया। फिर दृष्टि बदली और 1857 के बाद अंग्रेजों ने यह निष्कर्ष निकाला कि भारत को नियंत्रित करने के लिए केवल सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं है, समाज को वर्गीकृत करना होगा। यहीं से तथाकथित नृवंशविज्ञानिक राज्य की अवधारणा जन्म लेती है। 1872 की पहली अखिल भारतीय जनगणना ने जाति को स्थायी प्रशासनिक श्रेणी बना दिया। हजारों स्थानीय और लचीली पहचानों को कठोर सांख्यिकीय खांचों में बांध दिया गया। आगे चलकर एच एच रिस्ले ने 1901 की जनगणना में जाति को नस्लीय सिद्धांतों से जोड़ने का प्रयास किया। नाक की लंबाई और कपाल की बनावट तक को आधार बनाया गया। इस प्रकार जाति एक जीवंत सामाजिक संरचना से अधिक औपनिवेशिक नियंत्रण का उपकरण बनती चली गई। इसी काल में मिशनरी विमर्श ने दूसरा आयाम जोड़ा। अनेक मिशनरियों ने कहा कि ब्राह्मण, ईसाई मतांतरण की सबसे बड़ी बाधा हैं। एमए शेरिंग ने लिखा कि जाति ब्राह्मणों की रचना है। ब्राह्मण को योजनाबद्ध रूप से षड्यंत्रकारी और तानाशाही सिद्ध किया गया। यहां दानवीकरण की प्रक्रिया स्पष्ट दिखाई देती है। जब किसी एक समुदाय को समस्त सामाजिक दोष का प्रतीक बना दिया जाता है, तो समाज की नैतिक संरचना कमजोर होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



दीपक कुमार द्विवेदी



कविता

चींटी रानी

रवि कुमार, बिलासपुर
(हिमाचल प्रदेश)

चींटी रानी, चींटी रानी,
बड़ी सयानी चींटी रानी।
श्रम की मल्लिका चींटी रानी,
सुबह- सुबह जब आंख खुली तो,
काम में लगी दिखी चींटी रानी,
गर मिलकर काम करें तो,
ऐवरेस्ट भी चढ़ सकते हो प्यारे।
हिम्मत और लग्न से आप,
तोड़ लाएंगे नभ के तारे।
कठिनाई में भी मुस्कुराना,
इक दूजे के काम आना।
दूर हो मंजिल न घबराना,
यही सिखाती चींटी रानी।
मां ने मीना को कहानी सुनाई,
घमंडी हाथी ने चींटीं संग की लड़ाई,
चींटीं ने फिर
नानी याद कराई।
छुपके से सूंड में घुसकर,
हाथी की डुग-डुगी बजाई।
पीड़ा से जब आंखें भर आई,
बोला कान पकड़ूं, नाक रगड़ूं बहना रानी,
माफ करो दयालु बड़ी सयानी,
चींटीं को फिर आ गई दया,
उतर आई सूंड से नीचे,
खेलें दोनों चोर-सिपाही आंखें मीचे।

संपादकीय

यूपीआई शुल्क पर संतुलन जरूरी

भारत में डिजिटल भुगतान व्यवस्था का तेजी से विस्तार देश की आर्थिक प्रगति और तकनीकी क्षमता का प्रमाण है। आज छोटी-बड़ी दुकानों से लेकर ठेले और रेहड़ी तक यूपीआई के माध्यम से भुगतान स्वीकार किया जा रहा है। इस व्यवस्था ने नकदी पर निर्भरता कम करने के साथ कारोबार को आसान और तेज बनाया है। ऐसे में यूपीआई के चुनिंदा मर्चेंट भुगतानों पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने के प्रस्ताव को दिवाली तक टालने का फैसला स्वागत योग्य है। त्योहारी सीजन में लिया गया यह निर्णय व्यापारियों और उपभोक्ताओं, दोनों को राहत देने वाला है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने 13 अक्टूबर को हुई बैठक में एमडीआर संबंधी नए प्रावधानों को दिवाली के बाद तक टालने का निर्णय लिया। पहले इन्हें 15 अक्टूबर से लागू किया जाना था।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत दो हजार रुपये से अधिक के चुनिंदा यूपीआई मर्चेंट भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की बात कही गई थी। इस हिसाब से दस हजार रुपये के भुगतान पर दुकानदार को 40 रुपये शुल्क देना पड़ सकता था। हालांकि, सामान्य यूपीआई लेनदेन और दो हजार रुपये से कम के भुगतान पहले की तरह मुफ्त रहने की बात कही गई है। छोटे व्यापारियों के लिए यह राहत इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनका कारोबार अक्सर सीमित मुनाफे पर निर्भर करता है। ऐसे में भुगतान पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क उनकी लागत बढ़ा सकता है और लाभ को प्रभावित कर सकता है।

भारत में दिवाली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर है। इस दौरान बाजारों में खरीदारी बढ़ती है, व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों में अतिरिक्त सामान जुटाते हैं और उपभोक्ता घरेलू जरूरतों से लेकर कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, आभूषण तथा वाहनों तक की खरीदारी करते हैं। त्योहारी सीजन में भुगतान के अनेक विकल्पों का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे समय में डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त लागत की आशंका कारोबारियों के लिए चिंता का विषय बन सकती है। खासकर छोटे दुकानदारों के लिए प्रत्येक अतिरिक्त खर्च मायने रखता है। शुल्क लगाने के प्रस्ताव को टालने से उन्हें त्योहार के दौरान कारोबार सामान्य रूप से चलाने का अवसर मिलेगा। इससे बाजार में खरीदारी और लेनदेन की गति बनाए रखने में भी मदद मिल सकती है।

भारत की आर्थिक वृद्धि में घरेलू मांग और निजी खपत की महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे प्रमुख आर्थिक संस्थानों ने देश की विकास दर मजबूत बने रहने का अनुमान व्यक्त किया है। लगभग सात प्रतिशत की वृद्धि दर की संभावना के बीच आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। इसके लिए केवल बड़े निवेश और औद्योगिक उत्पादन पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि छोटे व्यापारियों के कारोबार और आम उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को भी महत्व देना होगा। त्योहारों के दौरान होने वाली खरीदारी बाजार में मांग बढ़ाती है और अनेक क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति देती है। ऐसे में भुगतान व्यवस्था को सरल और किफायती बनाए रखना जरूरी है, ताकि अतिरिक्त लागत के कारण व्यापारियों और ग्राहकों पर अनावश्यक दबाव न पड़े।

हालांकि, एमडीआर लगाने के प्रस्ताव को दिवाली तक टालना स्थायी समाधान नहीं है। डिजिटल भुगतान व्यवस्था को संचालित करने वाले बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के भी परिचालन खर्च होते हैं। भुगतान प्रणाली को सुरक्षित, सुचारु और टिकाऊ बनाए रखने के लिए संसाधनों की आवश्यकता होती है। इसलिए शुल्क से संबंधित किसी भी अंतिम निर्णय में इन संस्थाओं की आर्थिक जरूरतों के साथ छोटे व्यापारियों और उपभोक्ताओं के हितों का भी ध्यान रखना होगा। ऐसी व्यवस्था बननी चाहिए, जिसमें भुगतान सेवाओं की लागत का संतुलित समाधान निकले और डिजिटल लेनदेन को अपनाने वाले लोगों पर अनावश्यक बोझ न पड़े।

डिजिटल भुगतान व्यवस्था की सफलता का आधार उसकी सरलता, भरोसे और व्यापक स्वीकार्यता में है। यदि अतिरिक्त शुल्क को लेकर व्यापारियों में अनिश्चितता बढ़ती है, तो इसका असर डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के प्रयासों पर भी पड़ सकता है। इसलिए सरकार और संबंधित संस्थाओं को निर्णय लेने से पहले व्यापारियों, बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के पक्षों पर विचार करना चाहिए। नियम स्पष्ट होने चाहिए और उन्हें लागू करने से पहले पर्याप्त जानकारी दी जानी चाहिए, ताकि कारोबारियों को अपनी लागत और भुगतान व्यवस्था की योजना बनाने में कठिनाई न हो।

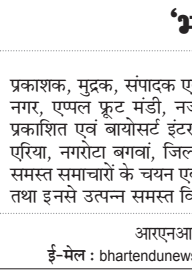
कुल मिलाकर, यूपीआई शुल्क संबंधी प्रस्ताव को दिवाली तक टालना व्यावहारिक और स्वागत योग्य कदम है। इससे त्योहारी सीजन में कारोबारियों को राहत मिलेगी और उपभोक्ताओं के लिए डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर अनिश्चितता कम होगी। अब जरूरी है कि दिवाली के बाद इस विषय पर ऐसा समाधान निकाला जाए, जो डिजिटल भुगतान प्रणाली की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के साथ छोटे व्यापारियों और आम नागरिकों के हितों की भी रक्षा करे।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

गेंद और बल्ले के धुरंधर

शार्दुल नरेंद्र ठाकुर का जन्म 16 अक्टूबर 1991 को हुआ था। वह भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेल चुके हैं और घरेलू क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करते हैं।



शार्दुल नरेंद्र ठाकुर
जन्म : 16 अक्टूबर 1991

इंडियन प्रीमियर लीग में वह मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं। दाएं हाथ से बल्लेबाजी करने वाले शार्दुल दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। वह वर्ष 2018 और 2023 में एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। अपने शुरुआती करियर में उन्हें कद और शारीरिक बनावट को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से टीम में जगह बनाई।

शार्दुल ने नवंबर 2012 में राजस्थान के खिलाफ जयपुर में रणजी ट्रॉफी मुकाबले से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। शुरुआती चार मैचों में वह केवल चार विकेट ले सके, लेकिन इसके बाद उनके प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ। वर्ष 2013-14 के रणजी सत्र में उन्होंने छह मैचों में 27 विकेट लिए। वर्ष 2014-15 में उनका प्रदर्शन और बेहतर रहा तथा उन्होंने दस मैचों में 48 विकेट हासिल किए। वर्ष 2014 में उन्होंने मुंबई की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में सूची ए क्रिकेट में पदार्पण किया। रणजी ट्रॉफी 2015-16 के फाइनल में सौराष्ट्र के खिलाफ उन्होंने आठ विकेट लेकर मुंबई को 41वां खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

शार्दुल को वर्ष 2016 में वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चुना गया था, हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने 31 अगस्त 2017 को श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। फरवरी 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहला मैच खेला। वर्ष 2018 की निदहास ट्रॉफी में श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने चार विकेट लेकर भारत को मैच में वापसी दिलाई और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए। अक्टूबर 2018 में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। शार्दुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक गाबा टेस्ट में पहली पारी में 67 रन बनाए और मैच में कुल सात विकेट हासिल किए। वर्ष 2021 में इंग्लैंड दौरे पर ओवल टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 36 गेंदों पर 57 रन और दूसरी पारी में 60 रन बनाए। गेंदबाजी में भी उन्होंने अहम विकेट लेकर भारत की जीत में योगदान दिया।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

घेपन घाट झील में स्थापित हुई भारत की पहली ग्लोफ अर्ली वार्निंग प्रणाली

4,100 मीटर ऊंचाई पर आधुनिक तकनीक से झील के जलस्तर की निगरानी

धनेश गौतम, कुल्लू। भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। हिमनद झीलों से उत्पन्न संभावित बाढ़ के खतरे को कम करने की दिशा में लाहौल-स्पीति ने अहम उपलब्धि हासिल की है। जिले की घेपन घाट हिमनद झील में भारत की पहली ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (ग्लोफ) प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित की गई है। समुद्र तल से करीब 4,100 मीटर की ऊंचाई पर स्थापित यह प्रणाली झील के जलस्तर और आसपास के पर्यावरणीय बदलावों की निगरानी करेगी। इसके साथ चंद्रा-चिनाब नदी क्षेत्र में उच्चतम बाढ़ स्तर (एचएफएल) चिह्नांकन का कार्य भी शत-प्रतिशत पूरा हो गया है।



सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) द्वारा विकसित यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वित्तपोषित पायलट परियोजना का हिस्सा है। इससे प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के जरिए संभावित खतरे का आकलन करने में आपदा प्रबंधन अधिकारियों को मदद मिलेगी।

झील का बढ़ता क्षेत्रफल बना चिंता का विषय: नवंबर 2023 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने झील का क्षेत्रफल बढ़ने की जानकारी जिला प्रशासन को दी थी। इसके बाद वैज्ञानिक अध्ययन, जोखिम आकलन और आपदा तैयारियों को तेज किया गया। उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष किरण भड़ाना ने भी प्रणाली स्थापित करने के लिए संबंधित एजेंसियों से समन्वय किया।

सेंसर से मिलेगी वास्तविक समय की जानकारी: प्रणाली में तैरते मंच पर आधारित निगरानी स्टेशन, स्वचालित मौसम स्टेशन और ग्लेशियर विजन यूनिट शामिल हैं। इनके सेंसर से प्राप्त आंकड़ों, दृश्य अवलोकनों और कंप्यूटेशनल मॉडलों का सी-डैक के सुपरकंप्यूटर प्लेटफॉर्म पर विश्लेषण किया जाएगा।

चंद्रा-चिनाब क्षेत्र में सुरक्षा तैयारियां मजबूत

इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर झील की स्थिति और संभावित ग्लोफ घटनाओं का आकलन किया जाएगा। प्रणाली में वास्तविक समय में आंकड़ों की निगरानी, निर्धारित मानकों के आधार पर अलर्ट जारी करने और संभावित बाढ़ के परिदृश्यों का अनुकरण करने की सुविधा भी है। चंद्रा-चिनाब नदी क्षेत्र में उच्चतम बाढ़ स्तर (एचएफएल) चिह्नांकन का कार्य पूरा होने से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और राहत-बचाव योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। जिला प्रशासन स्थानीय त्वरित प्रतिक्रिया दलों के गठन, सामुदायिक जागरूकता और प्रशिक्षण सहित अन्य एहतियाती उपायों पर भी काम कर रहा है। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र और प्रतिकूल मौसम की चुनौतियों के बीच विभिन्न विभागों और एजेंसियों के सहयोग से यह कार्य पूरा किया गया। यह प्रणाली भविष्य में अन्य संवेदनशील हिमनद झीलों में भी ऐसी तकनीक स्थापित करने के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

आईआईटी मंडी की ओशीन महाजन ने इंटर आईआईटी एक्वाटिक मीट में जीते तीन पदक



रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी की बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा और चंडीगढ़ निवासी ओशीन महाजन ने 40वीं इंटर-आईआईटी एक्वाटिक मीट 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते। आईआईटी खड़गपुर में आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया।

ओशीन ने महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, 100 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत और 50 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस वार्षिक प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के विद्यार्थी तैराकी सहित अन्य जलीय खेलों में भाग लेते हैं। आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने ओशीन को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता पूरे संस्थान के लिए गर्व का विषय है।

उनका प्रदर्शन अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है। संस्थान विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. तुषार जैन ने भी ओशीन की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि तीन पदक जीतना उनकी कड़ी मेहनत और लगन को दर्शाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल और अन्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता जताई। ओशीन की सफलता से आईआईटी मंडी की खेल उपलब्धियों को नई पहचान मिली है।

न्यूज ब्रीफ

कोटली रामलीला में राम, सीता और लक्ष्मण गये गंगा पार

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। कोटली में चल रही रामलीला की चौथी संध्या में राम, सीता और लक्ष्मण के वन गमन तथा गंगा पार करने के प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया। केवट की भूमिका में बलीभद्र और भरत बने नरेंद्र ने शानदार अभिनय कर तालियां बटोरीं। राजा दशरथ के वियोग के दृश्य ने दर्शकों को भावुक किया। मुख्य अतिथि सूबेदार मेजर रतन चंद्र घरवाली ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजन समिति ने अतिथियों को सम्मानित किया।

अवाहदेवी मंदिर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, मां का लिया आशीर्वाद

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने ऐतिहासिक माता अवाहदेवी मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी शीला धूमल भी उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। धूमल ने कहा कि माता अवाहदेवी मंदिर हिमाचल की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने प्राचीन धार्मिक स्थलों के संरक्षण, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने पर भी बल दिया।

प्रो. यूकी इमोटो ने कांगड़ा में विद्यार्थियों से जाना कार्यक्रम का अनुभव

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। सामाजिक, भावनात्मक एवं नैतिक शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए जापान की निदेशक प्रो. यूकी इमोटो ने कांगड़ा जिले के सक्कोह स्कूल, डाइट कांगड़ा और सिद्धबाड़ी स्कूल का दौरा किया। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद कर तनाव प्रबंधन, कृतज्ञता, आत्मचिंतन और भावनात्मक संतुलन से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी ली। प्रो. इमोटो ने विद्यार्थियों की सजगता और शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए भारत-जापान शैक्षणिक आदान-प्रदान को महत्वपूर्ण बताया।

'युवा बचाओ - भविष्य बचाओ' जागरूकता शिविर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति और मंडी साक्षरता व जन विकास समिति की धर्मपुर इकाई ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला और आईटीआई संधोल में 'युवा बचाओ-भविष्य बचाओ' अभियान के तहत जागरूकता शिविर आयोजित किया। समिति सचिव सुनीता बिष्ट ने अभियान की जानकारी दी। डॉ. बिना राठौर सहित अन्य वक्ताओं ने नशे के दुष्परिणाम बताए। विद्यार्थियों को गलत संगति से दूर रहने, सही निर्णय लेने, मानसिक मजबूती और संतुलित पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

धर्मशाला कॉलेज के रेड रिबन क्लब और रोवर्स एंड रेंजर्स यूनिट ने युवा संसद का किया आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय धर्मशाला के रेड रिबन क्लब और रोवर्स एंड रेंजर्स यूनिट ने द वेस्ट वॉरियर सोसाइटी की इकोलंपिक्स प्रतियोगिता के तहत युवा संसद का आयोजन किया। सत्र की अध्यक्षता रोहित कुमार ने की। इसमें पर्यावरण, स्वास्थ्य, सतत विकास, मृदा अपरदन, पर्यटन और कॉलेज से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर विद्यार्थियों ने सुझाव दिए। कार्यक्रम में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं और 10 से अधिक फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. आर.एस. गिल ने प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक चर्चा से समस्याओं का रचनात्मक समाधान निकल सकता है। संस्थान से जुड़े मुद्दे और महत्वपूर्ण सुझाव आवश्यक कार्रवाई के लिए कॉलेज तथा स्थानीय प्रशासन को भेजे गए। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. रीता देवी, डॉ. अतुल ठाकुर और डॉ. प्रियंका ने किया।

विधायक किशोरी लाल ने शहीद अक्षित शर्मा पार्क एवं पार्किंग का किया शिलान्यास

भारतेन्दु संवाददाता, बैजनाथ

विधायक किशोरी लाल ने वीरवार को नगर परिषद बैजनाथ-पपरोला की ओर से निर्मित किए जाने वाले शहीद अक्षित शर्मा पार्क एवं पार्किंग का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने शहीद अक्षित शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों का त्याग और समर्पण हमेशा देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।



किशोरी लाल ने कहा कि शहीद अक्षित शर्मा का बलिदान साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति का प्रतीक है। उनकी स्मृति में बनने वाला पार्क शहीद के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा भी देगा।

पार्क के साथ पार्किंग सुविधा विकसित होने से क्षेत्र के लोगों को भी लाभ मिलेगा। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र में भी विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने बताया कि बैजनाथ में इनडोर स्टेडियम का निर्माण प्रस्तावित है और इसका शिलान्यास जल्द किया जाएगा। स्टेडियम बनने से क्षेत्र के युवाओं को खेल गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और वे अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे। किशोरी लाल ने कहा कि उस्तेहड़ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन भी जल्द शुरू किया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को घर के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

रोटरी भवन पालमपुर में 19 अक्टूबर को होगा विशेष कार्यक्रम : त्रिलोक कपूर

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने बताया कि 19 अक्टूबर को रोटरी भवन, पालमपुर में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि 9 से 11 जून 1989 को इसी भवन में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक हुई थी, जिसमें अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया था। कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शांता कुमार उस बैठक की स्मृति में पट्टिका का अनावरण करेंगे। इसी अवसर पर रोटरी पालमपुर के संस्थापक डॉ. शिव कुमार की प्रतिमा का भी अनावरण किया जाएगा।



हिमाचल में चला मारकंडेय का डंडा भाजपा ने फिर अपनाया पुराना फंडा

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। लाहौल-स्पीति में पूर्व मंत्री डॉ. रामलाल मारकंडेय की राजनीतिक सक्रियता ने हिमाचल प्रदेश की सियासत में हलचल बढ़ा दी है। हाल ही में पंचायती राज चुनावों में भाजपा को जीत दिलाने में उनकी भूमिका के बाद उनकी पार्टी में वापसी की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा ने भी पुराने नेताओं को साथ जोड़ने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

इससे तीसरे मोर्चे के गठन की संभावनाओं को झटका लग सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने डॉ. मारकंडेय को दोबारा पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया है। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। मारकंडेय इन दिनों कांग्रेस और भाजपा से नाराज नेताओं को एकजुट कर तीसरा मोर्चा बनाने की तैयारी में जुटे हैं।

उन्होंने मार्च-अप्रैल में नई पार्टी के औपचारिक ऐलान की बात भी कही थी। प्रदेश के 12 में से 10 जिलों में मजबूत पकड़ बनाने और असंतुष्ट नेताओं को साथ जोड़ने के उनके दावों के बीच भाजपा की सक्रियता को अहम माना जा रहा है। वर्ष 2024 के लाहौल-स्पीति उपचुनाव में भाजपा ने कांग्रेस से आए रवि ठाकुर को टिकट दिया था। इस फैसले से नाराज होकर मारकंडेय ने निर्दलीय चुनाव लड़ा, जिसके बाद उन्हें भाजपा से निष्कासित कर दिया गया। चुनाव में उन्हें कम मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था।

पांवटा साहिब एलआईसी में 100 पदों के लिए 17 अक्तूबर को होगा कैंपस इंटरव्यू

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। एलआईसी ऑफ इंडिया की पांवटा साहिब शाखा में बीमा सखी और रूरल करियर एडवाइजर (अप्रेंटिस) के 100 पदों के लिए 17 अक्टूबर को कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी देविंद्र कुमार ने बताया कि साक्षात्कार सुबह 10:30 बजे सब-ऑफिस रोजगार एक्सचेंज, पांवटा साहिब में होगा। बीमा सखी के 50 पदों के लिए 10वीं पास 18 से 70 वर्ष आयु की महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। चयनित अभ्यर्थियों को पहले वर्ष 7,000, दूसरे वर्ष 6,000 और तीसरे वर्ष 5,000 रुपये प्रतिमाह के साथ 28 प्रतिशत प्रीमियम इंसेंटिव मिलेगा। रूरल करियर एडवाइजर के 50 पदों के लिए 18 से 35 वर्ष आयु के 10वीं पास महिला और पुरुष आवेदन कर सकते हैं। इसमें पहले वर्ष 5,000 और दूसरे वर्ष 4,000 रुपये प्रतिमाह के साथ प्रीमियम इंसेंटिव दिया जाएगा। अभ्यर्थी शैक्षणिक प्रमाणपत्र, हिमाचली प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते की प्रति और दो फोटो लेकर पहुंचें।

सराज में विश्व मानक दिवस पर गुणवत्ता मानकों के प्रति पंचायत प्रतिनिधियों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, गोहर/मंडी। विश्व मानक दिवस-2026 के अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), परवाणू शाखा कार्यालय की ओर से विकास खंड सराज के पंचायत प्रतिनिधियों के लिए पंचायत समिति सम्मेलन हॉल, जंजैहली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीआईएस परवाणू शाखा कार्यालय के प्रमुख एवं निदेशक, वैज्ञानिक-ई एससी नायक ने की। इसमें पंचायत समिति सदस्यों, ग्राम पंचायत प्रधानों और पंचायत सचिवों सहित लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को सार्वजनिक विकास कार्यों में गुणवत्ता मानकों के महत्व और उपभोक्ता संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान सरकारी निर्माण कार्यों में बीआईएस प्रमाणित उत्पादों के उपयोग और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सीमेंट, स्टील, बिजली के उपकरणों, पाइप और अन्य निर्माण



सराज में पंचायत प्रतिनिधियों को हॉलमार्किंग की जानकारी दी गई

सामग्री में आईएसआई मार्क वाले उत्पादों का इस्तेमाल सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई। साथ ही भारत सरकार की ओर से जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के बारे में भी बताया गया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिन उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य है, उन्हें बिना प्रमाणन के बेचना या उपयोग करना नियमानुसार दंडनीय हो सकता है। कार्यक्रम में सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग और हॉलमार्क विशिष्ट पहचान संख्या (एचयूआईडी) के महत्व पर भी जानकारी दी गई।

प्रतिभागियों को बताया गया कि इन माध्यमों से आभूषणों की शुद्धता और प्रामाणिकता की जांच की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, बीआईएस केयर ऐप का प्रदर्शन कर आईएसआई लाइसेंस और एचयूआईडी के सत्यापन की प्रक्रिया समझाई गई। ऐप के माध्यम से घटिया या नकली उत्पादों के संबंध में शिकायत दर्ज करने की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने में ग्राम पंचायतों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया।

सिरमौर में कांग्रेस पर बरसे भाजपा नेता मनीष चौहान लगाए गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनीष चौहान ने धौलाकुआं में मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस सरकार और केंद्रीय नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राजनीतिक लाभ के लिए धर्म और जाति के नाम पर लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद विकास कार्य ठप हो गए हैं। उन्होंने नाहन विधानसभा क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल के विधायक कार्यकाल में शुरू हुए विकास कार्यों को भी रोका जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की नीतियों के कारण जिले में विकास प्रभावित हुआ है। चौहान ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि खनन, शराब व वन माफिया सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस की गारंटियों से निराश है।

अभिलाषी विश्वविद्यालय में एग्रीवेट 2026 सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी

जलवायु अनुकूल कृषि और स्वस्थ पशुधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जुटे वैज्ञानिक

अभिलाषी विश्वविद्यालय, चैलचौक में तीन दिवसीय द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एग्रीवेट-2026 का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन का मुख्य विषय जलवायु अनुकूल कृषि, स्वस्थ पशुधन और सतत विकास रखा गया है। पहले दिन देश-विदेश के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों और प्रगतिशील किसानों सहित 570 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. हंसराज खन्ना, कुलपति प्रो. एचके चौधरी, साहस संस्था के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार और कुलसचिव डॉ. कपिल कपूर ने संयुक्त रूप से किया। कुलपति प्रो. चौधरी ने कहा कि पशुपालन के बिना कृषि अधूरी है। उन्होंने कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक कृषि पद्धतियां अपनाने और मृदा स्वास्थ्य की रक्षा करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ. खन्ना ने कहा कि जलवायु संकट के दौर में स्मार्ट खेती, मौसम के अनुकूल कृषि और स्वस्थ पशुधन प्रबंधन जरूरी हैं।

सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कृषि नवाचार, पशुधन स्वास्थ्य और सतत विकास से जुड़े शोध निष्कर्ष साझा किए। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. आरके अभिलाषी और प्रति-कुलाधिपति डॉ. एलके अभिलाषी ने आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए वैज्ञानिकों से व्यावहारिक समाधान विकसित करने का आग्रह किया।

डीसी कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर, उपायुक्त हेमराज बैरवा ने किया शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। आयुष विभाग की ओर से ऑस्टियोपोरोसिस एवं मस्कुलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत डीसी कार्यालय परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने शिविर का शुभारंभ किया। उपायुक्त ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच से बीमारियों की समय पर पहचान और रोकथाम में मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से योग और शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। शिविर में 205 लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इनमें 65 लोगों की बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) जांच की गई, जिनमें से 60 में ऑस्टियोपीनिया के संकेत मिले। उन्हें पौष्टिक आहार, नियमित योग और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार आवश्यक सप्लीमेंट लेने की सलाह दी गई।

ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ रही डीडीयूजीकेवाई योजना : पवन नैय्यर

हिमाचल में 16,413 युवाओं को मिला रोजगार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, कांगड़ा के तत्वावधान में वीरवार को जिला परिषद सभागार में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयूजीकेवाई) के तहत जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निदेशक पवन नैय्यर ने की। इसमें ग्रामीण युवाओं, स्वयं सहायता समूहों, पंचायत प्रतिनिधियों और प्रशिक्षण प्रदाता एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



पवन नैय्यर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक तंगी और रोजगार के सीमित अवसरों की समस्या दूर करने के लिए युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल प्रशिक्षण देना जरूरी है। योजना के माध्यम से ग्रामीण गरीब परिवारों के युवाओं को उनकी रुचि और बाजार की मांग के अनुसार प्रशिक्षण देकर रोजगार तथा आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सितंबर 2014 में शुरू हुई इस योजना के तहत देशभर में अब तक 18.47 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जबकि 12.43 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। नैय्यर ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में योजना के प्रथम चरण के तहत 22 हजार युवाओं का पंजीकरण हुआ। इनमें से 20,946 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और 16,413 को रोजगार मिला। इस उपलब्धि के साथ प्रदेश देश में पांचवें स्थान पर रहा। अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने पंचायत प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूहों से योजना का व्यापक प्रचार करने तथा पात्र युवाओं को प्रशिक्षण के लिए प्रेरित करने की अपील की।

कुल्लू के बंद्रोल स्थित कार्यालय में घुसकर 28.27 लाख रुपए छीनने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। कुल्लू। जिला कुल्लू के बंद्रोल स्थित एपीआईटीसीओ लिमिटेड के कार्यालय में हंगामा करने और 28 लाख 27 हजार 200 रुपये की नकदी छीनने का आरोप लगा है। कार्यालय की ओर से पुलिस थाना सदर कुल्लू में शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, शराब के अधिकृत विक्रेता ने मैसर्स पशुपति स्पिरिट्स एंड वाइन्स से करीब 30 लाख 63 हजार 263 रुपये की शराब खरीदी थी।

आबकारी शुल्क जमा करवाने लाई नकदी छीनी, शराब कंपनी के कर्मचारियों पर आरोप

भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से किया जाना था। आरोप है कि 11 अक्तूबर को कंपनी के प्रोपराइटर भरत राय ने फोन कर बकाया राशि मांगी। शिकायतकर्ता ने 12 अक्तूबर को भुगतान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद गाली-गलौज और धमकियां देने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि प्रोपराइटर ने अपने कर्मचारियों राजपाल, आशीष और गौरव को कार्यालय भेजा। वहां तत्काल नकद भुगतान की मांग को लेकर हंगामा हुआ। आरोप है कि दोपहर करीब 2:30 बजे आबकारी विभाग में शुल्क जमा करवाने के लिए नकदी लेकर पहुंचे एपीआईटीसीओ कर्मचारियों नरेश और शानू के साथ मारपीट कर रकम छीन ली गई। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

भपू और डाहकुलाड़ा पंचायतों के प्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों पर चर्चा

इंदौरा में 20 करोड़ से संवरेगा सड़कों का जाल: मलेंद्र राजन

अशोक ठाकुर , भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विधायक मलेंद्र राजन ने वीरवार को वन विश्राम गृह इंदौरा में ग्राम पंचायत भपू और डाहकुलाड़ा के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान पंचायतों की विकास संबंधी जरूरतों, सड़क निर्माण और स्थानीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं और आवश्यक विकास कार्यों से विधायक को अवगत करवाया।



इंदौरा में सड़क विकास कार्यों की समीक्षा करते विधायक मलेंद्र राजन।

विधायक ने उनकी बात सुनते हुए स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता देने और उन्हें गति प्रदान करने पर जोर दिया। मलेंद्र राजन ने कहा कि खाड़ी युद्ध के चलते कोलतार की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी से सड़क निर्माण कार्य प्रभावित हुए हैं। अब इंदौरा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के निर्माण और सुधार कार्य करवाए जाएंगे। इससे क्षेत्र के सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में बेहतर सड़क सुविधाओं की अहम भूमिका है।

सड़कों की स्थिति सुधरने से लोगों को आवागमन के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में भी सुविधा मिलेगी। विधायक ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि स्थानीय लोगों की समस्याओं और जरूरतों से सीधे जुड़े होते हैं। उनके सुझावों से विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति समझने और जरूरी कार्यों को प्राथमिकता देने में मदद मिलती है। उन्होंने प्रतिनिधियों से जनसमस्याओं और विकास संबंधी जरूरतों को लगातार सामने लाने का आग्रह किया। बैठक में भपू पंचायत के प्रधान प्रताप सिंह, उपप्रधान धर्मेंद्र, संदन शर्मा, प्रेम कुमार तथा डाहकुलाड़ा पंचायत की प्रधान सोनिया, उपप्रधान देवेंद्र, जोगिंदर, सुभाष कालरा, चंद्रमोहन और युद्धवीर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

गोतस्करी और एटीएम चोरी के मामलों में वांछित शाहिद पुलिस मुठभेड़ में ढेर

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। नूंह क्राइम ब्रांच की टीम ने गुरुवार को सोहना के सिलानी गांव के पास मुठभेड़ में वांछित आरोपित शाहिद उर्फ आडवाणी को मार गिराया। वह नूंह के तावडू क्षेत्र के खरखड़ी गांव का निवासी था। पुलिस गोतस्करी और एटीएम मशीन उखाड़ने के मामलों में उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस के अनुसार, क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि शाहिद गुरुग्राम की ओर आ रहा है। इसके बाद टीम ने उसका पीछा किया और सिलानी गांव के पास उसे घेर लिया। इसी दौरान पुलिस और आरोपित के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें शाहिद की मौत हो गई। शाहिद पर गोतस्करी के अलावा एटीएम मशीन उखाड़ने के मामलों में भी आरोप थे। वह वर्ष 2018 में गुरुग्राम क्राइम ब्रांच की हिरासत से फरार हो गया था। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पलवल में खुले नाले में गिरा स्कूटी सवार प्रशासन की लापरवाही से हादसा

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल। पलवल में प्रशासन की लापरवाही के चलते खुले नाले लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। न्यू सोहना रोड पर नागरिक अस्पताल के ठीक सामने बिना सुरक्षा दीवार वाले खुले नाले में एक स्कूटी सवार अचानक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। गनीमत रही कि स्कूटी सवार की जान बच गई, अन्यथा यह दुर्घटना जानलेवा साबित हो सकती थी। कुछ महीने पहले हथीन मोड़ पर हुए हादसे में एक युवक की जान चली गई थी। इसके बावजूद खुले नालों के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। नागरिक अस्पताल के सामने हुई इस घटना ने प्रशासन की लापरवाही और संवेदनहीनता को फिर उजागर किया है। स्थानीय लोगों में हादसे को लेकर आक्रोश है। लोगों की मांग है कि खुले नालों को ढका जाए और सुरक्षा दीवारें बनाई जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

प्रॉपर्टी आईडी की शिकायत पर कार्रवाई एक्सईएन ने तीन दिन में मांगा जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी में प्रॉपर्टी आईडी से जुड़ी समस्याओं को लेकर नगर परिषद के चेकर-मेकर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। शहर के लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए भी नगर परिषद के अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। चेकर-मेकर पर मनमानी के आरोप पहले भी लग चुके हैं। ताजा मामला शहर की नई आबादी की एक प्रॉपर्टी आईडी से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, चेकर-मेकर ने पहले इस आईडी को सही मानते हुए मंजूरी दे दी थी। बाद में उसी आईडी पर स्वामित्व संबंधी दस्तावेज स्पष्ट नहीं होने का हवाला देकर आपत्ति लगा दी। मामला डीएमसी प्रदीप अहलावत के संज्ञान में पहुंचने पर उन्होंने एक्सईएन अंकित वशिष्ठ को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद एक्सईएन ने चेकर-मेकर को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है।

जींद में पूर्व सरपंच ने इकलौते बेटे की पांच गोलियां मारकर की हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। हरियाणा के जींद में जमीन बेचने को लेकर हुए विवाद में पूर्व सरपंच ने अपने इकलौते बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पिता-पुत्र के बीच प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते पूर्व सरपंच ने बेटे पर गोलियां चला दीं। बताया जा रहा है कि बेटे को पांच गोलियां मारी गईं, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक ने चंडीगढ़ में सब इंस्पेक्टर (एसआई) की नौकरी छोड़ने के बाद होटल कारोबार शुरू किया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जींद के सिविल अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या के पीछे के कारणों और घटनाक्रम से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। घटना से गांव में शोक और तनाव का माहौल है।

हरियाणा में बारिश से जनजीवन प्रभावित पानीपत के बाजारों में तीन फीट तक भरा पानी

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। हरियाणा में गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ली और पानीपत, सोनीपत, अंबाला सहित 13 जिलों में तेज बारिश हुई। बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ और कई जगह जलभराव की स्थिति बन गई। पानीपत के चौड़ा बाजार समेत कई बाजारों में करीब तीन फीट तक पानी भर गया। सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। जीटी रोड पर जलभराव के कारण एक एंबुलेंस भी बंद हो गई। बारिश का असर मंडियों में भी देखने को मिला, जहां खुले में रखा धान और बाजरा भीग गया। इससे किसानों और आढ़तियों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, सिरसा में एक एडवोकेट के घर पर बिजली गिरने की घटना सामने आई। लगातार बारिश से हाईवे, बाजार और मंडियों में हालात प्रभावित हुए। मौसम के बदले मिजाज के कारण लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

मकान का कब्जा दिलाने पहुंची टीम को धमकी तहसीलदार की शिकायत पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत की रामनगर कॉलोनी में बैंक को मकान का कब्जा दिलाने पहुंची प्रशासनिक टीम और पुलिस कर्मचारियों को धमकाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मकान मालिक प्रदीप सिंह ने कब्जा कार्रवाई का विरोध किया, जिसके चलते टीम को बिना कार्रवाई किए लौटना पड़ा। मामले में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात तहसीलदार ने थाना पुराना औद्योगिक पुलिस को शिकायत दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रदीप सिंह के खिलाफ धारा 221, 224, 132 और 351(3) के तहत एफआईआर दर्ज की है। तहसीलदार के अनुसार, कब्जा दिलाने की कार्रवाई के दौरान प्रदीप सिंह ने विरोध करते हुए मकान का गेट अंदर से बंद कर लिया और टीम को कस्सी से हमला करने की धमकी दी। घटना के बाद प्रशासनिक कार्रवाई बाधित हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा सरकार की पहल, पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग पर जोर

10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर नियमों के तहत कार्रवाई होगी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए हरियाणा सरकार ने पुराने वाहनों को स्क्रैप कराने की पहल तेज की है। सरकार ने वाहन मालिकों से निर्धारित नियमों के अनुसार पुराने वाहनों के संबंध में जरूरी कार्रवाई करने की अपील की है। इसका उद्देश्य प्रदूषण कम करने के साथ पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 तक एनसीआर में 17.5 लाख से अधिक पुराने वाहन दर्ज किए गए थे। इनमें 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन शामिल हैं। ऐसे वाहनों के इस्तेमाल को लेकर लागू नियमों का पालन करना जरूरी है। नियमों के उल्लंघन पर संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। सरकार का मानना है कि पुराने वाहनों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाने में योगदान देता है। इसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। खासकर प्रदूषण बढ़ने के दौरान सांस संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा पुराने वाहनों का रखरखाव महंगा पड़ता है और उनकी तकनीकी स्थिति सड़क सुरक्षा के लिहाज से भी चिंता का विषय हो सकती है। सरकार ने वाहन मालिकों को पुराने वाहनों को स्क्रैप कराने के विकल्प पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया है। वाहन स्क्रैप कराने के बाद नए वाहन की खरीद पर मिलने वाली छूट का लाभ भी लिया जा सकता है। इससे पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाने तथा अपेक्षाकृत स्वच्छ वाहनों को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। एनसीआर में वाहनों की बढ़ती संख्या और प्रदूषण की समस्या को देखते हुए पुराने वाहनों से जुड़े नियमों का पालन महत्वपूर्ण हो गया है। वाहन मालिकों को अपने वाहन की उम्र, ईंधन के प्रकार और लागू नियमों की जानकारी लेकर ही सड़क पर वाहन चलाना चाहिए। हरियाणा सरकार की इस पहल का प्रमुख उद्देश्य पुराने वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करना और एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार करना है। हालांकि, वाहन मालिकों को किसी भी कार्रवाई से पहले अपने वाहन पर लागू नियमों और संबंधित विभाग के निर्देशों की पुष्टि करनी चाहिए। इसके साथ ही वाहन मालिकों को पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए अधिकृत केंद्रों की जानकारी लेने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की जरूरत है।

स्क्रैपिंग से पहले वाहन के जरूरी दस्तावेजों और स्वामित्व संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करना भी महत्वपूर्ण है। सरकार की ओर से नए वाहन की खरीद पर मिलने वाली छूट पुराने वाहन को स्क्रैप कराने के लिए प्रोत्साहन का काम कर सकती है। हालांकि, यह लाभ संबंधित नियमों और पात्रता शर्तों के अधीन होगा। एनसीआर में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए वाहन मालिकों की भागीदारी जरूरी है। पुराने वाहनों से जुड़े नियमों का पालन करने और स्वच्छ परिवहन को अपनाने से पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिल सकती है।

सीकर में हरियाणवी सिंगर मीता बरोदा गिरफ्तार प्रमोशन इवेंट में हंगामा

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। हरियाणवी सिंगर और एक्टर मीता बरोदा राजस्थान के सीकर में विवाद के बाद पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा। वह अपने गाने 'बहू बावली' के प्रमोशन के लिए सीकर पहुंचे थे। इस दौरान राजस्थानी सिंगर पूजा डोटासरा के समूह के लोगों के साथ उनका विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला बढ़ा और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हो गई। सूचना मिलने पर राजस्थान पुलिस मौके पर पहुंची और मीता बरोदा समेत दोनों पक्षों के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, होटल में बिना अनुमति प्रमोशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था, जिसमें कई इनफ्लुएंसर और यूट्यूबर्स पहुंचे थे। बताया गया कि विवाद इस बात पर शुरू हुआ कि दोनों में बड़ा कलाकार कौन है। मीता बरोदा ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि वह गाने के प्रमोशन के लिए गए थे और आयोजकों ने अनुमति नहीं ली थी।

रेवाड़ी-नारनौल में एआई से होगी शिकायतों की निगरानी

सफाई, पेयजल और लाइट से जुड़ी शिकायतों की होगी ऑनलाइन ट्रैकिंग

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी



उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल ने रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान और निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित 'सारथी' पोर्टल विकसित किया है। शुरुआती चरण में यह व्यवस्था रेवाड़ी और नारनौल रेलवे स्टेशनों पर लागू की जाएगी। इसके माध्यम से सफाई, पेयजल, लाइट और अन्य यात्री सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर नजर रखी जाएगी।

जयपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक भूपेश यादव ने गुरुवार को बताया कि इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्टेशन स्तर पर समस्याओं के निस्तारण की प्रक्रिया को तेज करना है। पोर्टल पर शिकायत दर्ज होते ही उसकी निगरानी शुरू हो जाएगी। प्रत्येक शिकायत के समाधान के लिए समय सीमा तय की जाएगी, ताकि संबंधित अधिकारी निर्धारित अवधि में कार्रवाई कर सकें। उन्होंने बताया कि यदि तय समय में शिकायत का समाधान नहीं होता है तो मामला स्वचालित रूप से उच्च अधिकारियों तक पहुंच जाएगा।

संबंधित अधिकारियों के मोबाइल फोन पर अलर्ट भी भेजा जाएगा। इससे शिकायतों के निस्तारण में होने वाली देरी का पता लगाने और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने में मदद मिलेगी। सारथी पोर्टल की व्यवस्था के तहत शिकायत का समाधान होने के बाद मौके पर उसका सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन के बाद ही शिकायत को बंद किया जा सकेगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि दर्ज की गई समस्या का वास्तव में समाधान हुआ है या नहीं।

इस प्रक्रिया से शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। पोर्टल का इंटेलिजेंस मॉड्यूल बार-बार सामने आने वाली समस्याओं, जोखिम वाले क्षेत्रों और शिकायतों के समाधान में होने वाली देरी के पैटर्न की पहचान करेगा। इस जानकारी के आधार पर रेलवे प्रशासन रखरखाव की योजना पहले से तैयार कर सकेगा।

कुरुक्षेत्र में ट्रांसफॉर्मर चोर गिरोह का खुलासा, 60 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में पुलिस ने ट्रांसफॉर्मर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के रहने वाले दो आरोपी पानीपत में ठिकाना बनाकर वारदातों को अंजाम देते थे। वे ट्रेन से कुरुक्षेत्र पहुंचते और करीब 30 मिनट में ट्रांसफॉर्मर खोलकर उसमें से तांबे की क्वाइल चोरी कर वापस लौट जाते थे। चोरी की गई क्वाइल को करीब 15 हजार रुपये में बेचने की बात सामने आई है। इस गिरोह का संचालन 60 वर्षीय यशपाल करता था। बताया गया है कि उसने जेल में रहते हुए अपनी टीम बनाई थी। कुरुक्षेत्र पुलिस ने आठ अक्टूबर को मुठभेड़ के बाद यशपाल को गिरफ्तार किया था। मुठभेड़ में घायल होने के बाद उसका इलाज एलएनजेपी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है और चोरी की वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

जीएसटी प्रक्रिया सरल करने के प्रस्तावों का उद्योग जगत ने किया स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। जीएसटी प्रक्रियाओं के सरलीकरण और कानूनी जटिलताओं में कमी से कारोबारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इससे उद्योगों की कार्यशील पूंजी में सुधार होगा और निवेश तथा कारोबार विस्तार को प्रोत्साहन मिल सकता है। आठ अक्टूबर को हुई जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में प्रस्तावित सुधारों का फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (एफआईआई) ने स्वागत किया



एआई चित्र।

- अभियोजन की सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव से कारोबारियों को राहत

संगठन ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व की सराहना की। एफआईआई हरियाणा के चेयरमैन विनोद बापना ने कहा कि जीएसटी मामलों में गिरफ्तारी और अभियोजन संबंधी प्रावधानों की समीक्षा महत्वपूर्ण कदम है। अभियोजन की मौद्रिक सीमा एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने के प्रस्ताव से कारोबारियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि सामान्य जुर्माने में कमी और प्रक्रियाओं के सरलीकरण से कर अनुपालन का बोझ घटेगा। कर वापसी में तेजी आने और अनावश्यक कानूनी उलझनें कम होने से कारोबारी अपनी कार्यशील पूंजी का बेहतर इस्तेमाल कर सकेंगे।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, मतदाता सूची से नाम हटवाने की प्रक्रिया सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

मतदाता सूची से किसी का नाम हटवाना अब पहले जितना आसान नहीं होगा। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के माध्यम से दर्ज कराई जाने वाली आपत्तियों की संख्या सीमित कर दी है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य बिना ठोस आधार के मनमाने ढंग से आपत्तियां दर्ज कराने और मतदाताओं के नाम हटवाने की कोशिशों पर रोक लगाना है।



निर्वाचन आयोग के इस फैसले से मतदाता सूची में नाम हटाने की प्रक्रिया पहले से अधिक सख्त होगी। अब कोई भी व्यक्ति बड़ी संख्या में आवेदन देकर मनमाने ढंग से मतदाताओं के नाम हटवाने की कोशिश नहीं कर सकेगा। आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में नाम हटाने की मांग उचित कारणों और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर ही की जाए। मतदाता सूची से किसी व्यक्ति का नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के जरिए आपत्ति दर्ज कराई जाती है। इसके माध्यम से संबंधित मतदाता का नाम सूची से हटाने की मांग की जा सकती है। आयोग ने इस प्रक्रिया के दुरुपयोग की आशंका को देखते हुए आवेदन की संख्या पर सीमा निर्धारित की है। इससे अनावश्यक आपत्तियों पर अंकुश लगाने और मतदाता सूची की विश्वसनीयता बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है। हरियाणा में मतदाता सूची से अब तक 34 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं। ऐसे में नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन आयोग के नए नियम महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। मतदाता सूची चुनाव प्रक्रिया का अहम हिस्सा होती है और इसमें सही जानकारी बनाए रखना जरूरी है।

नए प्रावधानों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी पात्र मतदाता का नाम अनुचित तरीके से सूची से न हटे। साथ ही, नाम हटाने के लिए आने वाली आपत्तियों की जांच निर्धारित नियमों के अनुसार की जा सके। आयोग के इस कदम से मतदाता सूची में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने पर जोर दिया गया है।इससे फर्जी आपत्तियों पर रोक लगेगी और पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

कृषि मंत्री ने मंडियों से धान का जल्द उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

मंडियों में धान की बेकद्री, बारिश ने बढ़ाई किसानों की टेंशन

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



हरियाणा के कई हिस्सों में गुरुवार को हुई तेज बारिश ने मंडियों में खुले में पड़े धान की सुरक्षा को लेकर किसानों की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश की मंडियों में करीब आठ लाख क्विंटल धान पड़ा हुआ है। बारिश के कारण कई जगहों पर धान भीग गया, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। ऐसे में मंडियों में रखी फसल को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती बन गया है।

धान की धीमी खरीद और उठान में देरी के कारण मंडियों में फसल का ढेर लगा हुआ है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते धान का उठान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में बारिश से नुकसान और बढ़ सकता है। खुले में रखे धान के भीगने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मंडियों में धान की खरीद और उठान की प्रक्रिया धीमी होने के विरोध में किसानों ने प्रदर्शन भी किया। किसानों ने मांग की कि मंडियों में खरीद प्रक्रिया तेज की जाए और खरीदे गए धान का जल्द उठान सुनिश्चित किया जाए।

उनका कहना है कि फसल बेचने के लिए मंडियों में पहुंचने के बाद भी लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। इस कारण उन्हें बारिश के बीच अपनी उपज की सुरक्षा को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से मंडियों में पर्याप्त व्यवस्था करने और खुले में रखे धान को बारिश से बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि धान की खरीद और उठान में तेजी लाकर ही संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है। मंडियों में धान जमा होने और बारिश से फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका के बीच कृषि मंत्री ने अधिकारियों को धान का जल्द उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार की ओर से उठान प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर दिया गया है, ताकि मंडियों में लंबे समय तक धान जमा न रहे।

मौसम विभाग की ओर से अगले दो दिनों के लिए जारी चेतावनी ने किसानों और मंडी प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि खरीद और उठान की प्रक्रिया कितनी तेजी से आगे बढ़ती है और मंडियों में खुले में रखी फसल को बारिश से बचाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं। बारिश से धान की गुणवत्ता प्रभावित होने और किसानों को आर्थिक नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

सोनीपत के फोम गोदाम में लगी भीषण आग, तीन श्रमिक गंभीर रूप से झुलसे

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत



सोनीपत के अकबरपुर बारोटा स्थित सफियाबाद रोड पर एक फोम गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ने देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के दौरान गोदाम में मौजूद कई श्रमिक आग की चपेट में आकर झुलस गए। इनमें से तीन श्रमिकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग की आठ गाड़ियों को आग बुझाने के काम में लगाया गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारण गोदाम में काफी नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, नुकसान का वास्तविक आकलन जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। आग बुझाने के बाद गोदाम में तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान वहां से दो कंकाल बरामद होने से मामला और गंभीर हो गया।

कंकाल मिलने की जानकारी सामने आने के बाद घटनास्थल पर सनसनी फैल गई। पुलिस अब पूरे मामले की जांच में जुटी है। कंकाल किसके हैं और वे गोदाम के भीतर किन परिस्थितियों में पहुंचे, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। अकबरपुर बारोटा के सफियाबाद रोड स्थित गोदाम में आग लगने की घटना के बाद पुलिस और संबंधित विभागों की जांच महत्वपूर्ण हो गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी जांच का विषय है कि आग किस समय लगी और उस दौरान गोदाम में कितने लोग मौजूद थे।

पुलिस घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। वहीं, आग में झुलसे तीन श्रमिकों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। गोदाम से दो कंकाल बरामद होने के बाद उनकी पहचान और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं का पता लगाना भी जांच का अहम हिस्सा होगा। अधिकारियों की जांच पूरी होने के बाद ही हादसे की वास्तविक परिस्थितियों और आग लगने के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

आधुनिकीकरण गैंगस्टर और आतंकियों के गठजोड़ को तोड़ने के लिए सरकार ने बढ़ाई सुरक्षा क्षमता

हरियाणा एटीएस को आधुनिक हथियार और बुलेटप्रूफ गाड़ियां मिलीं

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल



हरियाणा सरकार ने आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने और गैंगस्टर व आतंकियों के गठजोड़ को तोड़ने के लिए एंटी टेरेरिज्म स्क्वाड (एटीएस) को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश की एटीएस को आधुनिक हथियारों के साथ बख्तरबंद यानी बुलेटप्रूफ गाड़ियों से लैस किया गया है। इसके साथ ही एटीएस में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए सरकार ने उन्हें मूल वेतन पर 30 प्रतिशत विशेष भत्ता देने का फैसला लिया है।

सरकार के इस निर्णय से एटीएस में तैनात एक हजार से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। आतंकवाद और संगठित अपराध से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में एटीएस की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने और पुलिसकर्मियों को विशेष आर्थिक प्रोत्साहन देने के फैसले को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

हरियाणा सरकार ने एटीएस के अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष भत्ता देने के संबंध में आदेश जारी करने की प्रक्रिया पूरी कर दी है। गृह विभाग ने इस फैसले के बारे में लिखित आदेश जारी करते हुए पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजा है। इसके तहत पात्र अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके मूल वेतन पर 30 प्रतिशत विशेष भत्ता दिया जाएगा।

सरकार का उद्देश्य विशेष परिस्थितियों में काम करने वाले एटीएस कर्मियों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें बेहतर प्रोत्साहन देना है। आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों की जांच, संदिग्ध नेटवर्क पर निगरानी और खतरों से निपटने जैसे कार्यों में एटीएस की जिम्मेदारी अहम होती है। विशेष भत्ते से इस बल में तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा। आधुनिक हथियारों और बुलेटप्रूफ वाहनों से बढ़ेगी क्षमता एटीएस को आधुनिक हथियारों और बुलेटप्रूफ गाड़ियों से लैस करने का उद्देश्य आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाने की क्षमता को मजबूत करना है। बख्तरबंद वाहन संवेदनशील अभियानों के दौरान सुरक्षा उपलब्ध कराने में उपयोगी होते हैं।

आधुनिक हथियारों और बेहतर संसाधनों से लैस होने से एटीएस की कार्रवाई की तैयारियों को मजबूती मिलेगी। प्रदेश सरकार ने गैंगस्टर और आतंकियों के बीच संभावित गठजोड़ को तोड़ने के उद्देश्य से एटीएस का गठन किया था। ऐसे नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई करने के लिए पुलिस बल को आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षण की जरूरत होती है। सरकार की ओर से उपलब्ध कराए गए संसाधन इसी दिशा में महत्वपूर्ण हैं। एटीएस के कमांडो को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की तर्ज पर विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की भी जानकारी दी गई है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कमांडो की कार्यक्षमता और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की तैयारी को बेहतर बनाना है। आधुनिक हथियार, बुलेटप्रूफ वाहन, विशेष प्रशिक्षण और मूल वेतन पर 30 प्रतिशत भत्ता मिलने से हरियाणा एटीएस को मजबूत बनाने की कोशिश की जा रही है।

एनएसजी की तर्ज पर एटीएस कमांडो को प्रशिक्षण

इसके अलावा, एटीएस की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कमांडो की दक्षता बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। एनएसजी की तर्ज पर विशेष प्रशिक्षण मिलने से उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिलेगी। आधुनिक संसाधनों और प्रशिक्षण के साथ विशेष भत्ते का लाभ मिलने से एटीएस कर्मियों की कार्यक्षमता और मनोबल बढ़ाने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली में सेक्सटॉर्शन गिरोह का भंडाफोड़, सरगना समेत चार आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने मेवात क्षेत्र से संचालित एक संगठित सेक्सटॉर्शन गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के कथित सरगना इमरान खान समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह अश्लील वीडियो कॉल और ब्लैकमेलिंग के जरिए लोगों से लाखों रुपये की उगाही करता था। संयुक्त आयुक्त मधुर वर्मा के मुताबिक, शिकायतकर्ता मंजीत सिंह, जो एक गुरुद्वारे में सेवादार हैं, के व्हाट्सऐप पर पहले अश्लील वीडियो भेजा गया। इसके बाद आरोपियों ने गुरुग्राम पुलिस का अधिकारी और यूट्यूब का प्रतिनिधि बनकर उन्हें अलग-अलग कॉल किए। अश्लील वीडियो को लेकर पूछताछ के बहाने उन्हें डराया-धमकाया गया और कथित तौर पर पैसे ऐंठने की कोशिश की गई। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। मामले की शिकायत मिलने के बाद साइबर सेल ने जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अब गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों, वित्तीय लेन-देन और साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।

नोएडा में 1.76 लाख करोड़ के निवेश का क्या हुआ? 25 अक्टूबर से पहले देनी होगी रिपोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश शासन ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पिछले पांच वर्षों के दौरान निवेशक सम्मेलनों में हुए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) में शामिल परियोजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। संबंधित अधिकारियों को 25 अक्टूबर से पहले यह रिपोर्ट शासन को उपलब्ध करानी होगी। इस रिपोर्ट में करीब 1.76 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा। शासन यह जानना चाहता है कि निवेश के बड़े-बड़े दावों के बाद कितनी कंपनियां वास्तव में स्थापित हुईं और कितनी परियोजनाओं में उत्पादन या कारोबार शुरू हो चुका है।रिपोर्ट में परियोजनाओं की प्रगति के साथ उनसे पैदा हुए रोजगार के अवसरों का भी ब्योरा शामिल होगा। इससे यह स्पष्ट करने में मदद मिलेगी कि निवेश प्रस्तावों का जमीन पर कितना असर दिखाई दिया है।

रेवाड़ी अनाज मंडी में बारिश से भीगा सैकड़ों क्विंटल बाजरा, किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

एजेंसी, नई दिल्ली। रेवाड़ी शहर में बृहस्पतिवार को हुई तेज बारिश ने नई अनाज मंडी में किसानों की मुश्किलें बढ़ा दीं। बारिश के कारण मंडी में जलभराव हो गया, वहीं खुले में रखा सैकड़ों क्विंटल बाजरा भी भीग गया। इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। बाजरा बेचने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे किसानों की ट्रैक्टर-ट्रालियों में रखा अनाज भी बारिश की चपेट में आ गया। कई किसानों ने बाजरे को तिरपाल से ढककर बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बारिश के कारण उनका प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो सका। किसानों को खुले में रखे अनाज की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण अनाज की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो सकता है।



फरीदाबाद में देर रात बड़ा हादसा! कपड़ों की चार दुकानों में लगी भीषण आग

एजेंसी, नई दिल्ली। शहर की एनआईटी नंबर एक मार्केट में बुधवार रात शॉर्ट सर्किट के कारण कपड़ों की चार दुकानों में भीषण आग लग गई। हादसे में दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब 11 बजे फैशनो दुकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने आसपास की तीन अन्य कपड़ों की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठती देखकर बाजार में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद रात 12:30 बजे आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

खराब खाना देकर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते', जामिया मेस पर हाई कोर्ट की फटकार

जामिया हॉस्टल के खाने पर दिल्ली हाई कोर्ट सख्त, कहा- छात्रों के स्वास्थ्य से समझौता नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के हॉस्टल मेस में छात्रों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि छात्रों को खराब गुणवत्ता वाला भोजन देकर उनसे बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की उम्मीद नहीं की जा सकती। हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती।

जामिया मिलिया इस्लामिया के हॉस्टल मेस में खराब गुणवत्ता का भोजन परोसे जाने से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई के महत्व को रेखांकित किया। अदालत की टिप्पणी ने विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं और उनकी देखभाल से जुड़े सवालों को सामने ला दिया है। अदालत ने कहा कि हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए पौष्टिक और स्वच्छ भोजन बेहद जरूरी है। पढ़ाई के दौरान छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना होता है। ऐसे में यदि उन्हें उचित गुणवत्ता वाला भोजन नहीं मिलता, तो इसका असर उनकी सेहत और पढ़ाई पर पड़ सकता है।हॉस्टल मेस में भोजन की व्यवस्था केवल खाना उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी गुणवत्ता, पौष्टिकता और स्वच्छता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों को ऐसा भोजन मिलना चाहिए, जो उनके स्वास्थ्य और दैनिक जरूरतों के अनुरूप हो।



सांकेतिक तस्वीर एआई जनरेटेड

खराब भोजन से पेट संबंधी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए मेस में भोजन तैयार करने, उसे सुरक्षित रखने और परोसने तक साफ-सफाई के निर्धारित मानकों का पालन करना जरूरी है। अदालत की टिप्पणी से यह संदेश सामने आया है कि शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ उनकी बुनियादी जरूरतों का भी ध्यान रखना चाहिए। हॉस्टल में रहने वाले छात्र अपने दैनिक भोजन के लिए मेस पर निर्भर रहते हैं।

तिरंगा मार्च से पहले दिल्ली में कड़ी सुरक्षा, कनॉट प्लेस-जंतर-मंतर पर बढ़ी चौकसी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में 16 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से 'लहरा दो तिरंगा' मार्च निकाला जाएगा। प्रस्तावित मार्च को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके ने मार्च की घोषणा की है। संगठन के अनुसार, यह प्रदर्शन उसके सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के विरोध में आयोजित किया जाएगा।

मार्च शाम पांच बजे शुरू होना प्रस्तावित है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस संवेदनशील स्थानों पर जवान तैनात करेगी। प्रदर्शनकारियों की आवाजाही नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग भी की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, कनॉट प्लेस निर्धारित विरोध प्रदर्शन स्थल नहीं है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जंतर-मंतर को निर्धारित विरोध प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया गया है। अब प्रदर्शनकारी आवश्यक अनुमति मिलने के बाद रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और जीबीडी ग्राउंड में प्रदर्शन कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस का जोर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों की आवाजाही प्रभावित होने से रोकने पर है। मार्च के दौरान स्थिति पर नजर रखी जाएगी।



कांकोरोच जनता पार्टी के तिरंगा मार्च पर भारी सुरक्षा व्यवस्था

दिल्ली की रामलीला में हवा में दिखेगा युद्ध का रोमांच, सुरक्षा के भी होंगे पुख्ता इंतजाम

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली की मशहूर लव कुश रामलीला इस बार भी दर्शकों के लिए भव्य आयोजन और आधुनिक तकनीक का अनूठा अनुभव लेकर आ रही है। हर साल की तरह अक्टूबर में आयोजित होने वाली इस रामलीला को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह रहता है। इस बार आयोजन में आधुनिक तकनीक, आकर्षक दृश्य, हवा में युद्ध के रोमांचक दृश्य और बॉलीवुड कलाकारों की मौजूदगी प्रमुख आकर्षण होंगे। इस बार रामलीला के मंच को खास तरीके से तैयार करने की योजना है। लगभग 150 फीट के विशाल मंच पर भव्य मीनाक्षी मंदिर की झलक दर्शकों को देखने को मिलेगी।

मंच की सजावट और दृश्य प्रभावों के जरिए रामायण के प्रसंगों को अधिक जीवंत और आकर्षक बनाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजकों की कोशिश है कि दर्शकों को धार्मिक परंपरा के साथ आधुनिक मनोरंजन का भी अनुभव मिले। इसके लिए मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और तकनीकी प्रभावों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।



लव कुश रामलीला में इस बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के इस्तेमाल को खास महत्व दिया जा रहा है। आधुनिक दृश्य प्रभावों की मदद से युद्ध के दृश्यों और रामायण के प्रमुख प्रसंगों को अधिक प्रभावशाली बनाने की योजना है। हवा में युद्ध जैसे दृश्य दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बन सकते हैं। तकनीक के इस्तेमाल से मंच पर होने वाले घटनाक्रम को अधिक वास्तविक और रोमांचक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाएगा। रामलीला में बॉलीवुड कलाकारों की भागीदारी भी दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेगी। कलाकारों की प्रस्तुति और पारंपरिक रामलीला के मेल से आयोजन को भव्य रूप देने की तैयारी है। हर वर्ष दिल्ली की लव कुश रामलीला बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित करती है।

मेरठ समेत पश्चिमी यूपी में बेमौसम बारिश, 3 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

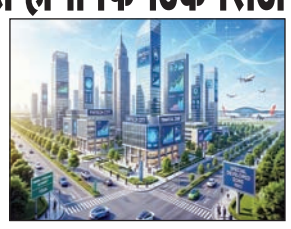
पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अक्टूबर महीने में एक बार फिर बेमौसम बारिश का दौर शुरू हो गया है। गुरुवार को मेरठ और आसपास के जिलों में बारिश होने से जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने शामली, सहारनपुर और मुजफ्फरनगर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की आशंका भी जताई गई है। अक्टूबर में हो रही बेमौसम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। इस समय धान की फसल खेतों में तैयार होने की स्थिति में है। ऐसे में बारिश और संभावित ओलावृष्टि से फसल को नुकसान पहुंच सकता है। इससे किसानों की मेहनत और उपज पर असर पड़ने की आशंका है। इससे पहले भी अक्टूबर में अच्छी बारिश के साथ कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि देखने को मिली थी। अब दोबारा मौसम बदलने से कृषि कार्य प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है।

जेवर के पास बदलेगी विकास की तस्वीर, 500 एकड़ में विकसित होगी फिनटेक सिटी

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में आर्थिक और तकनीकी विकास को नई गति देने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) फिनटेक सिटी विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को विशेष विकसित क्षेत्र घोषित कराने की तैयारी है। इसके लिए शासन के माध्यम से केंद्र सरकार के वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजने की योजना बनाई जा रही है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-11 में लगभग 500 एकड़ जमीन पर फिनटेक सिटी विकसित करने की योजना है।

इस परियोजना का उद्देश्य वित्तीय तकनीक, डिजिटल सेवाओं और आधुनिक वित्तीय संस्थानों से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देना है। नोएडा और जेवर क्षेत्र में विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के बीच यह परियोजना निवेश के नए अवसर पैदा कर सकती है।फिनटेक सिटी को विशेष विकसित क्षेत्र घोषित कराने का प्रस्ताव इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे परियोजना में केंद्रीय सुविधाओं और केंद्रीय विभागों के कार्यालय स्थापित करने का रास्ता खुल सकता है।



फिनटेक सिटी बनेगा विशेष विकसित क्षेत्र (एआई इमेज)

इससे वित्तीय सेवाओं से जुड़ी कंपनियों और संस्थानों को एक ही क्षेत्र में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। हालांकि, परियोजना को विशेष विकसित क्षेत्रका दर्जा मिलने और उससे संबंधित सुविधाओं की उपलब्धता केंद्र सरकार की मंजूरी तथा लागू नियमों पर निर्भर करेगी।

रेलवे में 27,622 से अधिक पदों पर बंपर भर्ती! 10 महीने में युवाओं को मिलेगा रोजगार

एजेंसी, नई दिल्ली



रेलवे में 27000 पदों पर बंपर भर्ती करेगा।

भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) आने वाले महीनों में बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान चलाने की तैयारी में है। इसके तहत सहायक लोको पायलट, तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर (जेई) और एनटीपीसी सहित सात अलग-अलग श्रेणियों में 27,622 से अधिक पदों पर भर्ती की योजना बताई जा रही है। इस अभियान से रेलवे में नौकरी पाने की उम्मीद कर रहे लाखों अभ्यर्थियों को लाभ मिल सकता है।रेलवे में कर्मचारियों की कमी दूर करने और रिक्त पदों को समय पर भरने के उद्देश्य से भर्ती प्रक्रिया को गति देने पर जोर दिया जा रहा है।

प्रस्तावित योजना के अनुसार, अगले 10 महीनों के भीतर विभिन्न श्रेणियों में भर्ती संबंधी गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें अधिसूचना जारी करने, आवेदन आमंत्रित करने, परीक्षाएं आयोजित करने और चयन प्रक्रिया पूरी करने जैसे चरण शामिल हो सकते हैं। हालांकि, प्रत्येक भर्ती की समय-सारणी संबंधित आधिकारिक अधिसूचना के आधार पर ही स्पष्ट होगी।रेलवे भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को अभी से अपनी पढ़ाई और परीक्षा की रणनीति मजबूत करनी चाहिए।

गणित, सामान्य बुद्धिमत्ता, सामान्य जागरूकता और संबंधित विषयों का नियमित अभ्यास उपयोगी रहेगा। उम्मीदवारों को अपने प्रमाणपत्र, शैक्षणिक दस्तावेज और अन्य आवश्यक कागजात भी तैयार रखने चाहिए। भर्ती से संबंधित पदों की संख्या, आवेदन की तारीख, आयु सीमा, शुल्क, परीक्षा पैटर्न और शैक्षणिक योग्यता की अंतिम जानकारी आधिकारिक अधिसूचना से ही मान्य होगी। अभ्यर्थी रेलवे भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट और संबंधित क्षेत्रीय आरआरबी वेबसाइटों पर नियमित रूप से अपडेट देखते रहें। यह भर्ती अभियान रेलवे में रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

आगरा में यूनिफॉर्म के लिए 1200 रुपये का इंतजार, पुरानी ड्रेस पहनकर स्कूल पहुंच रहे बच्चे

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा जिले के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म और अन्य जरूरी शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए मिलने वाली डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) राशि में देरी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शासन की योजना के तहत प्रत्येक विद्यार्थी के अभिभावक के बैंक खाते में 1,200 रुपये भेजे जाने की व्यवस्था है, लेकिन भुगतान प्रक्रिया पूरी नहीं होने से कई बच्चे निर्धारित यूनिफॉर्म के बिना ही स्कूल पहुंच रहे हैं। कुछ विद्यार्थियों को पुरानी और फटी ड्रेस पहनकर पढ़ाई करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

बेसिक शिक्षा विभाग की योजना के अनुसार, परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, स्वेटर, स्कूल बैग और स्टेशनरी जैसी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके लिए धनराशि सीधे अभिभावकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है। इसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराना और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ कम करना है। हालांकि, आगरा में सामने आए आंकड़ों के अनुसार, अब तक लगभग 60 प्रतिशत विद्यार्थियों को ही इस योजना का लाभ मिल पाया है। वहीं, करीब 30 प्रतिशत विद्यार्थियों की भुगतान प्रक्रिया अभी जारी है। इसके अलावा लगभग 10 प्रतिशत विद्यार्थी नॉन-सीडेड श्रेणी में दर्ज हैं।

इन विद्यार्थियों के अभिभावक भी खाते में सहायता राशि आने का इंतजार कर रहे हैं।डीबीटी राशि के भुगतान में देरी के पीछे आधार कार्ड और बैंक खाते से जुड़ी समस्याएं प्रमुख कारण बताई जा रही हैं। आधार सत्यापन, बैंक खाते की जानकारी और सीडिंग से संबंधित कमियों के कारण कुछ विद्यार्थियों का भुगतान अटका हुआ है।

दिल्ली में नंदू गैंग पर क्राइम ब्रांच का शिकंजा, 5 करोड़ की रंगदारी मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नजफगढ़ स्थित भावना मेडिकोज पर हुई फायरिंग और पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने इस मामले में गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के गिरोह से जुड़े छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि रंगदारी की मांग पूरी नहीं होने पर बदमाशों ने मेडिकल स्टोर को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की थी। इस कार्रवाई को राजधानी में संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, नजफगढ़ स्थित भावना मेडिकोज पर बदमाशों ने फायरिंग की थी। इस घटना के पीछे पांच करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग को प्रमुख वजह बताया जा रहा है। आरोप है कि रकम नहीं देने पर गैंग के सदस्यों ने मेडिकल स्टोर पर गोलीबारी कर दहशत फैलाने की कोशिश की। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू की। पुलिस ने घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपियों की भूमिका की पड़ताल करते हुए कार्रवाई की। जांच के दौरान गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के गिरोह से जुड़े छह संदिग्धों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में कथित शूटरों के अलावा बाइक चलाने वाले और हथियार उपलब्ध कराने में भूमिका निभाने वाले लोग भी शामिल हैं।



नजफगढ़ फायरिंग (एआई जेनरेटेड इमेज)

जांच एजेंसियों का मानना है कि इस तरह की वारदातों को अंजाम देने में गिरोह के सदस्य अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी से पुलिस को घटना की योजना, वारदात को अंजाम देने के तरीके और कथित आपराधिक नेटवर्क की जानकारी जुटाने में मदद मिल सकती है।

कुलेसरा के पास हिंडन नदी का पानी सबसे ज्यादा प्रदूषित, ऑक्सीजन की मात्रा बेहद कम

ग्रेटर नोएडा में हिंडन नदी बेहाल, जहरीले पानी से त्वचा रोग का बढ़ा खतरा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित प्रदर्शन को रोकने के लिए लगाई गई पाबंदियों के मामले में दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। पुलिस ने स्वीकार किया कि इस मामले में माफी मांगी जानी चाहिए, लेकिन साथ ही अपने कदमों को जरूरी बताते हुए कहा कि ये फैसले खुफिया सूचनाओं और जमीनी स्थिति के आकलन के आधार पर लिए गए थे। पुलिस के अनुसार, समय रहते एहतियाती कदम उठाकर राजधानी में कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को टालने का प्रयास किया गया था। सुप्रीम कोर्ट में दायर अवमानना मामले में अपना पक्ष रखते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने बिना शर्त माफी मांगी।

उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को प्रदर्शन के मद्देनजर उठाए गए कदमों का उद्देश्य सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना था। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है, इसलिए यहां की सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पुलिस की कार्रवाई का आकलन किया जाना चाहिए। पुलिस आयुक्त के मुताबिक, खुफिया सूचनाओं और मौके की परिस्थितियों के आधार पर एहतियाती कदम उठाए गए थे। पुलिस का कहना है कि इन उपायों के जरिए किसी बड़ी अप्रिय घटना और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति को रोकने की कोशिश की गई। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने हुई।



सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की शिकायत पर सुनवाई।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि प्रदर्शन को रोकने के लिए ऐसी संपूर्ण पाबंदियां नहीं लगाई जानी चाहिए, जिनसे आम लोगों को अनावश्यक परेशानी हो। अदालत ने मेट्रो और रेल सेवाओं को पूरी तरह बंद करने जैसे कदमों पर आपत्ति जताई थी। अदालत के निर्देश के बाद मेट्रो स्टेशनों के बंद किए गए गेटों की संख्या में कमी की गई। शुरुआत में दिल्ली के 57 मेट्रो स्टेशनों के गेट बंद करने का फैसला लिया गया था, जिसे बाद में घटाकर 45 कर दिया गया।

कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान किया था। पुलिस ने बिना अनुमति आयोजित किए जा रहे प्रदर्शन को रोकने के लिए कई तरह की पाबंदियां लगाईं। इसके तहत दिल्ली आने वाली दर्जनों ट्रेनों को रद्द कर दिया गया और कई मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए। इसके अलावा नई दिल्ली के लगभग चार किलोमीटर के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी बंद रहीं। इन प्रतिबंधों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

याचिका में लगाए गए प्रतिबंधों से आम नागरिकों को होने वाली परेशानियों का मुद्दा उठाया गया। इस मामले में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने भी सुप्रीम कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने अपने हलफनामे में बताया कि दिल्ली पुलिस की ओर से 10 अक्टूबर को रात 10 बजे तक एक दिन के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद करने का अनुरोध किया गया था। गृह सचिव के अनुसार, अनुरोध पर कानून के तहत विचार किया गया और राष्ट्रीय राजधानी में सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने से रोकने की जरूरत को देखते हुए इसे उचित पाया गया।

ग्रेटर नोएडा में दोस्ती का खौफनाक अंत, शराब के विवाद में युवक की हत्या

एजेंसी, नई दिल्ली



ईकोटेक-3 क्षेत्र में हत्या का मामला। [सांकेतिक तस्वीर]

नोएडा में ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र से हत्या का एक मामला सामने आया है। यहां शराब पीने के बाद हुए विवाद में एक युवक की उसके ही दोस्त ने कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित ने शव को लखनावली स्थित जंगल में फेंक दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले युवक को उसका दोस्त घर से बुलाकर अपने साथ ले गया था। दोनों ने साथ बैठकर शराब पी। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया।

विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपित दोस्त ने कथित तौर पर युवक का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपित ने शव को लखनावली के जंगल में फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपित दोस्त को हिरासत में लेकर मृतक के शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ईकोटेक-3 कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद ही हत्या के पीछे की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होने और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कैमरे में कैद हुई दरिंदगी: सीसीटीवी में भागेते दिखे आरोपी, पुलिस कर रही बदमाशों की तलाश

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी के दक्षिणी दिल्ली इलाके में अपराध की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां चार अज्ञात बदमाशों ने स्कूटर से जा रहे शाहिद नामक युवक की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक, जब शाहिद अपने स्कूटर पर सवार होकर जा रहा था, तभी रास्ते में चार हमलावरों ने उसे घेर लिया। अचानक हुए इस हमले से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह स्कूटर समेत सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि वारदात के वक्त आसपास काफी लोग मौजूद थे, लेकिन सब मूकदर्शक बने रहे और किसी ने भी आगे आकर पीड़ित की मदद करने की हिम्मत नहीं जुटाई। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी चारों हमलावर एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

न्यूज ब्रीफ

स्कूटर-छोटा हाथी की टक्कर, दो युवक घायल

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। जिला लाहौल-स्पीति के गोंधला पटवार सर्कल के अंतर्गत महल जगला में बुधवार शाम स्कूटर और छोटा हाथी वाहन के बीच टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटर सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों का क्षेत्रीय अस्पताल केलांग में उपचार चल रहा है। स्कूटर संख्या एचपी 66ए-1765 मनाली से केलांग की ओर जा रहा था, जबकि छोटा हाथी वाहन संख्या एचपी 66ए-8360 मनाली की तरफ जा रहा था। इसी दौरान महल जगला के पास दोनों वाहनों में टक्कर हो गई। हादसे में प्रशांत गौतम (27) निवासी गाजियाबाद के सिर में चोट आई, जबकि उसके साथी अंकित (24), निवासी गाजियाबाद के पैर में चोट लगी। घटना की सूचना गोंधला के पटवारी से मिली, जिसके बाद दोनों घायलों को क्षेत्रीय अस्पताल केलांग पहुंचाया गया। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र लाहौल-स्पीति के अनुसार, दोनों युवक अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

मंडी में घरेलू गैस सिलेंडर वितरण के नए केंद्र निर्धारित, अधिसूचना जारी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला दंडाधिकारी अपूर्व देवगन ने मंडी जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति के लिए नए निर्धारित केंद्रों और अतिरिक्त ढुलाई शुल्क संबंधी अधिसूचना जारी की है। इसमें 14.2, 10 और 5 किलोग्राम के गैस सिलेंडरों की वितरण दरें निर्धारित की गई हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले विभाग की अधिसूचना के अनुसार, मंडी, नेरचौक, कोटली, जोगिंद्रनगर, सरकाघाट, करसोग और पधर सहित विभिन्न क्षेत्रों में नए वितरण केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें टिक्कर कलां, सकरवाहण, बरनोटा, परोल, करमानी बस्ती, भुभू से चमाह और सेगली से भुराता जैसे क्षेत्र शामिल हैं। प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि सड़क सुविधा वाले क्षेत्रों को नए वितरण केंद्रों से जोड़ने के लिए सड़क की उपयुक्तता और दूरी संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्ताव सहित जिला नियंत्रक या संबंधित निरीक्षक कार्यालय में जमा करवाएं।

18 को कोटली सहित कई क्षेत्रों में बिजली बंद

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बिजली उपमंडल साईगलू के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में 18 अक्तूबर को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता विनीत कुमार ने बताया कि 33/22 केवी बिजली उपकेंद्र साईगलू के 22 केवी कोटली फीडर की मरम्मत और नए जीओ स्विच लगाने का कार्य किया जाएगा। इस कारण कोटली, सलेतर, सुराड़ी, सैण, डंढाहल, चोपड़ा, कड़कोह, लागधार, सताहण, ढलवाणी, बरनोटा, भरगांव, डवाहण, मंडोखर, ढुबल, कोट, कून, माहन और खलाणु सहित आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से कार्य के दौरान सहयोग बनाए रखने की अपील की है।

सरकाघाट को जिला बनाने की मांग प्रशासनिक व भौगोलिक दृष्टि से तर्कसंगत : डॉ. आजाद

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश प्रवक्ता डॉ. जय कुमार आजाद ने प्रदेश सरकार द्वारा प्रशासनिक आयोग के गठन का स्वागत करते हुए इसे दूरदर्शी और समय की मांग बताया। पत्रकार वार्ता में उन्होंने सरकाघाट को जिला बनाने की मांग का समर्थन किया। संघर्ष समिति के महासचिव डॉ. आजाद ने कहा कि सरकाघाट प्रदेश के बड़े राजस्व उपमंडलों में शामिल है। इसकी भौगोलिक स्थिति भी इसे जिला बनाने की मांग को तर्कसंगत बनाती है। इसका एक हिस्सा कांगड़ा और हमीरपुर जिलों के समीप है, जबकि दूसरा हिस्सा बिलासपुर जिले से सटा हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की कार्यक्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि सरकाघाट और धर्मपुर की जनता को राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर जिला बनाने की मांग का समर्थन करना चाहिए।

विद्यार्थियों को बताए मौलिक अधिकार व कर्तव्य



भारतेन्दु संवाददाता, राजपुर। गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय राजपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कांगड़ा के सहयोग से विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पालमपुर के अधिवक्ता क्षितिज कोरला ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को मौलिक अधिकारों, नागरिक कर्तव्यों, साइबर अपराधों तथा गिरफ्तारी की कानूनी प्रक्रिया की जानकारी दी। अधिवक्ता कोरला ने संविधान की प्रस्तावना और उसके मूल आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए नागरिकों से अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने का आग्रह किया। उन्होंने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत संपर्क करना चाहिए। संदिग्ध संदेशों और बैंक लेन-देन की प्रामाणिकता जांचने पर भी जोर दिया। महाविद्यालय के निदेशक एवं प्रधानाचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया। वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. ध्रुव देव शर्मा ने अधिवक्ता का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी अध्यापक उपस्थित रहे।

चोलथरा में 20 को मनाया जाएगा विजयादशमी उत्सव

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के टीहरा खंड की ओर से 20 अक्तूबर को चोलथरा में विजयादशमी उत्सव आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजकों ने स्वयंसेवकों, आचार्य बहनों, महिला मंडलों, युवक मंडलों और सामाजिक संगठनों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उत्सव का शुभारंभ सुबह 11 बजे होगा। दोपहर 12 बजे पथ संचलन निकाला जाएगा, जबकि दोपहर एक बजे भोजन की व्यवस्था रहेगी। स्वयंसेवकों से पूर्ण गणवेश में पहुंचने का आग्रह किया गया है। आयोजकों ने बताया कि उत्सव का उद्देश्य सामाजिक समरसता, संगठन, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना को बढ़ावा देना है।

प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर स्वच्छता का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। रवींद्रनाथ टैगोर राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से आयोजित दो दिवसीय स्वच्छता शिविर का समापन हुआ। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर और विभिन्न विभागों में सफाई अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने घास और झाड़ियों की कटाई करने के साथ फूलों की क्यारियों की सफाई की तथा प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर स्वच्छता का संदेश दिया। हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने भी स्वैच्छिक श्रमदान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरआर कौंडल ने कहा कि पाठ्येतर गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनसे टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पूर्व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन शर्मा, सहायक आचार्य प्रीति तथा हिंदी विभागाध्यक्ष सहायक आचार्य रीता देवी भी उपस्थित रहे।

कल भुंतर व शाड़ाबाई सहित कई क्षेत्रों में बिजली बंद

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। बिजली उपमंडल भुंतर के अंतर्गत 17 अक्तूबर 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता के अनुसार, भुंतर और शाड़ाबाई बिजली उपकेंद्रों में मरम्मत तथा बिजली फीडरों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई-छंटाई का कार्य किया जाएगा। इस दौरान भुंतर, शाड़ाबाई, मौहल, बजौरा, हाथीथान, शाट, कलहैली, दियार, जिया और गड़सा रोड सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी। इससे मुख्य बाजार भुंतर, औद्योगिक क्षेत्र शमशी, सब्जी मंडी और अन्य कई स्थान प्रभावित होंगे। खराब मौसम या तकनीकी कारणों से कार्य नहीं होने पर इसे अगले कार्य दिवस में किया जाएगा। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

सिद्धपुर में आज से राज्य स्तरीय छात्रा खेलकूद प्रतियोगिता

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिद्धपुर में 16 अक्तूबर 2026 को राज्य स्तरीय अंडर-19 छात्रा खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों की छात्राएं भाग लेंगी। यह आयोजन धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। इसके माध्यम से छात्राओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। धर्मपुर ब्लॉक कांग्रेस ने सभी पदाधिकारियों, अग्रिम संगठनों के जोन प्रभारी एवं सह-प्रभारी, पंचायत अध्यक्षों, बूथ अध्यक्षों, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारियों से कार्यक्रम में समय पर पहुंचने की अपील की है। साथ ही खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया गया है।

चुनाव नजदीक आते ही सरकार को याद आई नई गारंटियां : जयराम ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से जो गारंटियां और वादे किए थे। वे आज तक धरातल पर पूरे नहीं हो पाए हैं, लेकिन अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए अगले चुनावों से ठीक पहले ही अब नई-नई गारंटियों और घोषणाओं का ढोंग रचा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश सरकार को जनहित में वास्तव में नए प्रशासनिक जिलों का गठन करना ही था, तो यह कार्य अपने पांच साल के कार्यकाल की शुरुआत में ही कर देना चाहिए था। अब जबकि चुनावी वर्ष नजदीक आ चुका है, ऐसे में इस तरह के काल्पनिक और अव्यवहारिक निर्णय लेने के पीछे के असली मकसद को प्रदेश की जनता भली-भांति समझती है। जयराम ठाकुर ने प्रशासनिक और कानूनी पहलुओं का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि इस समय पूरे देश भर में जनगणना की महत्वपूर्ण प्रक्रिया चल रही है, जिसके चलते सभी प्रकार की प्रशासनिक और राजस्व सीमाओं को पूरी तरह से फ्रीज कर दिया गया है। ऐसी कानूनी स्थिति और संवैधानिक परिस्थितियों के बीच नए जिलों के पुनर्गठन या इसके लिए किसी आयोग के गठन का निर्णय लेना किसी भी दृष्टिकोण से समझ से परे है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक जिम्मेदार मुख्य विपक्षी दल होने के नाते इस पूरे विषय पर पार्टी संगठन के भीतर गहराई से चर्चा करेगी और उसके पश्चात ही आधिकारिक तौर पर अपनी आगामी राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्रतिक्रिया जनता के समक्ष रखेगी। नेता प्रतिपक्ष ने हालिया राजनीतिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हाल ही में संपन्न हुए पंचायत और नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों और झूठे दावों की पूरी तरह से पोल खुल चुकी है।

चार साल के शासन में हिमाचल की दुर्दशा की



जयराम ठाकुर ने कहा कि अब तो केवल प्रदेश की जनता ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की जाने-माने चेहरे और बॉलीवुड की प्रमुख पार्श्व गायिका सोना महापात्रा जैसी हस्तियां भी कांग्रेस नेतृत्व और मुख्यमंत्री के कामकाज का आकलन करने लगी है। उन्हें राज्य के असली विकास पर ध्यान केंद्रित करने की सीधी नसीहत दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सोना महापात्रा द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी और हिमाचल की जमीनी स्थिति पर की गई टिप्पणी पूरी तरह से सत्य और जमीनी हकीकत को दर्शाती है। जयराम ठाकुरने कहा कि पिछले लगभग चार वर्षों के शासनकाल में कांग्रेस सरकार ने इस खूबसूरत और शांत देवभूमि हिमाचल प्रदेश की जो दुर्दशा की है, वह बेहद दुखद और चिंताजनक है।

पंजाब में हड़ताल का हिमाचल की बस सेवाओं पर असर, धर्मशाला मंडल के 22 रूट प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पंजाब में चक्का जाम के चलते हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की अंतरराज्यीय बस सेवाएं प्रभावित हुई हैं। धर्मशाला मंडल के 22 बस रूटों को रद्द या सीमित कर दिया गया है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धर्मशाला मंडल के डीएम पंकज चड्ढा ने वीरवार को बताया कि सुरक्षा और व्यवस्था के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। इससे निगम का 5,540 किलोमीटर से अधिक का बस संचालन प्रभावित हुआ है। धर्मशाला डिपो की 11 सेवाएं प्रभावित हुई हैं। चंडीगढ़ जाने वाली वोल्वो बस को ऊना तक सीमित किया गया है। पालमपुर से पठानकोट, चंडीगढ़ और अमृतसर की सीधी बसें रद्द हैं। वहीं, बैजनाथ, नगरोटा बगवां और जोगिंदर नगर डिपो की कई सेवाएं भी सीमित कर दी गई हैं। चंबा यूनिट की बस सेवाएं अप्रभावित हैं। निगम प्रबंधन स्थिति पर नजर रखे हुए है और हालात सामान्य होने पर सेवाएं बहाल की जाएंगी।

कांगड़ा में सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से लोगों को सूर्य घर योजना के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड लिमिटेड के ऑपरेशन सर्कल कांगड़ा द्वारा 13 से 15 अक्तूबर तक आयोजित सेवा सेतु शिविरों में लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रति जागरूक किया गया। शिविरों में बिजली बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों ने घरेलू उपभोक्ताओं को छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने, सरकारी अनुदान, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। बताया गया कि योजना से बिजली बिल कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। उपभोक्ताओं को आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने की सलाह भी दी गई। शिविरों में शामिल नहीं हो सके लोगों तक जानकारी पहुंचाने के लिए समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाया गया। वरिष्ठ अधिशाषी अभियंता इंजीनियर आदर्श भारद्वाज सहित बिजली बोर्ड के अधिकारियों ने पंचायत प्रतिनिधियों, जागरूक नागरिकों और मीडिया सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पात्र परिवारों से योजना का लाभ उठाने की अपील की।

गांव-गांव तक पहुंचेगा क्षय रोग जागरूकता अभियान, पंचायतों को जोड़ने पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला कांगड़ा में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए जोनल अस्पताल धर्मशाला में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओमेश भारती की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले को क्षय रोग मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों, उपलब्धियों और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. आरके सूद ने कार्यक्रम की प्रगति और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की जानकारी दी। बैठक में भारत सरकार द्वारा आठ अक्तूबर को शुरू किए गए स्वास्थ्य संयुक्त दल अभियान पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत सभी विकास खंडों में अधिकारियों के नेतृत्व में दल गठित करने और उनका पंजीकरण करने पर विचार किया गया। अभियान में राष्ट्रीय कैडेट कोर के विद्यार्थियों और युवा स्वयंसेवकों को भी शामिल किया जाएगा। ये दल विद्यालयों, गांवों, पंचायतों और समुदायों में जाकर लोगों को क्षय रोग के लक्षणों, समय पर जांच, उपचार तथा बचाव के प्रति जागरूक करेंगे। साथ ही क्षय रोग मुक्त पंचायत पहल को बढ़ावा देने में भी सहयोग देंगे। बैठक में आयुष्मान आरोग्य शिविरों की समीक्षा करते हुए आगामी माह के शिविरों की



योजना बनाने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच और उपचार पूरा करवाने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अतिरिक्त क्षय रोग मुक्त पंचायत पहल, जरूरत के अनुसार उपचार, नि-क्षय मित्र योजना, क्षय रोग निवारण और सामुदायिक भागीदारी पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, युवा स्वयंसेवकों, पंचायतों और सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से क्षय रोग उन्मूलन अभियान को प्रभावी बनाया जा सकता है। बैठक में स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम कटोच, ध्रुव डोगरा, अवतार सिंह, डॉ. निकेत, सुनील सविता, डॉ. श्रुति सहित विभिन्न विकास खंडों के चिकित्सा अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता से लौट रहे हमीरपुर के छात्र की मौत, आज होगा अंतिम संस्कार

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। ग्राम पंचायत जंगल रोपा के बकारटी गांव निवासी 17 वर्षीय आयुष कौंडल की सड़क हादसे में मौत से क्षेत्र में शोक की लहर है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला नाल्टी में जमा दो का छात्र आयुष राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने कुपवी गया था। प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद बस से घर लौटते समय कुपवी से कुछ किलोमीटर दूर उसका सिर सड़क किनारे लगे खंभे से टकरा गया। गंभीर हालत में उसे सिविल अस्पताल कुपवी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बुधवार को पोस्टमार्टम करवाया गया, जिसकी रिपोर्ट आनी बाकी है। आयुष अपने परिवार का इकलौता बेटा और अच्छा वालीबॉल खिलाड़ी था। प्रशासन ने परिजनों को 25 हजार रुपए की फौरी राहत दी है। पंचायत प्रधान करतार चंद के अनुसार, आयुष का अंतिम संस्कार आज किया जाएगा।

बद्धाघाट में 3.5 करोड़ से बनेगा फुटबॉल मैदान : राजेश धर्माणी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। तकनीकी शिक्षा, नगर व ग्राम नियोजन मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि घुमारवीं के बद्धाघाट में 3.5 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक फुटबॉल मैदान का निर्माण किया जा रहा है। इससे क्षेत्र के युवाओं को बेहतरीन खेल सुविधाएं मिलेंगी और स्थानीय खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलेगा। वे वीरवार को राजकीय उच्च पाठशाला चुवाड़ी और टकरेड़ा में विद्यार्थियों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे।



संवाद के दौरान छात्रों की मांग पर मंत्री ने प्रशासन को विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय कुल्लू-मनाली शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करने के निर्देश दिए। इस भ्रमण के तहत बच्चों को अटल टनल सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों का दौरा करवाया जाएगा और माउंटेन एडवेंचर गतिविधियों से भी जोड़ा जाएगा, ताकि उन्हें व्यावहारिक ज्ञान मिल सके। धर्माणी ने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, रोल मॉडल चुनने और समय प्रबंधन के साथ अनुशासित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्र केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि नवाचार, कौशल विकास और खेलकूद में भी भाग लें। अच्छे स्वास्थ्य के लिए उन्होंने छात्रों को नियमित व्यायाम व मेडिटेशन करने, पौष्टिक आहार लेने और फास्ट फूड व पैकेटबंद भोजन से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही, सामान्य ज्ञान बढ़ाने के लिए रोजाना अखबार पढ़ने की आदत डालने को कहा। उन्होंने शिक्षकों को स्कूलों में 'कम्युनिकेशन क्लब' स्थापित करने के निर्देश दिए, जिससे बच्चों में मंच पर बोलने का आत्मविश्वास हो सके।

खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के लिए आवेदन आमंत्रित, 10 लाख तक अनुदान

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला कांगड़ा में युवाओं, महिलाओं और किसानों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकरण योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ओम प्रकाश जरयाल ने बताया कि योजना के तहत नई इकाइयां स्थापित करने और पुरानी इकाइयों के उन्नयन के लिए परियोजना लागत पर 35 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। प्रति इकाई अधिकतम 10 लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है। लाभार्थी को 10 प्रतिशत राशि स्वयं वहन करनी होगी, जबकि शेष राशि बैंक ऋण से उपलब्ध होगी। योजना के तहत बेकरी, आटा चक्की, मसाला, दुग्ध उत्पाद, अचार, जैम और अन्य खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की जा सकती हैं। आवेदन आधिकारिक पोर्टल pmfme.mofpi.gov.in पर किए जा सकते हैं।

दिल्ली में गूंजा कुल्लू दशहरा का नाम, 12 देशों ने भागीदारी की पुष्टि की

21 से 27 अक्तूबर तक सजेगा उत्सव, ग्लोबल डांस, ड्रोन और लेजर शो रहेंगे मुख्य आकर्षण

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और देव परंपराओं के प्रतीक अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए नई दिल्ली में पूर्वावलोकन समारोह आयोजित किया गया।



अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष सात दिवसीय उत्सव 21 से 27 अक्तूबर, 2026 तक कुल्लू में आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता 21 अक्तूबर को उत्सव का शुभारंभ करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री सुक्खू समापन समारोह की अध्यक्षता करेंगे। सुंदर ने कहा कि इस वर्ष कुल्लू दशहरा में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। थाईलैंड, मिस्र, उज्बेकिस्तान, रूस, कजाकिस्तान और अमेरिका सहित लगभग 12 देशों ने उत्सव में भागीदारी की पुष्टि कर दी है, जबकि कुल 24 देशों के शामिल होने की उम्मीद है। विभिन्न देशों के कलाकार अपनी पारंपरिक नृत्य शैलियों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक लोकनृत्य भी उत्सव की रौनक बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय नृत्य शैलियों के संगम पर आधारित ग्लोबल डांस कार्यक्रम इस बार के उत्सव का प्रमुख आकर्षण होगा। इसके अतिरिक्त ड्रोन और लेजर शो भी दर्शकों को आकर्षित करेंगे। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद इस आयोजन की सांस्कृतिक भागीदार है, जबकि उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र और दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहयोग दे रहे हैं।

स्थानीय खेल प्रतियोगिताएं और नशा मुक्ति अभियान भी होंगे आकर्षण

सुंदर ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार उत्सव को और भव्य बनाने के लिए कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारने के साथ इसके विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सात दिवसीय आयोजन के दौरान विभिन्न विभागों और संस्थानों की ओर से स्टॉल लगाए जाएंगे। स्थानीय खेल प्रतियोगिताओं के साथ नशा मुक्ति अभियान भी उत्सव की प्रमुख गतिविधियों में शामिल रहेंगे।

देशभर के लोगों को कुल्लू आने का न्योता

विधायक ने कहा कि नई दिल्ली में पूर्वावलोकन समारोह आयोजित करने का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा का व्यापक प्रचार-प्रसार करना और देशभर के लोगों को इस उत्सव से जोड़ना है। यह आयोजन हिमाचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच प्रदान करने के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा देता है। उत्सव में आने वाले पर्यटक विभिन्न देशों के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने के अलावा हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्रों और अन्य स्थानीय उत्पादों की खरीदारी भी कर सकेंगे। विधायक ने देशभर के लोगों को अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में शामिल होने और कुल्लू की देव संस्कृति, लोक परंपराओं तथा सांस्कृतिक विविधता का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया।

346 देवी-देवताओं को भेजे निमंत्रण

विधायक ने कहा कि कुल्लू दशहरा की ऐतिहासिक परंपरा 17वीं शताब्दी से जुड़ी हुई है। कुल्लू को देवभूमि के रूप में जाना जाता है और यहां के देवी-देवताओं की परंपरा इस उत्सव की विशिष्ट पहचान है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के आयोजन में भाग लेने के लिए अब तक 346 स्थानीय देवी-देवताओं को निमंत्रण भेजे जा चुके हैं। उत्सव का आयोजन पारंपरिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

तनाव, चिंता के लक्षणों को नजरअंदाज न करें

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में एमसीएच अर्की में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं सहित अन्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और मानसिक समस्याओं के समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुक्ता रस्तोगी के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान सिविल अस्पताल अर्की के एचआईवी परामर्श एवं परीक्षण सेवाओं के काउंसलर डॉ. विजय कुमार शांडिल ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान भावनात्मक बदलाव सामान्य हैं। ऐसे में परिवार का सहयोग, पर्याप्त नींद, पौष्टिक आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच आवश्यक हैं। लगातार उदासी, चिंता या नींद संबंधी परेशानी होने पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों से परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने मानसिक बीमारियों से जुड़े सामाजिक भेदभाव और भ्रांतियों को दूर करने तथा जरूरतमंद लोगों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने का आह्वान किया।

बज्रेश्वरी मंदिर में 6200 श्रद्धालुओं ने किए दर्शन



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। शक्तिपीठ माता श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर में शारदीय नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। मंदिर अधिकारी प्रकाश चंद के अनुसार, पांचवें नवरात्र पर करीब 6200 श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में शीश नवाया। वहीं, चौथे नवरात्र पर मंदिर में 4,73,390 रुपए का चढ़ावा चढ़ाया गया। नवरात्र के दौरान विश्व मानव रूहानी केंद्र की ओर से मंदिर परिसर में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है। अब तक करीब 2400 श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित की जा चुकी हैं। मंदिर अधिकारी ने बताया कि एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजलि गर्ग के दिशा-निर्देशों के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारू दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मंदिर प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है।

डीआईजी ने शक्तिपीठों में सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा



भारतेन्दु संवाददाता, ज्वालामुखी। शारदीय नवरात्र के दौरान डीआईजी सौम्या सांबसिवन ने कांगड़ा और ऊना जिले के प्रमुख शक्तिपीठों का दौरा कर माता के दर्शन किए तथा पुलिस व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने चिंतपूर्णी, ज्वालामुखी, बगलामुखी, बज्रेश्वरी देवी व चामुंडा मंदिरों में सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। ज्वालामुखी मंदिर पहुंचने पर मंदिर के कुल पुरोहित कपिल मुनि ने पंचमी नवरात्र के अवसर पर पूजा-अर्चना करवाई। इस दौरान डीआईजी ने मां ज्वाला का आशीर्वाद प्राप्त किया। आगामी सप्तमी और अष्टमी नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रबंधन को दुरुस्त रखने के उद्देश्य से इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर मंदिर अधिकारी अजय मंडयाल, डीएसपी संजय शर्मा और एसएचओ संदीप पटियाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आरकेएस कर्मियों को नियमानुसार वेतन व सुविधाएं दें

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने वीरवार को झंडूता, बरठीं और शाहतलाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की रोगी कल्याण समिति की बैठकों में भाग लिया। बैठकें एसडीएम अर्शिया शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गईं। इस दौरान विधायक ने आरकेएस कर्मचारियों को नियमानुसार वेतन और सुविधाएं देने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं आम लोगों के जीवन और सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हैं। अस्पतालों में मरीजों को समय पर उपचार, स्वच्छ वातावरण और सम्मानजनक व्यवहार मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों, सफाई, पेयजल और मरीजों के बैठने की व्यवस्था की निय

न्यूज ब्रीफ

नूरपुर में सीआईए टीम ने पकड़ी 32.57 ग्राम चिट्टे की खेप, दो तस्कर गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए टीम ने दो युवकों को 32.57 ग्राम चिट्टे की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना नूरपुर में दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है। सीआईए टीम ने वीरवार तड़के कार्रवाई करते नूरपुर पुलिस थाना के तहत नागनी माता मंदिर, कंडवाल के समीप सड़क किनारे खड़े दो लोगों को शक के आधार पर रोककर उनकी तलाशी ली तो पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्तियों के कब्जे से 32.57 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास (24 वर्ष), निवासी जिला कांगड़ा तथा राकेश ठाकुर (36 वर्ष), निवासी जिला मंडी के रूप में हुई है। एएसपी नूरपुर ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना नूरपुर में मामला दर्ज कर आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि इन दोनों ने यह चिट्टा कहां से लाया तथा इसे किसे बेचने वाले थे।

जोगिंद्रनगर बस डिपो के लिए 15 नई बसों की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर बस डिपो में बसों की कमी, कर्मचारियों के रिक्त पदों और प्रभावित बस मार्गों का मुद्दा उठाते हुए भाजपा मंडल ने प्रदेश सरकार से परिवहन व्यवस्था में सुधार की मांग की है। भाजपा मंडल प्रवक्ता रविंद्र शर्मा ने बताया कि डिपो में उपलब्ध लगभग 51 बसों में से छह खराब हैं, जबकि करीब 10 बसें कलपुर्जों की कमी के कारण खड़ी हैं। इसके अलावा, तकनीकी कर्मचारियों के लगभग 15 और चालकों के 15 पद रिक्त होने से भी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा ने डिपो को लगभग 15 नई बसें उपलब्ध करवाने, रिक्त पद भरने और खराब बसों को दुरुस्त करने की मांग की। उन्होंने डोहग में प्रस्तावित बस डिपो के निर्माण के लिए बजट उपलब्ध करवाने पर भी जोर दिया। रविंद्र शर्मा ने जोगिंद्रनगर-मंडी और जोगिंद्रनगर-गलमाठा मार्गों पर बस सेवा बहाल करने तथा दिल्ली के लिए वोल्वो बस सेवा दोबारा शुरू करने की मांग उठाई। उन्होंने शिमला, चंडीगढ़ और हरिद्वार के लिए सीधी बस सेवाएं शुरू करने तथा विद्युत चालित बसें उपलब्ध करवाने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि विधायक प्रकाश राणा भी डिपो की समस्याओं का मुद्दा उठा चुके हैं।

विद्यार्थियों को बताए रोजगार के नए अवसर



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय महाविद्यालय अर्की में दिल्ली स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन की टीम ने विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कॉमर्स एवं आर्ट्स संकाय के विद्यार्थियों को विज्ञापन एवं मनोरंजन प्रबंधन, जनसंपर्क, पत्रकारिता, मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने की संभावनाओं से अवगत करवाया गया। महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर एवं मीडिया प्रभारी डॉ. राजन तनवर ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान डिजिटल प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों तथा पोस्टर के माध्यम से रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थी और संकाय सदस्य शामिल हुए। प्राचार्य डॉ. मस्तराम ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरियों के साथ निजी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नए कौशल सीखने और बदलते समय के अनुरूप करियर विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया। अंत में उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन की टीम का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया।

पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में जीते 40 पदक

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। माउंट मौर्या इंटरनेशनल स्कूल में 10 और 11 अक्तूबर को आठवीं जिला स्तरीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिमाचल प्रदेश पेंचक सिलाट एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला मंडी पेंचक सिलाट एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में माउंट मौर्या इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 स्वर्ण, 11 रजत और पांच कांस्य पदक जीते। विद्यालय प्रबंधन ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वर्ण पदक विजेताओं में अव्याकृता, मानवी, काशवी, अन्वी, अनन्या, अयाना, इरा, राधिका, श्रेया, अनाया, सात्विक, ईशान, सार्थक, विहान, अद्विका, अनय, अद्विक राजपूत, शिवांश, विराज, निमित, कुणाल, आयांश, उद्यान्श और स्वास्तिक शामिल रहे। रजत पदक विजेताओं में प्रिशा, एरिशा, आराध्या, अवनी, उर्वांशि, सूर्या, अद्वित, विहान, प्रणवी, अनन्या और रिशांत शामिल रहे। कांस्य पदक पहल, अगम, ईशान, आर्शिका और अक्षिता ने जीते।

नए जिलों की घोषणा जनता को गुमराह करने का प्रयास : पंकज जम्वाल

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पंकज जम्वाल ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दस गारंटियों की विफलता से घबराई सरकार अब नए जिलों के गठन का मुद्दा उठाकर जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे पूरे करने में सरकार विफल रही है। अब चुनाव नजदीक आते ही नए जिलों और आयोग के गठन की चर्चा शुरू कर जनता में झूठी उम्मीदें जगाई जा रही हैं। पंकज जम्वाल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के लगातार दिल्ली दौरों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को दिल्ली के बजाय प्रदेश के विकास, आर्थिक स्थिति और जनसमस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार जनहित के मुद्दों से ध्यान भटका रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सरकार की वादाखिलाफी और नाकामियों का जवाब आने वाले समय में देगी।

मरीजों की सुविधा के लिए सेवा भारती ने एम्स बिलासपुर को भेंट कीं पांच व्हीलचेयर



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सेवा भारती संस्था ने मरीजों की सुविधा के लिए एम्स बिलासपुर को पांच व्हीलचेयर भेंट कीं। संस्था के जिला महासचिव अमृत महाजन ने बताया कि अस्पताल में असहाय और गंभीर मरीजों को आवागमन में परेशानी न हो, इसी उद्देश्य से यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि सेवा भारती अस्पताल परिसर में चाय-बिस्कुट सेवा, बिस्तर सुविधा, सहायता केंद्र, एंबुलेंस सेवा और जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवा रही है। पिछले एक वर्ष में संस्था ने करीब दो लाख 80 हजार लोगों तक सेवाएं पहुंचाई हैं। इस अवसर पर एम्स के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिनेश वर्मा ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार जताया। कार्यक्रम में डॉ. तरुण, डॉ. विपुल, डॉ. स्वाति, डॉ. अमित सलारिया, नर्सिंग अधिकारी ईशा, रोहित गुप्ता सहित सेवा भारती के सदस्य मौजूद रहे। संस्था ने भविष्य में भी सेवाएं जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

24 को होगी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा इस वर्ष 24 अक्तूबर को आयोजित की जाएगी। परीक्षा संयोजक इंजीनियर आरके टंडन ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा का आयोजन प्रदेश और जिला स्तर पर नामांकित विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा तकनीकी संस्थानों में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संस्कारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इंजीनियर टंडन ने परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पूरी लगन और एकाग्रता के साथ तैयारी करें तथा बेहतर परिणाम हासिल कर मेधा सूची में स्थान प्राप्त करने का प्रयास करें।

बर्फबारी से लाहौल-स्पीति में बिगड़े हालात

शिंकुला, बारालाचा ला व कुंजुम पास पर वाहनों की आवाजाही रोकी, गुलाबा-कोकसर बैरियर भी बंद

धनेश गौतम, केलांग/कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति और रोहतांग दर्रे के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बर्फबारी से हालात चुनौतीपूर्ण हो गए हैं।

मौसम के बिगड़ते मिजाज और सड़कों पर बढ़ती फिसलन को देखते हुए शिंकुला, बारालाचा ला और कुंजुम पास की ओर वाहनों की आवाजाही एहतियातन बंद कर दी गई है। वहीं, रोहतांग दर्रे के क्षेत्र में भारी बर्फबारी के चलते गुलाबा और कोकसर बैरियर पर भी यातायात रोक दिया गया है। इस बीच केलंग के समीप रोपांग नाला में बर्फबारी और सड़क पर अत्यधिक फिसलन के कारण कई पर्यटक वाहन फंस गए, जिन्हें सुरक्षित निकालने के लिए लाहौल-स्पीति पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। लाहौल-स्पीति पुलिस के अनुसार, शिंकुला टॉप, बारालाचा ला टॉप और कुंजुम टॉप सहित अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार बर्फबारी हो रही है। कोकसर और जिस्पा क्षेत्र में भी बर्फ गिरने का क्रम जारी है। इससे सड़क मार्गों पर फिसलन बढ़ गई है और वाहनों की आवाजाही जोखिम भरी हो गई है। प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दर्रों की ओर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई है।



पुलिस ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

लाहौल-स्पीति पुलिस ने पर्यटकों और आम जनता से अपील की है कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर जाने से पहले मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी अवश्य लें। पुलिस प्रशासन ने यातायात संबंधी एडवाइजरी का पालन करने और मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों के निर्देशों का अनुपालन करने का आग्रह किया है।

गुलाबा और कोकसर बैरियर पर भी यातायात बंद

एसडीएम मनाली की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, 15 अक्तूबर को दोपहर 1:23 बजे तक प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रोहतांग दर्रे के क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण गुलाबा और कोकसर बैरियर पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी। प्रशासन ने पर्यटकों को यात्रा शुरू करने से पहले सड़क और मौसम की नवीनतम स्थिति की जानकारी लेने तथा अगले आदेश तक अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है।

रोपांग नाला में फंसे पर्यटक, बर्फ के बीच रेस्क्यू में जुटे जवान

केलांग के समीप रोपांग नाला में कई पर्यटक वाहन फंसने की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सुबह से जारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड के बीच पुलिस जवान विषम परिस्थितियों में पर्यटकों को सुरक्षित निकालने के प्रयास में जुटे हैं। सड़क पर अत्यधिक फिसलन और लगातार गिर रही बर्फ के कारण बचाव अभियान में भी चुनौतियां सामने आ रही हैं। पुलिस ने कहा है कि आम नागरिकों और पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। खराब मौसम में अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

प्रताप वर्ल्ड स्कूल की एनी का अंडर-14 राज्य स्तरीय हैंडबॉल टीम में चयन



भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। प्रताप वर्ल्ड स्कूल, इंदौरा चनौर की होनहार छात्रा एनी का अंडर-14 राज्य स्तरीय हैंडबॉल टीम में चयन हुआ है। एनी की इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है। उसने अपनी मेहनत, लगन और खेल प्रतिभा के दम पर विद्यालय, माता-पिता और इंदौरा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अब एनी जिला मंडी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी।

एनी का राज्य स्तरीय टीम में चयन उसकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। हैंडबॉल जैसे प्रतिस्पर्धात्मक खेल में अपनी जगह बनाकर उसने अन्य विद्यार्थियों के सामने भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। विद्यालय की प्रधानाचार्या रेनू परमार और एमडी डॉ. ऋचा महाजन ने एनी की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। एनी की सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में भाग लेने और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित करेगी। प्रधानाचार्या रेनू परमार ने कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ खेलकूद और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाता है। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं। वहीं, डॉ. ऋचा महाजन ने उम्मीद जताई कि एनी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाएगी। विद्यालय प्रबंधन ने उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

खेलो इंडिया जैसी पहल से निखर रही देश की खेल प्रतिभाएं

भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व में बढ़ाया तिरंगे का गौरव : जम्वाल

भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व सुंदरनगर के विधायक राकेश जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

खेलो इंडिया जैसी पहल ने देश के उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने का मंच प्रदान किया है। आज भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। राकेश जम्वाल सुंदरनगर स्थित महाराजा लक्ष्मण सेन मेमोरियल कॉलेज में आयोजित एसपीयू अंतर-महाविद्यालयीय बॉक्सिंग एवं बास्केटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला वर्ग)-2026 के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. पदम सिंह गुलेरिया विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले



खिलाड़ियों की खेल भावना, अनुशासन और मेहनत की सराहना करते हुए उन्होंने युवाओं को खेलों में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभाओं की कभी कमी नहीं रही, लेकिन अनेक खिलाड़ियों को अपनी क्षमता के अनुरूप अवसर और संसाधन नहीं मिल पाते थे। खेलो इंडिया जैसी योजनाओं ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करने, खेलों के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ाने और उन्हें प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खेल अब केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं के करियर, अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहे हैं। राकेश जम्वाल ने कहा कि पेरिस ओलंपिक-2024 में भारतीय खिलाड़ियों ने छह पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक हासिल किया, जबकि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर अपनी क्षमता साबित की। निशानेबाज मनु भाकर ने दो पदक जीतकर इतिहास रचा। वहीं, पेरिस पैरालंपिक-2024 में भारतीय खिलाड़ियों ने 29 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। शतरंज में डी. गुकेश का विश्व चैंपियन बनना भी भारतीय युवाओं की प्रतिभा और सामर्थ्य का शानदार उदाहरण है।

अर्की में खाद्य विभाग की दबिश होटल से घरेलू गैस सिलेंडर जब्त



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की बाजार में खाद्य विभाग की टीम ने होटलों और ढाबों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान करीब आठ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान एक होटल में घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल होता पाया गया, जिस पर विभागीय टीम ने सिलेंडर जब्त कर लिया।

खाद्य विभाग के निरीक्षक रामस्वरूप शर्मा की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई के दौरान जब्त सिलेंडर को गैस गोदाम अर्की के सुपुर्द कर दिया गया। टीम ने होटल और ढाबा संचालकों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। विभाग ने स्पष्ट किया कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। होटल और ढाबा संचालकों को खाना बनाने के लिए निर्धारित व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का ही उपयोग करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान विभागीय टीम ने संचालकों को गैस के उपयोग से संबंधित नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए जागरूक किया। इस कार्रवाई का उद्देश्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के इस्तेमाल पर रोक लगाना और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना रहा। खाद्य विभाग की इस कार्रवाई से बाजार के होटल और ढाबा संचालकों को नियमों के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया गया। विभाग की ओर से प्रतिष्ठानों में निरीक्षण कर नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

घुमारवीं कॉलेज में मनाया नवाचार दिवस

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में संस्थान की नवाचार परिषद के तत्वावधान में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर नवाचार दिवस मनाया गया। इसमें बीसीए, बीएससी, बीए और एमएससी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच अपनाने और नए विचारों से समस्याओं के समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। नवाचार परिषद के अध्यक्ष प्रो. विवेक कुमार ने रचनात्मकता और नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, समन्वयक डॉ. अंजना कुमारी ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप और उद्यमशीलता की जानकारी देते हुए अपने नए विचार परिषद के साथ साझा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वरोजगार के अवसर तलाशने और दूसरों के लिए रोजगार सृजित करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

केवल व विकास ने किया महामाई का गुणगान

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर में मां दुर्गा पूजा एवं विसर्जन कार्यक्रम की तीसरी संध्या भक्तिमय माहौल में आयोजित की गई। साईं मार्केट में जिओ मार्ट के सामने सजे पंडाल में कार्यक्रम की शुरुआत महामाई की आरती से हुई। इस दौरान लोक गायक केवल के साथ राकेश रावत, मनोहर ठाकुर, अश्वनी और राजेश ने महामाई का गुणगान कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया। संध्या की आरती में बिजली विभाग से सेवानिवृत्त संगीता सूद ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस दौरान कूपन के माध्यम से लक्की ड्रा भी निकाले गए। वहीं, युवक मंडल छतर की ओर से आयोजित मां दुर्गा पूजा एवं विसर्जन कार्यक्रम की तीसरी संध्या में लोक गायक विकास शर्मा ने महामाई की भेंटें प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम में मझारनू निवासी राम चंद्र ठाकुर मुख्यातिथि रहे। समिति के सदस्यों ने उन्हें मां दुर्गा की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। दोनों स्थानों पर श्रद्धालुओं ने माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पुष्प वाटिका में राम-सीता मिलन और शिव धनुष भंग की लीला ने मोहा मन

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगर कोट युवा कला केंद्र पुराना कांगड़ा की ओर से आयोजित श्रीरामलीला के पांचवें दिन पुष्प वाटिका में भगवान श्रीराम और माता सीता की भेंट तथा शिव धनुष भंग की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया।

इस दौरान श्रद्धालु प्रभु श्रीराम की लीलाओं को देखकर भावविभोर हो उठे। रामलीला में दिखाया गया कि पुष्प वाटिका में भगवान राम और माता सीता ने एक-दूसरे को देखा। माता सीता ने मन ही मन श्रीराम को अपने पति के रूप में स्वीकार कर लिया। इसके बाद राजा जनक की सभा में सीता स्वयंवर का दृश्य प्रस्तुत किया गया। राजा जनक ने शर्त रखी थी कि जो वीर शिव धनुष को तोड़ेगा, उसी के साथ माता सीता का विवाह होगा। अनेक राजा धनुष उठाने पहुंचे, लेकिन कोई उसे हिला तक नहीं सका। राजा जनक की निराशा



पर लक्ष्मण क्रोधित हो उठे, लेकिन भगवान राम के संकेत पर शांत हो गए। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान राम ने शिव धनुष उठाकर एक ही पल में तोड़ दिया। धनुष टूटने की गर्जना से सभा गूंज उठी।

इसके बाद भगवान परशुराम का आगमन हुआ और लक्ष्मण के साथ उनका तीखा संवाद हुआ। भगवान राम के विनम्र व्यवहार और दिव्य स्वरूप को पहचानकर परशुराम शांत हो गए। इसके साथ ही राम-सीता विवाह की तैयारियां शुरू होने का दृश्य दिखाया गया। कार्यक्रम में ग्रोवर होटल के एमडी रितेश ग्रोवर, सारिका ग्रोवर और सुवांश ग्रोवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने रामलीला प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित किया। आरती के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर रामलीला निर्देशक अजय बिजला, सुभाष काला, संजीव बत्रा, रविंद्र सलैया, अनिल कुमार नीलू, बादल भाटिया, आशुतोष परवान, अशोक पादीडा, विजय तलवाड़, उमेश कला सहित अन्य सदस्य और सैकड़ों स्थानीय लोग मौजूद रहे।

भाजपा की बैठक में संगठन मजबूती पर दिया जोर



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। भाजपा मंडल जयनगर की बैठक ग्राम केंद्र जघुन के अंतर्गत गांव जघुन में मंडल अध्यक्ष राजेश महाजन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष रतन सिंह पाल मुख्यातिथि तथा अर्की के पूर्व विधायक गोविंद राम शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंडल विस्तारक राजकुमार भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, पार्टी की गतिविधियों को गति देने और कार्यों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष रतन सिंह पाल और पूर्व विधायक गोविंद राम शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आपसी समन्वय और सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। मंडल अध्यक्ष राजेश महाजन ने मंडल की गतिविधियों की जानकारी देते हुए विस्तारक को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में ओबीसी मोर्चा के प्रदेश सचिव नरेश चौधरी, जिला सचिव वीएस ठाकुर, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूराम पवार, महामंत्री राजकुमार शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष जुगल किशोर, एससी मोर्चा अध्यक्ष लच्छीराम कश्यप, किसान मोर्चा अध्यक्ष प्रेम सागर आदि उपस्थित रहे।

मोटे अनाज से मफिन व जैम बनाने के गुर सीखे

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। भूमती पंचायत में डॉ. वाईएस परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के खाद्य विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग ने आरकेवीवाई परियोजना के तहत मिलेट्स प्रसंस्करण एवं उद्यमिता पर एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इसमें किसानों, महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ डॉ. मनीषा कौशल और डॉ. अनिल कुमार वर्मा ने मोटे अनाज के पोषण महत्व, प्रसंस्करण तकनीकों और मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण के बारे में बताया। शिविर में मोटे अनाज से मफिन और फलों का जैम बनाने का प्रदर्शन किया गया। साथ ही खाद्य व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक पंजीकरण, लाइसेंस और खाद्य सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पंचायत प्रधान शकुंतला, उपप्रधान विनय शर्मा, पंचायत सचिव विजय लक्ष्मी और वार्ड सदस्य उपस्थित रहे।

बिलासपुर कॉलेज में विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रोजगार के लिए आवश्यक सॉफ्ट स्किल्स विषय पर सेमिनार आयोजित किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को साक्षात्कार की तैयारी, प्रभावी संवाद और व्यावसायिक व्यवहार की जानकारी देना रहा। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने कहा कि रोजगार पाने के लिए शैक्षणिक योग्यता के साथ आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण और प्रभावी संप्रेषण भी जरूरी हैं। मुख्य वक्ता डॉ. शिवानी चौधरी ने विद्यार्थियों को साक्षात्कार की तैयारी, शारीरिक हाव-भाव और व्यक्तित्व प्रस्तुति के बारे में बताया। इस दौरान आयोजित प्रस्तुति प्रतियोगिता में अभय गौतम ने प्रथम, भार्गवी व पावस ने द्वितीय तथा प्रियंका व रश्मि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंत में समन्वयक डॉ. नम्रता पठानिया ने अतिथियों और प्राध्यापकों का आभार जताया।

बैडमिंटन-शतरंज में छात्रों ने दिखाया दमखम, विजेताओं को मिले पुरस्कार



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साईं ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के अंतर्गत श्री साईं कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बैडमिंटन व शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पठानकोट के विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

बैडमिंटन पुरुष वर्ग में श्री साईं कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बधानी के आर्यन मेहरा और मृत्युंजय ने पहला, एसडी कॉलेज पठानकोट के राघव और देवांग ने दूसरा तथा एसएमडीआरएसडी कॉलेज के आदित्य और गोवर्धन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में श्री साईं कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बधानी की रिचा और साक्षी ठाकुर प्रथम तथा पठानकोट कॉलेज ऑफ एजुकेशन की भारती और प्रीति द्वितीय स्थान पर रहीं। पुरुष शतरंज प्रतियोगिता में श्री साईं कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के ईशान शर्मा ने पहला, नीरज ने दूसरा और एसएमडीआरएसडी कॉलेज के गौरव ने तीसरा स्थान हासिल किया। महिला वर्ग में एसडी कॉलेज की शिवानी प्रथम तथा श्री साईं कॉलेज ऑफ एजुकेशन की सिमरन द्वितीय रहीं। ग्रुप की एमडी तृप्ता पुंज ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर चेयरमैन एसके पुंज, सीएमडी कंवर तुषार पुंज, रिया पुंज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

पालतू कुत्ता खुला छोड़ने पर दो लोगों पर केस, गेहड़वीं में मां-बेटी से मारपीट

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले में कुत्ते के हमले और मां-बेटी के साथ मारपीट के दो मामले सामने आए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में शिकायतों के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बरमाणा थाना क्षेत्र के द्रोबड़ गांव में पालतू कुत्ते के हमले में किशोर प्रताप सिंह निवासी द्रोबड़ घायल हो गए। शिकायतकर्ता के अनुसार, गांव के दो व्यक्तियों ने अपना पालतू कुत्ता खुला छोड़ रखा था, जिसने उनकी बाईं टांग पर काट लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 291 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। झंडूता उपमंडल के गेहड़वीं क्षेत्र में एक महिला ने शिकायत दी कि कुछ लोगों ने उसका रास्ता रोककर गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी बेटी के साथ भी हाथापाई की गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 126(2), 115(2), 351(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

भुंतर में चोरी हुई नैनो कार बरामद, दो काबू

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू के भुंतर थाना क्षेत्र में पुलिस ने नैनो क

जॉर्जिना रोड्रिग्ज का खूबसूरत अंदाज

जॉर्जिना रोड्रिग्ज एक स्पेनिश मॉडल और सामाजिक माध्यमों पर प्रसिद्ध व्यक्तित्व हैं। उनका जन्म 27 जनवरी 1994 को अर्जेंटीना में हुआ था। उन्होंने फैशन जगत में अपनी पहचान बनाई है। वह प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ अपने संबंधों के कारण भी चर्चा में रहती हैं।



एमबाप्पे चैंपियंस लीग में 100 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

एजेंसी, रोम

रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे ने यूईएफए चैंपियंस लीग में नया इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 100 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं।

एमबाप्पे ने बुधवार को रोम के स्टेडियो ओलिम्पिको में रोमा के खिलाफ रियल मैड्रिड की 4-3 की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। एमबाप्पे ने 27 साल, नौ महीने और 25 दिन की उम्र में 100 चैंपियंस लीग मैच पूरे किए। उन्होंने अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने सितंबर 2015 में रोमा के खिलाफ ही 28 साल की उम्र में इस मुकाम को हासिल किया था।



रिकॉर्ड बनाने के साथ गोल भी किया

फ्रांस के इस स्टार खिलाड़ी ने उपलब्धि का जश्न पहले हाफ में बराबरी का गोल करके मनाया। उनके गोल ने रियल मैड्रिड की वापसी में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद टीम ने मुकाबले के अंतिम क्षणों में निर्णायक गोल करके 4-3 से जीत दर्ज की। इस गोल के साथ एमबाप्पे चैंपियंस लीग के सर्वकालीन सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रियल मैड्रिड के पूर्व खिलाड़ी राउल गोंजालेज को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

17 साल की उम्र में किया था पदार्पण

एमबाप्पे ने सितंबर 2016 में मोनाको की ओर से 17 साल की उम्र में चैंपियंस लीग में पदार्पण किया था। इसके बाद उन्होंने अपनी तेज रफ्तार, गोल करने की क्षमता और लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर यूरोपीय फुटबॉल में खास पहचान बनाई है। अब 100 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने के साथ एमबाप्पे ने प्रतियोगिता के इतिहास में अपना नाम एक और उपलब्धि के साथ दर्ज करा लिया है। यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए के अनुसार 26 साल और 85 दिन की उम्र में हालंद चैंपियंस लीग में 60 गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने मेसी का रिकॉर्ड को एक दिन के अंतर से तोड़ा।

एशियन गेम्स में खिलाड़ियों की सफलता, देश की उपलब्धि : पीएम

मेडलिस्ट से मिले, कहा- महिला हॉकी में 44 साल का इंतजार खत्म हुआ

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीरवार को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एशियन गेम्स 2026 के मेडलिस्ट खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी ने गोल्ड मेडल जीतकर 44 साल का इंतजार खत्म किया है। खिलाड़ियों की सफलता देश की सफलता है। नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में यह कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी शामिल रहीं। आइची-नागोया में हुए एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

पूरे देश का गौरव बढ़ता है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खिलाड़ियों के बीच आकर उन्हें भी ऊर्जा मिलती है। एक साथ इतने सारे मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मिलना अपने आप में खास अनुभव है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि जब जुनून जीत में बदलता है, तो सिर्फ मेडल ही नहीं मिलते, बल्कि चेहरे पर भी चमक आती है। इससे पूरे देश का गौरव बढ़ता है।

युवा खुद अपनी राह बना रहे: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एशियन गेम्स में भारत की सफलता देश की बदलती सोच को भी दिखाती है। यह इस बात का उदाहरण है कि आज देश के युवा हर क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहते हैं। युवाओं के दृढ़ संकल्प से बड़ी कोई चुनौती नहीं है और उनकी क्षमता से बाहर कोई लक्ष्य नहीं है। संभावनाओं का असीमित आसमान उनके सामने है और वे खुद अपनी राह बना रहे हैं।



भारतीय क्रिकेट टीम की भी तारीफ की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में हुए एशियन गेम्स कई मायनों में यादगार रहे। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने गोल्ड मेडल जीते। महिला हॉकी टीम ने गोल्ड जीतकर 44 साल का लंबा इंतजार खत्म किया। क्रिकेट में भी भारत की पुरुष और महिला टीमों ने लगातार दूसरी बार मेडल जीतकर अपना पिछला रिकॉर्ड दोहराया। कबड्डी में दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल हासिल किए।

श्रेयस अय्यर बोले-गेंदबाजों ने प्लान पर अमल नहीं किया

एजेंसी, हैदराबाद

कप्तान श्रेयस अय्यर ने बुधवार को टीम इंडिया की हार पर कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने अपनी लाइन और लेंथ पर सही तरीके से अमल नहीं किया। यही वह जगह थी, जहां हम थोड़ा पीछे रह गए। अय्यर ने कहा- 'जब आप 250 रन का पीछा कर रहे हों, तो आपको एक तय तरीके से आगे बढ़ना होता है। मुझे रन चेज के दौरान हमारा रुख पसंद आया।' हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने इंडिया को 24 रन से हराया। इससे 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर आ गई। आखिरी और निर्णायक मैच शनिवार को बेंगलुरु में खेला जाएगा।



उन्होंने कहा, 'गेंद उछल रही थी और उन्होंने फील्ड का भी अच्छी तरह इस्तेमाल किया। उनका एग्जीक्यूशन बिलकुल सही था।' अय्यर ने कहा कि आगे भी टीम का रुख वही रहेगा। उन्होंने कहा कि गेंदबाजी को लेकर बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। हम सिर्फ प्लांस को सही तरीके से एग्जीक्यूट करने पर फोकस करेंगे।

तिलक वर्मा का विकेट मैच का टर्निंग प्वाइंट था : सैमसन

भारतीय ओपनर संजू सैमसन ने तिलक वर्मा के विकेट को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए मैच का टर्निंग पॉइंट बताया है। उन्होंने मैच के बाद कहा- 'मैच का टर्निंग पॉइंट वह था, जब तिलक आउट हुए। हम मैच में अच्छी स्थिति में थे।' 31 साल के सैमसन ने आगे कहा, 'हम 10-20 रन आसानी से बना रहे थे। रेड्डी और तिलक दबाव हैंडल कर रहे थे। दोनों बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उस समय तक हम रन चेज में बने हुए थे।' मैच में 48 रन बनाने के लिए 19 गेंदें बाकी थीं, तभी रोमारियो शेफर्ड ने तिलक से गलत शॉट लगवाकर उनका विकेट लिया। इसके बाद वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हरा दिया।



स्पोर्ट्स विंडो

भारत के टी-20 में 2000 छक्के पूरे

एजेंसी, हैदराबाद। वेस्टइंडीज ने चौथे टी-20 मैच में भारत को 24 रन से हरा दिया। हैदराबाद में खेले गए इस मैच के दौरान भारत ने टी-20 इंटरनेशनल में 2 हजार छक्के पूरे किए। शाई होप ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वे वेस्टइंडीज के लिए टी-20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। भारत यह मुकाम हासिल करने वाली दुनिया की दूसरी टीम बन गई। टीम के नाम अब 2010 छक्के हैं। वेस्टइंडीज 2,026 छक्कों के साथ पहले स्थान पर है। होप वेस्टइंडीज के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने क्रिस गेल और इविन लुईस के 2-2 शतक को पीछे छोड़ा। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा फिफ्टी या उससे ज्यादा का स्कोर बनाने में क्रिस गेल की बराबरी की। दोनों ने 16-16 बार कारनामा किया। वेस्टइंडीज ने हैदराबाद में पावरप्ले में 1 विकेट खोकर 79 रन बनाए। यह भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले टीम ने 2016 में लॉडरहिल में बिना विकेट खोए 78 रन बनाए थे।

द. अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट से पहले टीम बदली

एजेंसी, जोहान्सबर्ग। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम में एक बदलाव किया है। मैथ्यू ब्रीट्जके को ट्रिस्टन स्टब्स की जगह टीम में शामिल किया गया है। दूसरा टेस्ट 18 अक्टूबर से गकेबरहा में शुरू होगा। रयान रिकेल्टन इस मैच में विकेटकीपिंग करेंगे। पहले टेस्ट में मेजबान टीम 214 रन से हार गई थी। तीन मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने बढ़त बना रखी है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने वीरवार को जारी बयान में कहा, 'मैथ्यू ब्रीट्जके ने ट्रिस्टन स्टब्स की जगह ली है। रयान रिकेल्टन दूसरे टेस्ट में विकेटकीपिंग करेंगे।' बाएं हाथ के बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी को टीम में नहीं चुना गया। वे बाईं हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। इस टीम में 17 नाम शामिल हैं। दूसरे मैच की प्लेइंग-11 में कगिसो रबाडा को मौका मिल सकता है। कप्तान टेम्बा बावुमा ने पहले मैच के बाद इसके संकेत दिए थे। बावुमा ने कहा था कि रबाडा अच्छे दिख रहे हैं। उन्हें फिट होने के लिए अतिरिक्त दिन मिल गए हैं। हम देखेंगे कि वे आगे कैसे रिकवरी करते हैं।'

ओलंपिक चैंपियन सिफान हसन न्यूयॉर्क मैराथन से हटीं

एजेंसी, नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक की मैराथन चैंपियन नीदरलैंड की सिफान हसन ने पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाने के कारण न्यूयॉर्क सिटी मैराथन से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बीमारी के कारण उनका अभ्यास प्रभावित हुआ और वह अपनी उम्मीदों के मुताबिक तैयारी नहीं कर सकीं। हसन ने लिखा, 'मैं और मजबूत होकर वापसी करने के लिए बहुत उत्साहित थी, लेकिन बीमारी ने मेरे प्रशिक्षण की रफ्तार धीमी कर दी। मैं उस स्थिति में नहीं हूं, जहां मैं होना चाहती थी।' उन्होंने आगे कहा, 'कभी-कभी चीजें योजना के मुताबिक नहीं होतीं।' हसन ने पेरिस ओलंपिक 2024 में मैराथन का स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में पांच हजार और दस हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। वह नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व करती हैं। हसन पिछले साल न्यूयॉर्क के पांचों नगर क्षेत्रों से गुजरने वाली मैराथन में दौड़ी थीं और छठे स्थान पर रही थीं। उसके बाद से उन्होंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है।

पैरा एशियाई खेलों में भारत के 168 खिलाड़ी पेश करेंगे चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में 18 से 24 अक्टूबर तक होने वाले पांचवें पैरा एशियाई खेलों में भारत के 168 खिलाड़ी 11 खेलों में चुनौती पेश करेंगे। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में 45 देशों के खिलाड़ी 19 खेलों में हिस्सा लेंगे। भारत की कोशिश पिछले संस्करण के शानदार प्रदर्शन को दोहराने की होगी, जब उसने चीन के हांगझोऊ में 27 स्वर्ण सहित रिकॉर्ड 108 पदक जीते थे। भारतीय दल में दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल और अवनी लेखरा भी शामिल हैं। सुमित भाला फेंक की एफ-64 स्पर्धा में और अवनी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी। हसन को इस साल एड़ी की अकिलीज चोट के कारण लंदन मैराथन से भी नाम वापस लेना पड़ा था। अब बीमारी के कारण न्यूयॉर्क मैराथन से हटने के बाद उनकी प्रतिस्पर्धी वापसी के लिए इंतजार करना होगा।

डेनमार्क ओपन: त्रीसा-गायत्री की जोड़ी अंतिम-16 में पहुंची

एजेंसी, ओडेंस। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बुधवार को डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले दौर में चीनी ताइपे की यान फेई चेन और हिसएह पेई शान को सीधे गेमों में हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। वहीं, महिला एकल में देविका सिहाग को हार का सामना करना पड़ा। एसजेएफ बैंक एरिना में खेले गए मुकाबले में त्रीसा और गायत्री ने 38 मिनट में चीनी ताइपे की जोड़ी को 22-20, 21-14 से पराजित किया। भारतीय जोड़ी अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इंडोनेशिया की रेचल अलेसिया रोज और फेबी सेतियानिंगरुम से भिड़ेगी। महिला युगल में भारत की एक अन्य जोड़ी को निराशा हाथ लगी। रुतुपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा को चीन की बाओ ली जिंग और काओ जि हान के खिलाफ 14-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। (अनंत ज्ञान)

राष्ट्रीय ड्रैगन बोट चैंपियनशिप के लिए गोबिंदसागर झील में डटकर पसीना बहा रही हिमाचल की टीम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। दिल्ली में 18 से 20 अक्तूबर तक होने वाली 13वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बोट एवं ट्रेडिशनल स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम गोबिंदसागर झील में जमकर पसीना बहा रही है। हिमाचल गोबिंद सागर एडवेंचर वाटर स्पोर्ट्स एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ी प्रतियोगिता की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार (आईएएस), प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार कसाना और महासचिव रितेश अहलूवालिया ने बताया कि सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग में 1000, 500 और 200 मीटर, जबकि जूनियर लड़के-लड़कियों के वर्ग में 500 और 200 मीटर की स्पर्धाएं होंगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल की टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। एसोसिएशन ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रतियोगिता की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे प्रदेश के खिलाड़ी



बैंकॉक में निर्मला सीतारमण की ब्रिटेन के चांसलर जॉन हीली से मुलाकात

एजेंसी, पणजी

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को बैंकॉक में ब्रिटेन के चांसलर ऑफ द एक्सचेकर जॉन हीली से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग को आगे बढ़ाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में पिछले आर्थिक एवं वित्तीय संवाद के बाद हुई प्रगति की समीक्षा करने के साथ वित्तीय बाजारों और वित्तीय प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने चौथे भारत-ब्रिटेन वित्तीय बाजार संवाद के सफल समापन और वित्तीय प्रौद्योगिकी से संबंधित बैठकों के परिणामों पर चर्चा की। इसके साथ ही भारत-ब्रिटेन वित्तीय साझेदारी से जुड़े विषयों पर भी विचार साझा किए गए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साझा प्राथमिकताओं पर ब्रिटेन के साथ मिलकर काम करने और जी-20 की प्रक्रिया को रचनात्मक एवं समावेशी बनाए रखने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

◆ भारत-ब्रिटेन की वित्तीय साझेदारी पर हुआ मंथन

मजबूत होंगे आर्थिक संबंध

बैठक में आगामी 14वें भारत-ब्रिटेन आर्थिक एवं वित्तीय संवाद को लेकर भी चर्चा हुई, जिसका आयोजन दिसंबर में प्रस्तावित है। इस संवाद के दौरान महत्वपूर्ण खनिजों, हरित प्रौद्योगिकी और शहरी क्षेत्रों के बीच साझेदारी जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। दोनों देशों के बीच नियमित संवाद को आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और साझा प्राथमिकताओं पर प्रगति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निर्मला सीतारमण तीन दिवसीय दौरे पर बैंकॉक पहुंची हैं, जहां वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में हिस्सा ले रही हैं।



रिलायंस पावर की 2032 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी, मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन के मामले में अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस पावर लिमिटेड की 2,032.81 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां जब्त की हैं। एजेंसी के अनुसार, जब्त संपत्तियों में कंपनी के बैंक खातों में जमा राशि और सासन पावर लिमिटेड में उसकी हिस्सेदारी शामिल है। यह कार्रवाई विदेश में रखी गई विदेशी मुद्रा से संबंधित मामले में की गई है। जांच भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मिली जानकारी के आधार पर शुरू हुई थी। यह जानकारी कंपनी की लेखा पुस्तकों में 2,101.46 करोड़ रुपये की राशि को बट्टे खाते में डालने से जुड़ी थी। यह राशि ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स और केमैन आइलैंड्स की कंपनियों में विदेशी निवेश तथा उन्हें दिए गए अग्रिम भुगतान से संबंधित थी। ईडी के मुताबिक, रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज लिमिटेड ने वर्ष 2006 में विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड के माध्यम से 30 करोड़ डॉलर जुटाए थे। इसमें से 27.5 करोड़ डॉलर उसकी सिंगापुर स्थित सहायक कंपनी में लगाए गए। इस राशि को जिनेवा स्थित डॉयचे बैंक में जमा कराया गया, जिसका इस्तेमाल ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स की कंपनियों को दिए गए ऋण के लिए गारंटी के रूप में हुआ।

भारत की नई जीडीपी पद्धति को आईएमएफ का समर्थन

एजेंसी, मुंबई

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की संशोधित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) गणना पद्धति का समर्थन करते हुए इसे सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप बताया है। आईएमएफ के एशिया एवं प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने गुरुवार को बैंकॉक में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत की जीडीपी गणना के आधार वर्ष में संशोधन स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि भारत ने नई गणना पद्धति में किए गए बदलावों को स्पष्ट करने के लिए एक टिप्पणी भी जारी की है। श्रीनिवासन के अनुसार, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जीडीपी के आंकड़ों को बेहतर बनाने के लिए अच्छा काम किया है।



भारतीय अर्थव्यवस्था को राहत

आईएमएफ की 'एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र की क्षेत्रीय आर्थिक परिदृश्य' रिपोर्ट में भारत को उन उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल किया गया है, जिनकी मुद्राओं पर ऊर्जा संकट के बाद दबाव पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में यह दबाव कुछ कम हुआ है। गौरतलब है कि भारत की अप्रैल-जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने के आंकड़ों पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। इसके जवाब में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा था कि नई गणना में मार्च 2023 में समाप्त वित्त वर्ष को आधार वर्ष बनाया गया है, जिसके कारण पिछले वर्ष के तिमाही आंकड़ों में भी संशोधन हुआ।

चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह 13.21% बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉरपोरेट कर संग्रह में अच्छी वृद्धि के चलते चालू वित्त वर्ष 2026-27 में एक अप्रैल से 14 अक्टूबर के बीच शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 13.21 प्रतिशत बढ़कर करीब 13.38 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 20.58 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5.99 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं, गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 5.83 प्रतिशत बढ़कर करीब 6.92 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसमें व्यक्तियों, कंपनियों और हिंदू अविभाजित परिवारों की ओर से चुकाया जाने वाला कर शामिल है। आंकड़ों के मुताबिक, 14 अक्टूबर तक प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) संग्रह में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह सालाना आधार पर 52 प्रतिशत बढ़कर 46,840 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इसी अवधि में कर वापसी यानी रिफंड की राशि भी 24.22 प्रतिशत बढ़कर 2.65 लाख करोड़ रुपये रही। सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर संग्रह में भी वृद्धि दर्ज की गई है।



◆ कॉरपोरेट कर से सरकार को मिले 5.99 लाख करोड़ रुपये

आईपीओ देश के सबसे बड़े आईपीओ की तैयारी, जियो प्लेटफॉर्म्स जुटाएगा 30,213 करोड़ रुपए

30 हजार करोड़ से बड़ा होगा जियो का आईपीओ

एजेंसी, मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 21 अक्टूबर 2026 को खुलेगा। निवेशक इस निर्गम में 23 अक्टूबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्रति शेयर 1,065 रुपये से 1,119 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। ऊपरी मूल्य दायरे के आधार पर कंपनी लगभग 30,213 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है, जबकि निचले मूल्य दायरे पर निर्गम का आकार करीब 28,755 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इस निर्गम के साथ जियो प्लेटफॉर्म्स के पास देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ लाने का अवसर होगा। कंपनी का निर्गम आकार हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के आईपीओ से अधिक हो सकता है।



जियो आईपीओ के लिए मूल्य दायरा

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 14 अक्टूबर को इस संबंध में नियामकीय जानकारी साझा की थी। इसके बाद कंपनी की आईपीओ समिति ने मूल्य दायरे, कर्मचारियों के लिए छूट और न्यूनतम आवेदन के लिए शेयरों की संख्या सहित प्रमुख पहलुओं को मंजूरी दी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आईपीओ के तहत लगभग 27 करोड़ इक्विटी शेयर पेश किए जाएंगे। निर्गम का अंतिम आकार शेयरों के तय मूल्य और अन्य निर्धारित शर्तों पर निर्भर करेगा।

जियो आईपीओ से बाजार में हलचल

कंपनी का अनुमानित मूल्यांकन लगभग 108.3 अरब डॉलर बताया गया है। इस मूल्यांकन के आधार पर जियो प्लेटफॉर्म्स बाजार पूंजीकरण के लिहाज से भारत की चौथी सबसे बड़ी कंपनी बनने की स्थिति में आ सकती है। इस सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक उससे आगे रहने का अनुमान है। हालांकि, वास्तविक बाजार पूंजीकरण शेयरों के निर्गम मूल्य पर निर्भर करेगा। आईपीओ की घोषणा के बाद निवेशकों की नजर मूल्य दायरे, निर्गम के आकार और कंपनी के बाजार मूल्यांकन पर रहेगी। 21 से 23 अक्टूबर तक चलने वाली बोली प्रक्रिया में निवेशकों की भागीदारी से यह भी स्पष्ट होगा कि बड़े आकार के इस निर्गम को बाजार से कैसी प्रतिक्रिया मिलती है।